रांची, शुक्रवार
20.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 81 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

केंद्र ने पंजाब में 6 लेन के सड़क प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली। पंजाब में बुनियादी ढांचे के विकास और ट्रैफिक समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एनएच-205ए के अंबाला-चंडीगढ़ सेक्शन को जीरकपुर बाइपास से जोड़ने के लिए 6-लेन वाले एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड स्पर के निर्माण करने की घोषणा की है। इसके लिए 1,463.95 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। नितिन गडकरी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि यह परियोजना ट्राइसिटी रिंग रोड का हिस्सा है। इससे मोहाली, चंडीगढ़ और पंचकूला के प्रमुख शहरी जंक्शनों पर ट्रैफिक दबाव कम होगा और भारी वाहनों का आवागमन डायवर्ट किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर से एनएच-44, एनएच-205ए और एनएच-152 पर जाम की समस्या कम होगी। साथ ही हिमाचल प्रदेश, विशेषकर शिमला क्षेत्र की ओर तेज और सुगम कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे यात्रा समय घटेगा और क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को मजबूती मिलेगी।

भारत-नीदरलैंड ने द्विपक्षीय सहयोग पर की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ से गुरुवार को मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि यहां हुई इस बैठक में दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का साधन बनाने पर विचार साझा किए। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वाताओं के निष्कर्ष का स्वागत किया और इसके शीघ्र क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने भारत-नीदरलैंड्स के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग को और मजबूत करने तथा आर्थिक साझेदारी में नए अवसरों का लाभ उठाने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को और सशक्त बनाने का संकल्प भी दोहराया।

दिवंगत नन्ही बिटिया का अंगदान कर माता-पिता ने पेश किया मानवता का मिशाल : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि केरल की नन्ही बिटिया आलिन शेरिन अब्राहम यह नाम पूरे देश को द्रवित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स कहा है कि अपनी संतान को खो देना किसी भी माता-पिता के लिए सबसे असहनीय क्षण होता है। ऐसे समय में, जब हृदय शोक से भरा हो, अपने जिगर के टुकड़े के अंग दान करने का निर्णय शेरिन एन जॉन और अरुण अब्राहम के लिए साधारण नहीं, बल्कि अद्भुत साहस, त्याग और करुणा का उदाहरण है। यह केवल अंगदान नहीं था, यह मानवता के प्रति उनकी

अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण था। आलिन का जीवन भले ही अल्पकालिक रहा, पर आज वह कई घरों की उम्मीद बनकर जीवित है और अमर हो गई है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा है कि दिवंगत आलिन के माता-पिता ने जो किया, वह पूरी मानवता के लिए एक अमिट मिसाल है। ऐसी मिसाल जो हर सीमा, हर भाषा और हर भेद से भी ऊपर है। उन्होंने कहा कि वे नन्ही आलिन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और दिवगंत आत्मा के माता-पिता के अद्वितीय साहस को नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन की संवेदनशीलता को भी नमन करता हूं, जिन्होंने दिवगंत आलिन के अंतिम संस्कार को राजकीय सम्मान देकर मानवता के इस संदेश को और ऊंचाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरों को जीवन देने का महादान अंगदान है। झारखंड राज्य में भी अंगदान की नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन पहुंचे धनबाद, दिवंगत डॉ0 बुद्धदेव महतो को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रांची/धनबाद। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन गुरुवार को पूर्व विधायक आनंद महतो के बलियापुर (बड़ादाहा) धनबाद स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां पूर्व विधायक आनंद महतो के दिवंगत सुपुत्र डॉ० बुद्धदेव महतो के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दिवंगत डॉ० बुद्धदेव महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। विधायक कल्पना सोरेन ने भी दिवंगत डॉ० बुद्धदेव महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने पूर्व विधायक आनंद महतो एवं उनके परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की तथा उनका ढांढ़स बंधाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का किया उद्घाटन

एआई में पादर्शिता जरूरी, बने सबके हित और सबके सुख का साधन : पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एआई शिखर सम्मेलन में विश्व के समक्ष भारत का सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय का बेंचमार्क प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि एआई को कुछ देश और कंपनियां रणनीति के तौर पर इस्तेमाल करने की सोच रही हैं। भारत का मानना है कि एआई के लिए पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे विश्व का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट बताया और कहा कि हमें आज यह संकल्प करना चाहिए कि एआई को वैश्विक भलाई (ग्लोबल कॉम गुड) के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने एआई से जुड़ा मानव विजन प्रस्तुत किया। मानव विजन का अर्थ है एम (मोरल एंड एथिकल सिस्टम), ए (अकाउंटेबल गवर्नेंस) एन (नेशनल सॉवरेन्टी) ए (एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव) वी (वैलिड एंड लेजिटीमेट)।

इस कार्यक्रम में फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव, राष्ट्राध्यक्ष, मंत्रीगण, बहुपक्षीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि और प्रौद्योगिकी एवं एआई उद्योग के नेता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि नैतिक और नीतिपरक प्रणालियां यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता नैतिक दिशा-निर्देशों पर आधारित होनी चाहिए। जवाबदेह शासन का अर्थ है कि इसके लिए पारदर्शी नियम और इसकी सशक्त निगरानी होनी चाहिए। राष्ट्रीय संप्रभुता से मतलब है कि डेटा उसके सही स्वामी (संबंधित देश) का है। सुलभ और समावेशी यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एकाधिकार नहीं, बल्कि एक गुणक होना चाहिए। वैध और न्यायसंगत से अर्थ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता विधिव और सत्यापन योग्य होनी चाहिए।

बड़े विजन और जिम्मेदारी को निभाने का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के साथ ही हमें इस बात की भी चिंता करनी है कि आने वाली पीढ़ियों के हाथों में हम एआई का क्या स्वरूप सौंपकर जाएंगे।

शेष पेज 11 पर

पिचाई ने विशाखापत्तनम में एआई हब के निर्माण के लिए लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की

नई दिल्ली : गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में घोषणा की है कि गूगल आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम शहर में एक एआई हब के निर्माण के लिए 15 बिलियन डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए) का निवेश करेगा। श्री पिचाई ने कहा, ₹मुझे याद है कि यह संभावनाओं से भरा एक शांत और साधारण तटीय शहर है। अब, गूगल भारत में हमारे 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बुनियादी ढाँचे के निवेश के के रूप में वहां एक पूरी क्षमता वाला एआई हब स्थापित कर रहा है।₹ गूगल सीईओ ने कहा कि जब यह बनकर तैयार हो जाएगा, तो इस हब में गीगावाट-स्केल की कंप्यूटिंग और एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी केबल गेटवे (समुद्र के नीचे बिछी केबल) होगा, जो पूरे भारत के लोगों और व्यवसायों के लिए नौकरियां और अत्याधुनिक एआई लाएगा। श्री पिचाई ने कहा कि वह भारत में 'बदलाव की गति से प्रभावित' हैं। साथ ही उन्होंने वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में देश की बढ़ती भूमिका की भी सराहना की। तमिलनाडु में चेन्नई के रहने वाले श्री पिचाई ने याद किया कि कैसे उनके पिता रेगुनाथा पिचाई ने उनसे कहा था कि वह तब 'ज्यादा प्रभावित' होंगे, जब बिना चालकों की कारें भारत की व्यस्त सड़कों पर चल सकेंगी। उन्होंने पिछले साल एआई आधारित पूवार्नुमान लाखों किसानों को भेजने के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की और कहा कि यह आंशिक रूप से उनके 'न्यूरल-जीसीएम' मॉडल द्वारा संभव हो पाया है।

विधानसभा में राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत और जी राम जी के मुद्दे पर सदन में नोकझोंक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए सत्तापक्ष के विधायक हेमलाल मुर्मू ने राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के प्रोटोकॉल तथा वीबी जी राम जी योजना को लेकर गुरुवार को आपत्ति जताई, जिस पर सदन में तीखी बहस छिड़ गई।

हेमलाल मुर्मू ने कहा कि हाल में राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम) को राष्ट्रीय गान (जन मन) से पहले गाना अनिवार्य किए जाना एक धर्मनिरपेक्ष राज्य में सांप्रदायिकता की झलक मिलती है। उन्होंने वंदेमातरम के कुछ अंशों पर ऐतिहासिक विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी धर्मों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। साथ ही उन्होंने मनरेगा के नामकरण, जी राम जी, ओबीसी के आरक्षण सहित अन्य मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की।

उनके वक्तव्य के दौरान भाजपा विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई। विधायक नीरा यादव ने कहा कि राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत जिसपर देश को अभिमान है लेकिन पता नहीं क्यों राष्ट्र गीत और राष्ट्र गान, गाने पर आपत्ति होती है। समझ से परे है। और जानबूझकर केंद्र के हर फैसले का विरोध करते हैं जो उचित नहीं है। वहीं सीपी सिंह ने मुर्मू के भाषण पर कटाक्ष किया।

विधायक प्रदीप यादव ने अभिभाषण पर विपक्ष की ओर से संशोधन प्रस्ताव नहीं लाए जाने पर सवाल उठाया। प्रदीप यादव ने कहा कि जिस वंदे मातरम की बात बोल रहे हैं। बंगाल में चुनाव के कारण ऐसी घोषणाएं की जा रही है। भाजपा सदस्य नीरा यादव ने रोक टोक करते हुए कहा कि अब जबकि सदन में राज्यपाल के अभिभाषण में बोलना है तो विषय को छोड़ इधर उधर की भाषण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सदन में मुद्दे पर ही बात करें। केंद्र सरकार को बेवजह घेरकर क्या होनेवाला है। सदन में इस अभिभाषण पर उमाकांत रजक सहित अन्य सदस्यों ने भी बातें रखी।

ब्रिटेन एआई क्षेत्र में 1.6 अरब यूरो तक करेगा निवेश

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई शिखर सम्मेलन के दौरान गुरुवार को ब्रिटेन ने अपनी पहली ऐतिहासिक एआई रणनीति की घोषणा की। इस पहल के तहत स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करने का लक्ष्य रखा गया है। ब्रिटेन इस क्षेत्र के लिए 1.6 अरब यूरो (लगभग 16,500 करोड़ रुपये) तक का निवेश करेगा, जो 2026-2030 की अवधि के लिए देश का सबसे बड़ा एकल निवेश क्षेत्र बन गया है।

पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव और उनकी पत्नी पूर्व विधायक निर्मला देवी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड सरकार के पूर्व कृषि मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव और उनकी पत्नी, पूर्व विधायक निर्मला देवी को बुधवार दोपहर करीब तीन बजे हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत पगार ओपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूर्व मंत्री के खिलाफ बड़कागांव, केरेडारी और पगार ओपी सहित कई थानों में मामले दर्ज थे.

बताया जा रहा है कि योगेंद्र साव 31 दिसंबर 2025 से एनटीपीएस की चट्टी बरियातू कोयला खदान में अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे थे.

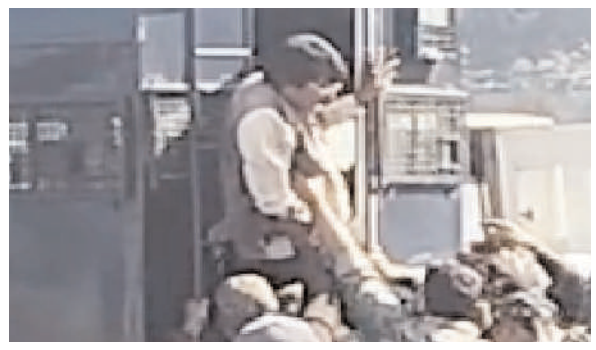

पुलिस ने उन्हें धरना स्थल से ही हिरासत में लिया.

गिरफ्तारी से पूर्व योगेंद्र साव अपनी बेटी और पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के साथ दिल्ली गए थे, जहां उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी. दिल्ली से लौटने के बाद साव बुधवार को चट्टी बरियातू स्थित धरना स्थल पहुंचे, जहां से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

एसीबी ने रिश्वत लेते अमीन को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रांची के सिल्ली अंचल कार्यालय में कार्यरत अमीन को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अमीन गणेश महतो एक व्यक्ति से जमीन मापी के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था। जिसकी लिखित शिकायत एसीबी में की गई थी।

एसीबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित रांची के सिल्ली निवासी वासुदेव महतो ने एसीबी में लिखित शिकायत दी थी कि अमीन गणेश महतो के जरिये उनकी जमीन

की नापी, रिपोर्ट और नक्शा के एवज में रिश्वत की मांग कर रहा है। वासुदेव महतो किसी भी हाल में रिश्वत देकर काम करवाना नहीं चाहता था। इसके बाद उन्होंने मामले की लिखित शिकायत एसीबी में की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी के पदाधिकारियों ने मामले की जांच की तो शिकायत सत्य पाई गई। अमीन ने वासुदेव महतो से जमीन की मापी और नशे को लेकर बड़ी रकम की मांग की थी, लेकिन वासुदेव महतो ने जब कहा कि उसके पास पैसे नहीं है तब 8000 में बात बनी। पैसे देने की बात वासुदेव महतो के जरिये एसीबी को बताई गई। इसके बाद अमीन को पकड़ने के लिए एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और गुरुवार को रिश्वत लेते उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर 22 राज्यों को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली : देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चरणबद्ध तरीके से अभियान चला रहे चुनाव आयोग ने 22 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को यह अभियान शुरू करने के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर लेने के लिए कहा है।

आयोग ने इस संबंध में 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखकर एसआईआर की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने जिन राज्यों को यह प्रक्रिया पूरी करने को कहा है उनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, लद्दाख, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना और उत्तराखंड शामिल हैं।

गौरतलब है कि आयोग ने गत वर्ष 24 जून को पूरे देश में मतदाता सूची में सुधार के लिए एसआईआर अभियान शुरू किया था और इसके तहत पहले चरण में बिहार में सफलतापूर्वक इसे पूरा किया गया। आयोग के अनुसार बिहार में कोई अपील उसे नहीं मिली और प्रक्रिया में मतदाता सूची को पूरी तरह साफ-सुथरा बनाया गया।

आयोग का कहना है कि उसने दूसरे चरण में 12 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में यह अभियान शुरू किया जिसमें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप शामिल हैं। इनसे कई जगह एसआईआर का काम पूरा हो चुका है और कई जगह यह अभियान चल रहा है। इस प्रक्रिया में अंतिम मतदाता सूची फरवरी में प्रकाशित हो चुकी है या प्रकाशन की प्रक्रिया चल रही है।

राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को लिखे पत्र में आयोग ने कहा है कि अब शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अप्रैल से एसआईआर प्रक्रिया शुरू की जा सकती है इसलिए मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस प्रक्रिया से संबंधित तैयारी जल्द से जल्द पूरी कर देनी चाहिए। इस प्रक्रिया में बूथ लेवल अधिकारियों की ट्रेनिंग, फॉर्मों की छपाई, हाउस-टू-हाउस गणना की योजना और अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं। आयोग का लक्ष्य है कि कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं और सूची में कोई अयोग्य या फर्जी नाम न रहे।

आयोग ने मतदाताओं से भी अपील है कि वे चुनाव आयोग की साइट पर अपने नाम को देखें, आवश्यक दस्तावेज जमा करें और नए पात्र मतदाता फॉर्म भरकर सूची में शामिल हों। यह अभियान 2002-2004 के बाद सबसे बड़ा है, जो आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करेगा।

भाजपा सरकार के खिलाफ 20 सूत्री चार्जशीट जारी : प्रियंका गांधी

एजेंसी

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को असम में भाजपा-नीत सरकार के खिलाफ 20 सूत्री चार्जशीट जारी करते हुए उस पर भ्रष्टाचार, अधूरे वादों और अल्पसंख्यकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने का आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले गुवाहाटी में इस दस्तावेज का अनावरण किया गया। प्रियंका ने आरोप लगाया कि राज्य प्रशासन ने व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार किया है और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न की है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अपने कार्यकाल के दौरान

किए गए प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रही है। पार्टी के अनुसार छह स्वदेशी समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने तथा चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी 351 रुपये करने का आश्वासन अब तक पूरा नहीं हुआ है।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके करीबी सहयोगियों और मंत्रियों के परिजनों के साथ मिलकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की गई है। भाजपा ने पूर्व में ऐसे आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए खारिज किया है। असम चुनाव के लिए उम्मीदवार चयन समिति की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिवसीय दौरे पर राज्य में हैं और पार्टी के चुनाव अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रही हैं। कांग्रेस की ओर से जारी यह चार्जशीट आगामी चुनावों में भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से वज्र गृह, रिसीविंग सेंटर एवं मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आर० रॉनिटा एवं पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो द्वारा कदमा स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति भवन में बन रहे वज्र गृह, रिसीविंग सेंटर एवं प्रस्तावित मतगणना केंद्र का संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया गया। साथ हीं निर्वाचन की सम्पूर्ण तैयारियों को लेकर सभी आर०ओ० एवं विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों संग समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मतगणना कक्ष, बज्रगृह, रिसीविंग सेंटर समेत अन्य कक्ष का जायजा लिया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, पार्किंग, मीडिया गैलेरी तथा अभ्यर्थियों एवं मतगणना एजेंट के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने वज्र गृह की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने पर बल दिया।

जिसके पश्चात उपायुक्त ने नगरपालिका निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, मतपत्र एवं मतपेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग, विधि-व्यवस्था-सह-आचार संहिता कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, सूचना तकनीकी कोषांग तथा नियंत्रण कक्ष के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

22 फरवरी को मतदान कर्मियों का होने वाले डिस्पैच को उपायुक्त ने मतदान के लिए जरूरी सामग्री के साथ मतदान कर्मियों का ससमय डिस्पैच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया, मतदान के दिन ससमय मतदान प्रारंभ कराने, मतदान केंद्र को सुव्यवस्थित रखने समेत अन्य आवश्यक निर्देश दिए, जिससे मतदाताओं को मतदान करने में समस्या न हो।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, जिला पंचायतीराज पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, डीसीएलआर, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित सभी आर०ओ०, विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

छह काण्डों के अभियुक्त पीएलएफआई नक्सली गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । हथियार सप्लाई और नक्सली गतिविधि को अंजाम देने वाले छह कांडों के अभियुक्त रहे पीएलएफआई नक्सली अजीम हव्वारी को खूँटी पुलिस को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है। खूँटी शहर के लियाकत अली गली का निवासी अजीम हव्वारी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। जिसके उपर लेवी वसूली, रंगदारी , हथियार उपलब्ध कराने जैसे उसपर मामले दर्ज हैं। खूँटी में पीएलएफआई का सक्रीय सदस्य और हथियार सप्लाई करने वाला तीन बार जेल जा चुका नक्सली अजीम हव्वारी उपाख्य हिमांशु की गिरफ्तारी को पुलिस ने बड़ी सफलता मान रही है। अजीम हव्वारी के उपर खूँटी जिले में चार और रांची जिले में दो काण्डो पर कुल छह केस दर्ज हैं। वहीं आर्म्स एक्ट, लेवी वसूली दहशत फैलाने सहित कई काण्डों के अभियुक्त अजीम हव्वारी को पुलिस ने खूँटी थाना क्षेत्र के खूँटी टाऊन में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। अजीम हव्वारी अपराध की दुनिया में हिमांशु के नाम से जाना जाता है। जो रांची जिले के तुपुदाना थाना और कांके थाना व खूंटी थाना क्षेत्र में चार काण्ड का अभियुक्त रहा है। जिसमें खूंटी टाउन में ही 2023 ई को कनपटी में घटिया सटाकर 169000/- रुपया लूटने कहां के थाना क्षेत्र से रंगदारी मांगने, अकता गाँव में हथियार लहरानेवाले काण्ड में उसकी सक्रीयता थी। जिसमें पुलिस को कई काण्डों पर इसकी तलाश थी। डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि अजीम हव्वारी उपाख्य हिमांशु को उसे घर से गिरफ्तार किया गया है। जिसमें सूत्रों से पता चला था कि अजीम घर आया हुआ है और घर में ही छिपा हुआ है। इसके बाद उसे घर से ही धर दबोचा गया। अजीम हव्वारी आगे भी काण्ड को अंजाम देनेवाला था लेकिन उसके पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। अजीम चर्चित हथियार लहराने वाला काण्ड का भी अभियुक्त रहा है। जो पीएलएफआई नक्सली है और हथियार सप्लाई कराने, लेवी वसूली करने तथा रंगदारी मांगने का काम करता है। जिसे गिरफ्तार करने में खूँटी डीएसपी वरुण रजक, थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, पुअनि आदित्य कुमार, पुअनि राजू कुमार व सशस्त्र बल शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

मेयर प्रत्याशी कुमकुम श्रीवास्तव के पोस्टर फटने पर भडके राजकुमार श्रीवास्तव

जमशेदपुर(बिभा) : मानगो मेयर प्रत्याशी कुमकुम श्रीवास्तव के बैनर-पोस्टर को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा फाड़ दिए जाने की घटना सामने आई है। घटना स्थल के नजदीक नीरज सिंह, आशुतोष राय ओर विनोद राय मौजूद थे। यह कृत्य न केवल सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाला है, बल्कि लोकतांत्रिक और सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध भी है। राज कुमार श्रीवास्तव ने इस घटना पर गहरी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह कुकीत्य ओर घिनौना कार्य है, इस तरह की घटना विरोधियों के विकृत मानसिकता को दशार्ता है कि उनका लोकतंत्र में कितना विश्वास है। इस तरह की गतिविधियाँ किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों की शीघ्र पहचान और कार्रवाई की माँग की है। कुमकुम श्रीवास्तव ने इस घटना की कड़ी निंदा की साथ ही स्थानीय नागरिकों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। इस घटना के बाद प्रशासन को मौखिक सूचना दी गई है तथा लिखित सूचना भेजी जा रही है।

मानगो क्षेत्र में मेयर प्रत्याशी कुमकुम श्रीवास्तव की तुफानी दौरा शुरू

जमशेदपुर(बिभा) : मानगो मेयर पद की प्रत्याशी कुमकुम श्रीवास्तव की जनसंपर्क पदयात्रा आज उलीडीह बस्ती, टैंक रोड तथा निकटवर्ती इलाकों में जनसमर्थन और उत्साह के साथ सम्पन्न हुई। पदयात्रा के दौरान उन्होंने घर-घर जाकर नागरिकों से संवाद स्थापित किया स्थानीय निवासियों ने जलभराव, नालों की नियमित सफाई, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, जर्जर सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था और कचरा प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। प्रत्याशी ने कहा कि क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार कर समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वित प्रयास किए जाएंगे। पदयात्रा के दौरान उन्होंने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों से विशेष रूप से बातचीत कर उनकी दैनिक जीवन से जुड़ी चुनौतियों को जाना। युवाओं ने रोजगारपरक प्रशिक्षण, खेल सुविधाओं और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। प्रत्याशी ने भरोसा दिलाया कि विकास की प्रक्रिया सहभागी होगी और प्रत्येक वार्ड की प्राथमिकताओं के आधार पर योजनाएं लागू की जाएंगी। पदयात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए।

मानगो में सुधा गुप्ता ने चलाया जनसंपर्क अभियान

जमशेदपुर(बिभा) : सुधा गुप्ता ने गुरुवार को मानगो क्षेत्र में पदयात्रा के दौरान सुधा गुप्ता के साथ काफी संख्या में स्थानीय महिलाएं और पुरुष भी थे. इन लोगों ने सुधा गुप्ता को आशीर्वाद दिया उन्हों ने कहा कम से ही लोग हमें जानते मैंपिछले कई वर्षों से जनताा की करतेआ रहा हूं प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने गुरुवार पदयात्रा किया. डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर लोगों से समर्थन मिला मेयर प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने मानगो के शांति नगर जवाहर नगर रोड नं 4 समता नगर इंदिरा कॉलोनी साईं मंदिर बस्ती के विभिन्न क्षेत्र मे जनसंपर्कक अभिया चलाया गया जिस जिस क्षेत्र से पदयात्रा गुजरी, वहां बस्तीवासियों ने एकजुट होकर समर्थन जताया।

जुगसलाई नगर निगम वार्ड 7 से जीशान हुसैन एवम वार्ड 4 से राहत हुसैन ने की दमदार एंट्री

जमशेदपुर(बिभा)। जुगसलाई नगर निगम पार्षद प्रत्याशी जीशान हुसैन वार्ड 7 से एवं राहत हुसैन वार्ड चार दोनो भाईयों ने एकसाथ जनसंपर्क अभियान के दौरान जीशान हुसैन ने कहा कि जनता उन्हें चुनती है तो जुगसलाई की वर्षों पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी। जुगसलाई क्षेत्र में गर्मी के दिनों में पानी की भारी किल्लत से आम लोग परेशान रहते हैं, वहीं जगह-जगह फैले कचरे से गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उनकी जीत के बाद पूरे जुगसलाई में व्यवस्थित जलापूर्ति व्यवस्था लागू की जाएगी और आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से साफ-सफाई को बेहतर बनाया जाएगा। जनसंपर्क के दौरान परिषद पद प्रत्याशी राहत हुसैन ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से लगातार जुगसलाई के जनता का सेवा करताआ रहा हूं यहां तक की आदित्यपुर पार्वती घट की सड़क का मरम्मत अपने फंड से किया ताकि लोगों को आने जाने में कठिनाई ना हो सके।

खूँटी में रसोइया समूह की हड़ताल से मध्याह्न भोजन व्यवस्था प्रभावित

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले भर के सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली रसोइया समूह ने अपनी पाँच सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। रसोइयाओं के हड़ताल पर जाने से विद्यालयों की भोजन व्यवस्था तरह प्रभावित हो गई है और शिक्षकों को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है।

जिले के विभिन्न प्रखंडों के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में कार्यरत रसोइया पिछले कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दे रही थीं। लेकिन अपने मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने के कारण उन्होंने सामूहिक रूप से हड़ताल का निर्णय लिया। रसोइयों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें मात्र 60.66 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मजदूरी मानदेय मिल रहा है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में बेहद कम है। वे मानदेय वृद्धि, न्यूनतम वेतनमान लागू करने, जीवन बीमा सुविधा, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को शामिल करते हुए पाँच सूत्री मांगों पर अड़ी हुई हैं।

हड़ताल के कारण विद्यालयों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने में कठिनाई उत्पन्न हो गई है। कई विद्यालयों में शिक्षक-शिक्षिकाओं को स्वयं रसोई का कार्य संभालना पड़ रहा है। जिन विद्यालयों में एक या दो ही शिक्षक कार्यरत हैं, वहाँ शैक्षणिक गतिविधियाँ भी प्रभावित हो रही हैं। शिक्षकों का कहना है कि पढ़ाई के साथ भोजन व्यवस्था संभालना चुनौतीपूर्ण हो गया है। विद्यार्थियों के लिए भोजन पकाएँ सब्जी काटें पानी लाएँ या फिर हाजिरी बनाएँ, पढ़ाएँ या क्या करें। सभी कार्य एक साथ करना समस्या हो गया है।

वहीं कई विद्यालयों में तो विद्यार्थियों को भोजन परोसना पड़ रहा है। शिक्षक बात परोस रहे हैं तो बड़े बड़े बच्चे दाल या सब्जी परोसते हैं।

एक रसोइया ने बताया कि सरकार की ये कैसी नीति है। जो काम करे उसे 60 रुपए और फिर जो कुछ न करें उसे महिना 2500 रुपए। ये मईया योजना से क्या हम सभी गिरे गुजरे हैं। जो कि मात यशोदा की तरह बच्चों के लिए भोजन बनाकर खिलाते हैं। लेकिन सरकार ऐसा सौतेला व्यवहार क्यों कर रहा है। जिसे हजारों लाखों रुपए मिल रहे हैं उसे क्या पता हमारी गरीबी का दर्द । कम से कम इसपर तो विचार करें कि घर कैसे चलता होगा। यहाँ तो अनेकों लोगों का पाकेट खर्चा भी हमारी मजदूरी से अधिक है। लेकिन सरकार के द्वारा तय न्यूनतम मजदूरी प्रदान नहीं किया जाना क्या कानून का उलंघन नहीं , ये बात लोगों की जुबान से आने लगे हैं। अगर सरकार ही ऐसा करे तो फिर मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी पर ख्याल कौन करेगा।

नगर पंचायत चुनाव को लेकर सख्ती, आचार संहिता के पालन हेतु वाहन जांच तेज

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत निर्वाचन को लेकर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू है। इसके अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन अपने-अपने स्तर पर लगातार सक्रिय हैं। प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से भी आचार संहिता का पालन करने की अपील की गई है। इसी क्रम में पुलिस प्रशासन द्वारा खूँटी नगर क्षेत्र की विभिन्न प्रमुख सड़कों एवं नगर पंचायत सीमा क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जांच के दौरान चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों की डिक्की और कागजात की बारीकी से जांच की जा रही है। विशेष रूप से इस बात पर नजर रखी जा रही है कि कोई व्यक्ति अवैध रूप से अग्नेयास्त्र, आवश्यकता से अधिक नकदी राशि या अन्य प्रतिबंधित सामग्री का परिवहन न करे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह जांच अभियान आदर्श आचार संहिता प्रभावी रहने तक लगातार जारी रहेगा। प्रशासन का उद्देश्य शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराना है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो।

सिदगोड़ा टाउन हॉल में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आगामी 14 मार्च को बिरसा मुंडा टाउन हॉल, सिदगोड़ा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने समाहरणालय सभागार में विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत केवल न्यायिक विवादों के निष्पादन का मंच नहीं, बल्कि आम जनता को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है. उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को जन-उन्मुख, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया.

बताया कि कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा चयनित लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा. इसमें सामाजिक सुरक्षा, श्रम, कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, उद्योग, नगर निकाय एवं अन्य विभागों की योजनाओं के लाभ प्रदान किए जाएंगे. साथ ही परिसर में अलग-अलग विभागों द्वारा सूचना स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आम नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज तथा लाभ प्राप्ति की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी. मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर त्वरित कार्रवाई भी की जाएगी. उपायुक्त ने व्यापक जनभागीदारी पर जोर देते हुए प्रखंड एवं नगर निकाय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बढ़ाने तथा अधिकाधिक लाभुकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, बैंक प्रतिनिधि तथा संबंधित कर्मी उपस्थित थे ।

खलारी में दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में झड़प, प्रशासन की पहल से हालात सामान्य

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के शाहिद चौक में बुधवार देर रात दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

गुरुवार सुबह स्थिति फिर से बिगड़ने की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन स्थानीय बुद्धिजीवियों और प्रशासन की सक्रियता से हालात पर समय रहते काबू पा लिया गया।एहतियातन क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती भी की गई।

घटना के मद्देनजर खलारी प्रखंड कार्यालय के सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, खलारी सीओ प्रणव अम्बेस्ट, डीएसपी आर.एन. चौधरी, इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के रांची जिला पूर्व अध्यक्ष मुश्ताक आलम सहित दोनों पक्षों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बैठक में दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी बात रखी और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।बैठक में जिप सदस्य सरस्वती देवी, बुढ़मू थाना प्रभारी नवीन शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। बैठक के बाद क्षेत्र में शांति बहाल हो गई है और स्थिति पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है।

कांग्रेस ने निकाला जनसंपर्क अभियान

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत चुनाव को लेकर खूंटी जिला कांग्रेस समिति ने जनसंपर्क अभियान निकाला। जिसमें कर्रा रोड, चौधरी मुहल्ला , लियाकत अली गली, गचछटांड़ एवं मिश्रा टोली का भ्रमण किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने आम नागरिकों से सीधे संवाद कर नगर पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस की सोच, नीतियों और प्राथमिकताओं से अवगत कराया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि पाण्डेया मुण्डा, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, आदि अनेक कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

खूंटी में 24 फरवरी को जन्मजात कटे होंठ व तालु के मरीजों के लिए निःशुल्क परामर्श शिविर आयोजित

खूँटी (बिभा)। आगामी 24 फरवरी को गोपद कॉम्प्लेक्स नेताजी चौक में अल्मा मेटर संस्था द्वारा जन्मजात कटे होंठ (कटे ओंठ) एवं तालु (कटे तालू) से पीड़ित सभी उम्र के लोगों के लिए एक निःशुल्क परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर की जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष भूपेंद्र कंसारी में बताया कि ये शिविर इंगा हेल्थ फाउंडेशन के सौजन्य से और ऑपरेशन स्माइल के तत्वावधान में किया जाएगा। जो मंगलवार, 24 फरवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में विशेषज्ञ के द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी और जरूरतमंद लोगों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि न केवल ऑपरेशन का खर्च, बल्कि मरीज के साथ आने वाले दो माता-पिता/अभिभावक के रहने, खाने-पीने और आने-जाने का खर्च भी पूरी तरह से निःशुल्क होगा। इस आयोजन के बारे में अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए मो. 9709016516 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

खूँटी का पहला मस्जिद 100 वर्षों से भी पुराना है जामा मस्जिद

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में सबसे पुरानी मस्जिद कर्रा रोड की बड़ी मस्जिद को कहा जाता है। जो अंग्रेजी हुकूमत के समय एक कमरा का मस्जिद बना था। लोगों के अनुसार, खूँटी जिले में पहला मस्जिद कर्रा रोड में बना था। जो सुर्खी चूना और मोटा रेल लाइन वाला जैसा लोहा का प्रयोग हुआ है। मोटी दीवार और दीरखा का निर्माण उस समय हुआ करता था। जहाँ इबादत करनेवाले बढ़ते गये तो फिर मस्जिद को भी बड़ा किया जाने? लगा। जिसके बाद कई मस्जिदें बनी और इस मस्जिद को बड़ा रुप दे दिया गया जिसे बड़ी मस्जिद के रुप में जाना जाने लगा। जो एक कमरा का मस्जिद था। बताया जाता है कि सुर्खी चूना मिट्टी आदि मिलाकर बनाया? गया मस्जिद है। जिसके दिवालों में नक्काशी मिलता है। वहीं खूँटी के इस मस्जिद को सबसे पुरानी और बड़ी मस्जिद के नाम से जाना जाता था लेकिन हाल के दिनों में इसका नाम जामा मस्जिद नाम रख दिया गया।

बुजुर्ग शमशाद ने बताया कि ये मस्जिद खूंटी का सबसे पहला मस्जिद है। जिसे बड़ी मस्जिद से जानते हैं। ये अंग्रेज के काल से है। पहले छोटा सा कमरा था लेकिन बाद में इसे बड़ा कर दिया गया । आज भी उसका प्रमाण है। अंजुमन इस्लामिया के सचिव मो खालिद हुसैन ने बताया कि ये मस्जिद 100 वर्षों से भी पुराना है। जिसे जामा मस्जिद से जानते हैं। इस मस्जिद में बाहर से भी नमाज पढ़ने आते हैं। रमजान का समय आ गया है इसलिए यहां और अधिक भीड़ भी होती है। शुक्रवार को भी अगल बगल के गांव के लोग भी नमाज पढ़ने आते हैं।

मस्जिद के सचिव मोहम्मद तबरेज ने बताया कि जब छोटे थे तब ढिबरी लालटेन जलाकर नमाज पढ़ने आते थे। जहाँ बच्चियों को शिक्षा के साथ पाँच वक्त का नमाज अदा किया जाता है। वहीं शुक्रवार को दूसरे क्षेत्रों से भी मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज पढ़ने आते हैं।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से यौन संबंध बनाने

बिभा संवाददाता

खूँटी । शादी का झांसा देकर यौन सम्बन्ध मामले पर एक आरोपी को हमको पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जिसमें जिले के सयको थाना में सिमडेगा जिले के बानो थाना से प्राप्त जीरो एफआईआर किया गया था। जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए सयको थाना क्षेत्र के रोंगो गांव निवासी आरोपी रोहित नाग को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सयको थाना दर्ज मामले के अनुसार आरोपी रोहित ने 2024 ई. से एक नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ अवैध संबंध बनाता आ रहा था। लेकिन जब नाबालिग लड़की ने विवाह के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी।जिस मामले पर सिमडेगा जिला के बानो थाना से प्राप्त जीरो एफआईआर किया गया था। जिसके आधार पर सयको थाना में कांड दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। फिलहाल पीड़िता के बयान के आधार पर विधिसम्मत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया गया।

बजट सत्र : सदन में सुचारू रूप से चला प्रश्न काल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को सदन की कार्यवाही 11.05 बजे शुरू हुई। सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल से शुरू हुई। प्रश्न काल सुचारू रूप से चला। इस दौरान ईचागढ़ की विधायक सबिता महतो ने चांडिल डैम से प्रभावित विस्थापितों के पुनर्वास का मुद्दा उठाया।

विधायक ने कहा कि चांडिल डैम से प्रभावित विस्थापितों का अब तक पुनर्वास नहीं किया गया है। दो साल से कोई बैठक नहीं हुई है। इस पर जल संसाधन मंत्री हफीजुल अंसारी ने जवाब दिया कि विस्थापितों को पैसा दिया जा रहा है। 13 जगहों पर विस्थापितों को पैसा दिया गया है। बाकी को दिया जा रहा है।

इस पर विधायक सबिता महतो ने बताया कि सिर्फ 116 गावों के विस्थापितों को ही पैसा दिया गया है। बाकी को भी दिया जाये। इस पर मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि सभी को

नियमानुसार पेमेंट किया जायेगा।

वहीं डुमरी विधायक जयराम महतो ने किसानों के खेतों की सिंचाई को लेकर डैम बनाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हमें जवाब मिला कि सिंचाई के लिए डैम बनाया गया है। ऐसे एक गांव का भी नाम बतायें, जहां खेतों की सिंचाई डैम के पानी से हो रहा है।

इस पर मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि 4 लाख एकड़ से अधिक जमीन की सिंचाई डैम के पानी से हो रहा है।

वहीं, विधायक जयराम महतो ने दूसरा सवाल उठाते हुए कहा कि डैम का निर्माण किसानों के जमीन पर होता है। लेकिन पानी कंपनियों को दिया जाता है। फिर किसानों के पुनर्वास में इतनी अड़चनें क्यों आती हैं? जब कंपनी को पानी मिल जाता है, तो किसानों के साथ भेद-भाव क्यों?

इस पर जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने जवाब दिया कि अब हम लोग छोटे तालाबों का निर्माण करा रहे हैं।

सरकार का लक्ष्य है कि 2029-30 तक 4 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई की जायेगी। नए सिस्टम पर काम चल रहा है, ताकि अंडरग्राउंड पाइप लाइन से किसानों को पानी पहुंचाया जायेगा।

विधायक हेमलाल मुर्मू ने सदन में खाद्य आपूर्ति विभाग से जुड़ा सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों की नियुक्ति नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। सुदूर क्षेत्रों में बायोमेट्रीक सिस्टम से राशन नहीं मिल रहा है, क्योंकि इंटरनेट नहीं है।

मंत्री इरफान अंसारी ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि सत्यापन का काम चल रहा है। सुदूर क्षेत्रों में बायोमैट्रीक के सवाल पर कहा कि सरकार ने 2जी को 4जी मशीन उपलब्ध करा दिया है। सही समय पर अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

वहीं, विधायक सरयू राय ने बाजार समितियां के खस्ता हाल का मामला उठाया। राय भाजपा विधायक राज सिंह के स्थान पर सवाल पूछ रहे थे ।इस पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा की बाजार समितियां का संचालन करने के लिए आवश्यक मानव बल उपलब्ध है। बाकी नियमावली शीघ्र बनाया जाएगा और इसका संचालन बेहतर तरीके से पारदर्शिता के साथ किया जाएगा।

विधानसभा परिसर के बाहर मांडू विधायक ने हाथियों के हमले से मौत पर किया प्रदर्शन

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को मांडू विधायक ने झारखंड में जंगली हाथियों के हमले से हो रही मौत पर प्रदर्शन किया। दरअसल हाल ही में हाथियों के हमले में सात लोगों की मौत के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। इस पर विधानसभा परिसर के बाहर मांडू विधायक निर्मल महतो सीढ़ियों पर बैठकर बैनर के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार और वन विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि राज्य में हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है और वन विभाग उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में पूरी तरह विफल साबित हुआ है। उनका आरोप है कि कई-कई दिनों तक हाथी लापता रहते हैं और अचानक गांवों व शहरों में घुसकर जान माल का नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने इसे सरकार की उदासीनता का परिणाम बताया। प्रदर्शन के दौरान विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि खनन क्षेत्रों में अवैध कोयला और लोहा चोरी के साथ रात में होने वाली ब्लास्टिंग से हाथियों का प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहा है। इसके कारण हाथी जंगल छोड़कर आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि जल-जंगल-जमीन की रक्षा का वादा करने वाली सरकार आज इन संसाधनों की सुरक्षा में असफल रही है।

बजट सत्र : विधायक जनार्दन पासवान का सवाल, पैक्स पर पहले एफआईआर, फिर क्लिनचिट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखड विधानसभा का बजट सत्र के प्रश्नकाल में गुरुवार को चतरा के विधायक जनार्दन पासवान ने सवाल उठाया कि प्रतापपुर प्रखंड के चार धान खरीद केंद्रों (पैक्स) के खिलाफ प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने पहले प्राथमिकी दर्ज कराई, लेकिन बाद में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई।

इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि गड़बड़ी की सूचना मिलने पर चतरा डीसी ने जांच कराई। जांच में धान न मिलने की पुष्टि हुई, जिसके बाद कार्रवाई की गई।

इसके बाद दोबारा डीएसओ ने जांच की, जिसमें पाया गया कि पैक्स में धान मौजूद नहीं था, क्योंकि इसे मिल में जमा कर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि जांच में विभागीय लापरवाही पाई गई। इसके बाद प्राथमिकी वापस लेने का निर्देश दिया गया।

विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि पुलिस जांच में भी चारों पैक्स निर्दोष साबित हुए हैं। उन्होंने चारों पैक्स को धान खरीद की अनुमति देने की मांग की। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि चारों को धान खरीद की अनुमति दे दी जाएगी।

जेपीएससी अधिकतम उम्र सीमा मामले में सभी को मिलेगा लाभ

पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम उम्र सीमा का मामला उठाया। सक्षम छात्र उच्च न्यायालय गए। उन्हें लाभ मिला। इसलिए सरकार गरीब छात्रों के आवेदनों पर विचार करें। उनके भविष्य को सुरक्षित करें।

इस पर संसदीय कार्यमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बताया कि उच्च न्यायालय से कुछ छात्रों को लाभ मिला है। बाकी छात्रों को भी उम्र सीमा में छूट देने के लिए सरकार प्रयासरत है। सभी छात्रों को लाभ देने की कोशिश की जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

खून से लथपथ मिली अज्ञात शख्स की लाश, जांच में जुटी पुलिस

रांची(बिभा): सदर थाना क्षेत्र में एक शख्स की डेड बॉडी मिली है। खून से लथपथ बॉडी कोकर के गाड़ी गांव इलाके में मिली है। बॉडी से महज कुछ दूर पर एक बाइक बरामद की गई है। बाइक पर भी खून के धब्बे मिले हैं। बताया जा रहा है कि पत्थर से कूच कर शख्स की हत्या की गई है। सूचना सदर पुलिस को दी गई। सदर थानेदार कुलदीप कुमार अपनी टीम के साथ स्पॉट पर पहुंचे और तफ्तीश में जुट गए। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटा रही है। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

बच्चा चोरी का आरोप में भीड़ ने की पिटाई, दो महिला सहित तीन को पुलिस ने बचाया

राँची(बिभा): बरियातू थाना क्षेत्र के एदिलहातू में लोगों ने एक ऑटो से दो महिलाओं और एक पुरुष को उतार कर उनकी जमकर पिटाई कर दी। उन पर बच्चा चोरी का आरोप लगाया गया है। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। बताते हैं कि ऑटो से दो महिलाएं और एक पुरुष एक बच्चे को लेकर जा रहे थे। बच्चा जोर-जोर से रो रहा था। इस पर लोगों को शक हुआ। यह महिलाएं बच्चा चोरी कर उसे ले जा रही हैं। ऑटो रोक कर सभी को उतार लिया गया। इनसे पूछताछ की गई। भीड़ को शक हुआ और सभी की जमकर पिटाई कर दी गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तीनों आरोपियों को पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस इन सभी से पूछताछ कर रही है। जब लोग तीनों की पिटाई कर रहे थे। किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को भीड़ के चंगुल से बचा कर थाने ले गई।

बजरंग दल प्रांत टोली की बैठक सम्पन्न

रांची(बिभा) : बजरंग दल झारखंड प्रांत टोली, विभाग संयोजक एवं विभाग सहसंयोजक की बैठक विश्व हिन्दू परिषद प्रान्त कार्यालय शक्ति आश्रम, किशोरगंज चौक हरमू रोड रांची में सम्पन्न हो गई। बैठक में गत कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा एवं योजना बनी। कबड्डी प्रतियोगिता हेतू योजना बैठक दिनांक - 26,27,28 फरवरी एवं 01 मार्च को तथा मार्च माह में जिन जिलों की कबड्डी प्रतियोगिता अभी तक नहीं हुई है उन जिलों में जिला मुख्यालय में या किसी एक अन्य स्थान पर सभी प्रखंडों का प्रतियोगिता कराकर जिले की विजेता टीम बनाना तथा प्रान्त टीम के लिए क्वालीफाई कराना। ज्वॉइन बजरंग दल वेबसाइट झारखंड के संचालन हेतु नामों की चर्चा एवं चयन हुआ। वहीं सभी आठ विभागों के लिए विभाग पालक अधिकारियों के लिए नामों की घोषणा हुई - रांची विभाग - अमर प्रसाद, गुमला एवं धनबाद विभाग - रंगनाथ महतो, सिंहभूम विभाग - जनार्दन पाण्डेय, पलामू विभाग - कुमार गौरव, हजारीबाग विभाग - अमित पासवान, देवघर विभाग - रवि बर्मा, साहेबगंज विभाग - संदीप मंडल रहेंगे। इसकी घोषणा प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने की। आगामी प्रान्त टोली बैठक 18 मार्च को रांची में ही होने की बात तय हुई। बैठक में मुख्य रूप से विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन जी, प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो, प्रान्त सहसंयोजक जनार्दन पाण्डेय, प्रान्त महाविद्यालय छात्र सह प्रमुख अमर प्रसाद, गुमला विभाग संयोजक मुकेश सिंह, सिंहभूम विभाग सह संयोजक धनंजय दुबे, धनबाद विभाग सहसंयोजक अजीत पांडेय उपस्थित रहे।

डोरंडा सड़क दुर्घटना मामला: झारखंड हाईकोर्ट ने अधिवक्ता मनोज टंडन के खिलाफ जांच पर लगाई रोक

रांची (बिभा): झारखंड उच्च न्यायालय ने डोरंडा थाना क्षेत्र में कार और मोटर साइकिल दुर्घटना मामले में हाईकोर्ट के अधिवक्ता मनोज टंडन के विरुद्ध किसी भी प्रकार की जांच पर रोक लगा दी है। झारखंड उच्च न्यायालय में माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की पीठ में इस मामले की सुनवाई हुई,खुद को पीड़ित बताने वाले युवक मोबाज खान के द्वारा सोशल मीडिया पर उन्मादी पोस्ट लिख कर जारी करने को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ साथ सीबीआई को नोटिस जारी कर मोबज खान के प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से संपर्क एवं क्रियाकलापों की जांच कर शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 24 मार्च का समय निर्धारित किया है। हाईकोर्ट के इस आदेश से अधिवक्ता मनोज टंडन को बड़ी राहत मिली है। अधिवक्ता मनोज टंडन ने अपनी याचिका में न्यायालय से यह मांग की है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त किया जाए, एवं उनकी गाड़ी छोड़ी जाए और वीडियो बनाने वाले उन्मादी भीड़ जो उनके जान पर उतारू थी उसकी जांच हो।

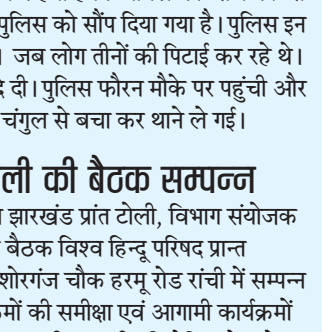

विधानसभा बजट सत्र : सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने पशु चिकित्सा की समस्याओं पर उठाए सवाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को तारांकित प्रश्नकाल में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने पशु चिकित्सा से जुड़ी समस्याओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य के कई क्षेत्रों में पशु चिकित्सा केंद्र नहीं खुले हैं, केंद्रों में प्रशिक्षित कर्मचारी नहीं हैं और टीकाकरण की कमी के कारण मवेशी मर रहे हैं।

इस पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जवाब दिया कि सरकार पशुपालकों के प्रति संवेदनशील है। जो आंकड़े दिये गये हैं, वह बिल्कुल सही है। पशुधन योजना, पशु चिकित्सालय से पशु पालकों को जोड़ा जा रहा है।

सिमडेगा में 12 मवेशियों की मौत के बाद सरकार की एक टीम ने गांवों का भ्रमण किया था। जांच में यह पता चला कि मवेशी जंगल में कुछ ऐसा खा ले रहे हैं, जिससे उनका पेट फुल जा रहा है और वे मर जा रहे हैं।

इसकी जांच की जा रही है। मेडिकल जांच रिपोर्ट आने के बाद उसके इलाज की व्यवस्था की जायेगी। विधायक भूषण बाड़ा ने गांवों के पशु चिकित्सालय में व्यवस्था बढ़ाने का मांग की।

वहीं कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगारी ने पशुओं के संक्रमण बीमारियों के इलाज की व्यवस्था करने की मांग की। इस पर कृषि मंत्री ने कहा कि विभाग मोबाइल वेटनरी वैन चला रही है। किसान टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। मंत्री ने मृत पशुओं के मालिक को मुआवजा देने की मांग पर कहा कि अगर पोस्टमार्टम हुआ है, तो आवेदन करें। मुआवजा दिया जायेगा।

आधार सुधार केंद्र जिला स्तर पर खोलने की मांग केंद्र से करेगी सरकार

भवनाथपुर के विधायक अनंत प्रताप देव ने सदन को बताया कि आधार कार्ड में त्रुटी को ठीक कराने में लोगों को बड़ी दिक्कत हो रही है। 30 दिन से 90 दिन तक लग रहा है। रांची तक आना पड़ रहा है। इसलिए सरकार जिलों में आधार कार्ड में त्रुटी को ठीक करने की व्यवस्था करें।

इस पर परिवहन मंत्री दीपक बिरूवा ने जवाब देते हुए कहा कि आधार में सुधार की प्रक्रिया भारत सरकार करती है। इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। इसलिए केंद्र निलंबित है, वह केंद्र सरकार के जरिये किया गया है। मंत्री ने कहा कि सुधार की प्रक्रिया के लिए जिला मुख्यालय या प्रमंडलीय मुख्यालय में सेंटर खोलने का आग्रह वह भारत सरकार से करेंगे।

विधायक अनंत देव ने कहा कि सरकार की तमाम योजनाएं आधार से जुड़ी हुई हैं। ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। इसलिए जिला स्तर पर आधार सुधार केंद्र खोले जाने का आग्रह किया जाये। इस पर परिवहन मंत्री ने कहा कि भारत सरकार का एसओपी है। उसमें सभी प्रक्रिया दर्ज है। लेकिन हम भारत सरकार से रीजनल स्तर पर आधार सुधार केंद्र खोलने की मांग करेंगे।

रांची सहित झारखंड के 13 जिलों में 24 को बारिश की संभावना

रांची(बिभा)। राजधानी रांची सहित राज्य के 13 जिलों में 24 फरवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। विभाग ने राज्य के जिन जिलों बारिश होने का संभावना जताया है, उनमें मध्यवर्त्ती जिले (रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद) के अलावा दक्षिणी जिले (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां) शामिल है। वहीं गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान में एक डिग्री की कमी दर्ज की गई। बुधवार को 30 डिग्री के मुकाबले गुरुवार को एक डिग्री गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ज्वॉइन बजरंग दल वेबसाइट के संचालन के लिए विभाग पालकों के नामों की घोषणा

बिभा संवाददाता

रांची। बजरंग दल झारखंड प्रांत टोली, विभाग संयोजक और विभाग सहसंयोजक की बैठक विश्व हिन्दू परिषद प्रान्त कार्यालय शक्ति आश्रम, किशोरगंज चौक हरमू रोड रांची में सम्पन्न हुई।

बैठक में पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा एवं योजना बनी।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए योजना बैठक 26, 27 और 28 फरवरी एवं 01 मार्च को और मार्च माह में जिन जिलों की कबड्डी प्रतियोगिता अभी तक नहीं हुई है उन जिलों में जिला मुख्यालय में या किसी एक अन्य स्थान पर सभी प्रखंडों का प्रतियोगिता कराकर जिले की विजेता टीम बनाना तथा प्रान्त टीम के लिए क्वालीफाई कराना है।

बैठक में ज्वॉइन बजरंग दल वेबसाइट झारखंड के संचालन के लिए नामों की चर्चा और चयन किया गया। इसकी घोषणा प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने की। वहीं सभी आठ विभागों के लिए विभाग पालक अधिकारियों के लिए नामों की घोषणा हुई। इसमें रांची विभाग - अमर प्रसाद, गुमला और धनबाद विभाग - रंगनाथ महतो, सिंहभूम विभाग - जनार्दन पांडेय, पलामू विभाग - कुमार गौरव, हजारीबाग विभाग - अमित पासवान, देवघर विभाग - रवि बर्मा, साहेबगंज विभाग - संदीप मंडल रहेंगे।

मौके पर निर्णय लिया गया कि आगामी प्रान्त टोली बैठक 18 मार्च को रांची में होगी।

बैठक में विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन, प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो, प्रान्त सहसंयोजक जनार्दन पांडेय, प्रान्त महाविद्यालय छात्र सह प्रमुख अमर प्रसाद, गुमला विभाग संयोजक मुकेश सिंह, सिंहभूम विभाग सह संयोजक धनंजय दुबे, धनबाद विभाग सहसंयोजक अजीत पांडेय उपस्थित थे।

डीएसपीएमयू कॉलेज परिसर में सरना झंडागड़ी कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची। आदिवासी छात्र संघ, डीएसपीएमयू के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची परिसर में गुरूवार को विधि-विधान पारंपरिक तरीके से सरना झंडागड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवेक ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी अनुष्ठा न का धूमधाम से आयोजन किया गया। उन्हों ने कहा कि सरना धर्म और आदिवासी संस्कृति संरक्षण करने की परंपराएं न सिर्फ हमारी पहचान हैं। बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की सीख भी देती हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक इसे पहुंचाने का कार्य करें।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य पुजारी पीटर उरांव की ओर से किए गए सरना पूजा के साथ संपन्न कराया गया। इससे पहले पुराने सरना झंडे को विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रद्धापूर्वक उखाड़ा गया, जिसके पश्चात नए सरना झंडे को स्थापि ?त किया गया। उरांव ने सरना धर्म, प्रकृति पूजा, आदि शक्ति और नीनिम धरम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समाज में सत्य, सद्भाव और प्रकृति संरक्षण के संदेश को दोहराया।

प्रार्थना के दौरान आदिवासी समाज की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार प्रार्थना अन्ना अद्दी मुंजरना मलेका नीनिम धरमें रखें-दय बंगायो नीनिम धरमें रखें-दयङ्कङ्क सहित अन्य प्रार्थना से समाज की सुख-शांति, समृद्धि और प्रकृति के संतुलन की कामना की गई। इसके साथ ही विधिवत तरीके से नया सरना झंडा गाड़ा गया। सरना झंडा गड़ी के अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने झंडा में पानी ढाल कर मां सरना से आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में खुशहाली की कामना की।

उत्पादन से ही एचईसी का होगा विकास : निदेशक

बिभा संवाददाता

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों ने बुधवार को एचईसी के निदेशक (उत्पादन) बीएस गर्ग से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की।

मौके पर बीएस गर्ग ने कहा कि एचईसी में लगातार उत्पासदन से ही एचईसी का विकास संभव है। बैठक में एचईसी की वर्तमान स्थिति, कार्यादेश और उत्पादन बढ़ाने की संभावनाओं और उत्पादकता के मुद्दे पर विचार-विमर्श हुआ। यूनियन के महामंत्री लीलाधर सिंह ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि निदेशक (उत्पादन) गर्ग ने कहा कि किसी भी औद्योगिक उपक्रम के विकास का एकमात्र आधार सतत उत्पादन है। एचईसी के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत सरकार से अतिरिक्त वित्तीय सहायता नहीं मिल रही है और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से बैंक गारंटी भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि एचईसी बीते एक दशक में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक ब्याज के रूप में अदा कर चुका है।

वर्तमान में कंपनी के पास लगभग 550 करोड़ रुपये के कार्यादेश हैं, जिनमें 80 प्रतिशत स्पेयर पार्ट्स से संबंधित हैं। नवंबर 2023 में सीएमडी के रूप में केएस मूर्ति के पदभार संभालने के समय उत्पादन शून्य था, जो अब बढ़कर प्रतिदिन सात से आठ करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

बैठक में शेख मैजुल, सुनील कुमार मांझी, जगन्नाथ राम, भोलासाव, राजेंद्र कांत महतो, जबकि प्रबंधन की ओर से निदेशक (उत्पादन) के साथ मनीष जैन मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना

सं. सी5/एएसएन/कैश पिकअप/25 दिनांक: 18.02.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन-713301 द्वारा द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड राज्य में फैले पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के 53 (तिरपन) स्टेशनों/स्थानों से स्टेशन नकदी और इंस्ट्रूमेंट को उठाने और एफए एंड सीएओ, पूर्व रेलवे, कोलकाता के खाते में जमा करने हेतु बैंक में जमा करने के लिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के जरिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। सभी संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि संपूर्ण विवरण एवं दी गई अनुसूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी में भाग लेन के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

ASN-361/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सभी जिला अस्पतालो में एंटी-रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे : अभियान निदेशक

बिभा संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड ने राज्य में रेबीज उन्मूलन और डॉग-बाइट के प्रबंधन के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। एनएचएम के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने राज्य के सभी सिविल सर्जनों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 17,000 मौतें रेबीज के कारण होती हैं। हालांकि यह 100% घातक बीमारी है, लेकिन समय पर पूर्ण टीकाकरण कराकर इससे पूरी तरह बचा जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ विभाग ने शिक्षित करें, टीका लगवायें और रेबीज से बचें के संकल्प को दोहराया है।

अभियान निदेशक ने कड़े निर्देश दिए हैं कि राज्य के सभी जिला अस्पतालों, अनुमंडल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी-रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त मात्रा हर समय उपलब्ध रहनी चाहिए। इसके लिए 'डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स एनवेलप 2025-26 के तहत बजट का प्रावधान किया गया है। यदि किसी केंद्र पर दवा की कमी होती है, तो उसे तत्काल वैकल्पिक मदों से क्रय कर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी मरीज को इलाज के बिना न लौटना पड़े।

जन-जागरूकता के लिए स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, शहरी निकाय और पंचायती राज संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगा। शहर के प्रमुख चौराहों, नगर निगम क्षेत्रों, हाट-बाजारों और सरकारी कार्यालयों के परिसरों में होर्डिंग और बैनर लगाए जाएंगे। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और स्कूलों में दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा, जिलों में किए जा रहे कार्यों की निगरानी के लिए एक नोडल पदाधिकारी नामित किया जाएगा और सभी गतिविधियों की जियो-टैग फोटो रिपोर्टिंग अनिवार्य होगी। विभाग ने आम जनता से अपील की है कि कुत्ते, बिल्ली या बंदर के काटने पर इसे नजर अंदाज न करें और तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर चिकित्सक की सलाह लें।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
56-57, इन्स्टीट्युशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058

आयुर्वेद गुरुकुलम् की संबद्धता हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रण

आयुर्वेद गुरुकुलम् के अंतर्गत दो वर्षीय प्री-आयुर्वेद कार्यक्रम के साथ बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BAMS) हेतु कुल साढ़े सात वर्ष की अवधि के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयुर्वेद गुरुकुलों को सम्बद्धता प्रदान की जा रही है। तदनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत सरकार के भारतीय चिकित्सा पद्धत राष्ट्रीय आयोग (NCISM) द्वारा राजपत्र में अधिसूचित विनियमों के अंतर्गत आयुर्वेद गुरुकुलों की सम्बद्धता हेतु योग्य संस्थानों से आवेदन आमंत्रित करता है। आयुर्वेद गुरुकुलों का उद्देश्य सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्री-आयुर्वेद कार्यक्रम एवं BAMS पाठ्यक्रम के अनुरूप आयुर्वेद में पारम्परिक गुरुकुल-आधारित शिक्षा प्रदान करना है।

आयुर्वेद गुरुकुलों में प्रवेश कक्षा 10वीं अथवा समकक्ष उत्तीर्ण छात्रों अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

इच्छुक संस्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से आयुर्वेद गुरुकुलों की सम्बद्धता हेतु आवेदन कर सकते हैं - https://www.sanskrit.nic.in/ayurveda_gurukulam.php विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता मानदंड एवं आवेदन प्रक्रिया हेतु कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें: www.sanskrit.nic.in

दिनांक: 09.02.2026

हस्ता/-
कुलसचिव

CBC 21212/12/0005/2526

सिख समाज के कई लोगों ने ग्रहण की कांग्रेस की सदस्यता

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के कांग्रेस भवन में गुरुवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम ज्योति सिंह माथारू की पहल पर समाजसेवी सुखपाल सिंह नामधारी, गुरदीप सिंह और प्रितपाल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों सिख समुदाय के लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में पार्टी के नए सदस्योंर का पार्टी के नेताओं ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट देकर स्वागत किया गया। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक

सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से सर्वधर्म समभाव और भाईचारे की पक्षधर रही है। सिख समुदाय का ऐतिहासिक योगदान देश और समाज के निर्माण में अतुलनीय रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिख समाज के सम्मानित लोगों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और प्रदेश में कांग्रेस की विचारधारा और मजबूत होगी।

वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि यह सदस्यता कार्यक्रम केवल संख्या में वृद्धि नहीं, बल्कि विचारों की एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने नए सदस्योंं से आह्वान किया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

ज्योति सिंह माथारू ने सिख समुदाय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों और सम्मान की रक्षा की है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल प्रदेश की राजनीति में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेगी।

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले सुखपाल सिंह नामधारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, समावेशी नीति और जनहित के कार्यों से प्रेरित होकर सिख समाज के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने आश्वस्त किया कि वे संगठन को मजबूती देने और जनता की आवाज को बुलंद करने में सक्रिय योगदान देंगे।

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में अर्जुन सिंह, जगजीत सिंह, जसी लोहिया, राजवीर सिंह, सरबजीत सिंह, समरजीत सिंह, प्रीति पाल सिंह, मनजीत सिंह, तलविंदर शोरा, जयदीप सिंह, रमनप्रीत सिंह, जसमीत सुखविंदर, नरपिंदर सिंह, हरप्रीत जग्गी, जसकरण डोरा, गौरव कुमार, वेदव्यास भारती, मिथिलेश दुबे, मुकेश कुमार, रोहित कुमार सहित अन्यर का नाम शामिल है।

श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए डीसी-डीडीसी

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिलेवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना को लेकर गुरुवार को उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने महान संत श्री रामकृष्ण परमहंस की 191 वां जयंती के अवसर पर सेक्टर वन-बी स्थित श्री रामकृष्ण विवेकानंद संघ के अध्यात्मिकता अभ्यास एवं विकास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर डीसी - डीडीसी ने श्री रामकृष्ण परमहंस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर जिलेवासियों की सुख-शांति, प्रगति एवं आपसी सौहार्द की कामना करते हुए उन्हें नमन किया। डीसी ने कहा कि *श्री रामकृष्ण परमहंस का जीवन प्रेम, सहिष्णुता और आध्यात्मिक एकता का संदेश देता है, जिसे समाज में अपनाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र परिसर में भक्ति-भाव से प्रार्थना की गई तथा उपस्थित लोगों को श्री रामकृष्ण परमहंस के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर संघ के अध्यक्ष श्री गोपाल चंद्र मुंशी, सचिव श्री प्रणव मित्रा समेत अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

चास महाविद्यालय में पीजी पढ़ाई शुरू करने की मांग, विधायक उमाकांत रजक ने विस में उठाया मुद्दा

बिभा संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने झारखंड विधानसभा में विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के अधीन चास महाविद्यालय में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करने की महत्वपूर्ण मांग उठाई। उन्होंने सदन को बताया कि चास और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र-छात्राएं स्नातक के बाद उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज शहरों का रुख करने को मजबूर हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए बाहर पढ़ाई करना मुश्किल होता है, जिससे कई प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में पिछड़ जाती हैं। विधायक रजक ने कहा, पीजी कोर्स शुरू होने से स्थानीय छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा घर के पास मिलेगी। इससे आर्थिक-सामाजिक सुविधा के साथ क्षेत्र का शैक्षणिक माहौल मजबूत होगा, खासकर ग्रामीण और गरीब वर्ग के लिए। उन्होंने राज्य सरकार से छात्रहित में शीघ्र प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। रजक ने जोर देकर कहा, शिक्षा समाज की प्रगति का आधार है। मेरा प्रयास है कि कोई छात्र संसाधनों की कमी से सपनों से वंचित न रहे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल में शिक्षकों का सीबीएसई इन हाउस ट्रेनिंग

बोकारो(बिभा) । डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर में गुरूवार को शिक्षकों का सीबीएसई इन हाउस ट्रेनिंग का आयोजन किया गया।

जिसका विषय शिक्षकों के लिए प्रमोटिंग मेंटल हेल्थ व वेलनेस पर आधारित रहा। इस सेमिनार का रिसोर्स पर्सन एमजीएम हायर सेकेएड्री स्कूल की सामाजिक विज्ञान शिक्षिका कंचन सिंह ने बच्चों को नई पद्धति से पढ़ाने को लेकर विस्तृत जानकारी दी। जिसमें उन्होंने स्कूल के शिक्षकों को कक्षा में छात्रों के मेंटल हेल्थ व वेलनेस पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। जिससे कि कक्षा के दौरान बच्चे संबंधित विषय को आसानी से समझकर उत्तर देने में आसानी से लिख सके। उन्होंने इसके लिए शिक्षकों को विभिन्न प्रकार का टिप्स भी दिया। सेमिनार के दौरान शिक्षकों को एनईपी के तहत छात्रों को पढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर शिक्षकों के बीच विभिन्न एक्टिविटी भी कराया गया। सेमिनार का उदघाटन स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार व रिसोर्स पर्सन कंचन सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मौके पर रूपम गुप्ता, पूर्व प्राचार्य एसएस यादव, उप प्राचार्य ओलोक चतुवेर्दी,सरिता सिन्हा, बिंदु सिंह, अन्नु सिंह, वीणा कुमारी, माधुरी कुमारी, ज्योति कुमारी, शंकुंतला देवी, विभा रानी, सुधा सिन्हा, संगीता कुमारी, आरती कुमारी, पार्वती कुमारी, खुशबु कुमारी, वंशिखा तिवारी शामिल रहे।

सेल एससी/एसटी कर्मचारी फेडरेशन के साथ आरएमएचपी मुख्य महाप्रबंधक की बैठक

बोकारो(बिभा) : सेल एससी एसटी कर्मचारी फेडरेशन ने केंद्रीय उपाध्यक्ष, श्री करतार सामंत(केंद्रीय कमेटी,नई दिल्ली),तथा

बोकारो यूनिट के महासचिव देवेश टुडू के नेतृत्व में एक शिष्ट प्रतिनिधि मंडल अनूसूचित जनजाती समुह से आने वाले कर्मचारियों के मुद्दे पर आमएमएचपी विभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्री धनंजय कुमार के साथ वार्ता किया,अनूसुचित जनजाति कर्मचारियों ने सेवानिवृत होने वाले सीजीएम श्री धनंजय कुमार को पुष्प गुच्छ तथा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया,इस बैठक की विशेषता यह रही कि आदिवासी कर्मी अपनी संस्कृति तथा समुदाय की पहचान को चिन्हित कर बनाए गए विशेष हरे रंग के वस्त्र को धारण किया जिसमें स्पष्ट सांकेतिक प्रतीक के साथ आदिवासी उल्लेखित था। बैठक में बी आर सामंत,माणिक राम मुंडा,दसमत सोरेन,लीलू सोरेन,रामराय सोरेन,साधन मांझी,आशीष टुडू,समीर टुडू,उपस्थित रहे।

मेयर प्रत्याशी बिनोद कुमार का संकल्प पत्र जारी

बोकारो(बिभा): चास नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। इसी कड़ी में मेयर पद के प्रत्याशी बिनोद कुमार के भाई और समर्थकों ने आज उनका संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र में शहर के समग्र विकास का रोडमैप पेश करते हुए कई बड़े वादे किए गए। समर्थकों ने दावा किया कि यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो हर घर 24 घंटे पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही ग्रामीण और विस्थापित क्षेत्रों को होल्डिंग टैक्स से मुक्त करने की दिशा में पहल होगी। चास को स्वच्छ और जाम मुक्त बनाने, ट्रांसपोर्ट नगर के स्थायी समाधान, वेंडर और दुकानदारों के स्थायीकरण, तथा निगम को भ्रष्टाचार मुक्त करने का भी संकल्प दोहराया गया। पूर्व में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही गई। महिलाओं, युवाओं और गरीबों के लिए विशेष योजनाओं का वादा करते हुए छह महीने के अंदर बेरोजगार युवाओं को रोजगार, घरेलू महिलाओं को पार्ट टाइम जॉब और गरीब बच्चों के लिए मुफ्त कोचिंग की घोषणा की गई। जर्जर नालियों की मरम्मत दो महीने के भीतर कराने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का भरोसा भी दिलाया गया। इस दौरान पूर्व मेयर पर कचरा उठाव, डीजल और खरीद प्रक्रिया में धांधली के आरोप भी लगाए गए। समर्थकों ने कहा कि जनता 23 तारीख को जवाब देगी।

शहीद मेजर नागेन्द्र प्रसाद की 32वीं शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बोकारो । शहीद मेजर नागेन्द्र प्रसाद की 32वीं शहादत दिवस के अवसर पर गुरुवार को औद्योगिक क्षेत्र बालीडीह मे स्थित उनकी स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे ।विस्थापित नेता काशीनाथ केवट ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि 31 वर्ष पूर्व आताताईयों ने मेजर नागेन्द्र प्रसाद की कायरतापूर्ण हत्या कर दी थी। उस समय वे मेजर नागेन्द्र प्रसाद आईपीएफ उपाध्यक्ष के रूप में जनसंघर्षों का नेतृत्व कर रहे थे। उनके नेतृत्व में जिले मे सदियों से शोषित-पीड़ित और ठगी-लूटी जनता प्रबल झंझावत की तरह उठ खड़ी हुई थी। तथा माफियाई ताकतों और जनविरोधी शक्तियों के खिलाफ व्यापक आंदोलन खड़ा हुआ था। केवट ने कहा कि मेजर नागेन्द्र प्रसाद आज भी जरीडीह, कसमार और पेटरवार क्षेत्र की जनता की स्मृतियों में जीवित हैं। उनके संघर्षों को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। माले के पूर्व जिला सचिव दिनेश सिंह ने कहा कि उन्हें वर्षों तक मेजर नागेन्द्र के साथ संगठनात्मक कार्य करने का अवसर मिला। वे शोषित जनता के बीच घुलमिलकर काम करते थे ।और आज भी क्षेत्र की जनता उनके संघर्षों को याद कर रोमांचित हो उठती है। 18 फरवरी का दिन केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि संकल्प का दिन है—उस अधूरे स्वप्न को आगे बढ़ाने का, जिसके लिए एक सच्चा जनयोद्धा अपने प्राण न्योछावर कर गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजर नागेन्द्र प्रसाद के पुत्र राजेश प्रसाद ने की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पिता पर गर्व है, जिन्होंने शोषित-गरीब जनता की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

राष्ट्रीय जनवादी मोर्चा के अध्यक्ष त्यागी वर्णवाल ने कहा कि तीन दशक बाद भी मेजर नागेन्द्र प्रसाद का नाम बोकारो की धरती पर प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। 18 फरवरी केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि शोषण के विरुद्ध संघर्ष जारी रखने की प्रतिज्ञा का दिन है।

कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर शहीद को नमन किया गया तथा उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए ।मौके पर समाजसेवी जगदीश केवट, मधुसूदन तिवारी ,झारखंड आंदोलनकारी मुन्ना गिरी ,कामेश्वर गिरी सहित अनेक लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

चूटूपालु घाटी में बाइक पर पलटा अनियंत्रित ट्रेलर, एक की मौत

रामगढ़(बिभा)। चूट्टूपालु घाटी (एनएच-33) में गुरुवार को रांची की ओर से तेज रफ़्तार ट्रेलर (एनएल 01एल- 9799) का अचानक ब्रेकफेल हो गया। इससे ट्रेलर पूरी तरह से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर फोरलेन सड़क के दूसरे छोर में तड़पर कर बाइक पर पलट गया। इससे रांची की ओर जा रहे बाइक (जेएच01 डीडी-2053) ट्रेलर की चपेट में आ गया। इस घटना में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना में ट्रेलर के चालक और खलासी भी घायल हो गये। सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस और एनएचएआइ की रेस्क्यू टीम घटना स्थल पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजवाया जहां बाइक सवार युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक की पहचान कुजू ओपी क्षेत्र के दुघमटिया निवासी राहुल करमाली के रूप में हुई है। वह अपनी दो ममेरी बहनों श्वेता कुमारी सहित एक अन्य को प्रतियोगिता परीक्षा दिलाने के लिए तोपा से रांची ले जा रहा था। दुर्घटना के बाद रामगढ़ से रांची की ओर जाने वाली सैकड़ों गाड़ियां घाटी में घंटों तक फंसी रही। पुलिस ने हाइड्रा और क्रेन के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को बीच सड़क से हटाकर आवागमन चालू कराया।

रामगढ़ में तीन वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

रामगढ़(बिभा)। पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार वारंटियों को गुरुवार को जेल भेज दिया गया। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि कंप्लेंट केस मामले

के वारंटी अभियुक्त छतरमांडू निवासी ओमप्रकाश कुमार, पतरातू बस्ती, नायक टोला निवासी वारंटी अभियुक्त छोटू नायक और मनुवा गांव निवासी वारंटी अभियुक्त मोहम्मद आवेश राजा उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया है।

झुमरा में हाथी झुंड, बलथरवा की ओर बढ़ रहे, प्रशासन की टीमें सतर्क, ग्रामीणों को न निकलने की सलाह

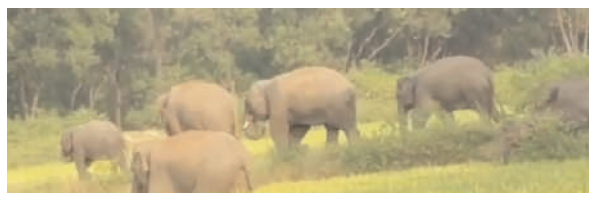

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के झुमरा गांव में पांच सदस्यीय हाथी झुंड देखा गया है, जो बलथरवा गांव की ओर बढ़ रहा है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने पूर्व की सूचना के क्रम में सभी क्षेत्रवासियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। आज रात यह झुंड बलथरवा या वापस झुमरा की दिशा में जा सकता है ।बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों की विशेष टीमें दो शिफ्टों में हाथियों पर नजर रख रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि टीमों के प्रयासों के साथ ग्रामीणों की व्यक्तिगत सतर्कता ही सुरक्षा का आधार बनेगी। प्रशासन से सहयोग की अपील करते हुए स्वयं सावधानी बरतने का आह्वान किया गया है ।सुरक्षा निदेर्शः शाम-रात में घर से बाहर न निकलें ।हाथी दिखने पर पक्के मकान या पक्की छत पर शरण लें ।हाथियों को उकसाने से बचें- न पास जाएं, न शोर मचाएं या पत्थर मारें ।ग्रामीणों ने बताया कि हाथी झुंड फसलों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए सतर्कता बरती जा रही है। वन विभाग ने स्थिति पर लगातार निगरानी की बात कही है।

सामान्य प्रेक्षक ने पिंड्राजोरा स्थित एसएसटी चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

बोकारो(बिभा)। चास नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक श्री श्याम नारायण राम ने पिंड्राजोरा स्थित एसएसटी (स्टैटिक सर्विलांस टीम) चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तैनात दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों से चुनाव संबंधी सतर्कता एवं जांच प्रक्रिया की जानकारी ली। प्रेक्षक ने वाहन पंजी (रजिस्टर) की बारीकी से जांच की तथा आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए एसएसटी चेक पोस्ट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

योगीडीह में श्रीश्री रामकृष्ण देव जी की 191 वीं जयंती मनाई गई, वस्त्र वितरण किया गया

बिभा संवाददाता

तालगड़िया (बोकारो)। चंदनकियारी प्रखंड के पंचायत दैवग्राम के गाँव योगीडीह स्थित श्री श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवाश्रम में गुरुवार को श्री श्री रामकृष्ण देवजी की 191 वीं जयंती मनाई गई । मौके पर मंदिर में विशेष पूजा, चंडी पाठ , हवन , महाप्रसाद , वितरण किया गया । मुख्य अतिथि निर्देशक प्रशल्य अग्रवाल मंगलम कोलफील्ड प्राइवेट लिमिटेड अमलाज्बाद कोलियरी ने गरीब असहाय व दिव्यांग के बीच वस्त्र वितरण किया ।उन्होंने कहा कि गरीबों की सेवा से बढ़कर को सेवा नहीं है ।गरीबों की सेवा भगवान की सेवा के समान है। उन्होंने एक सवाल के जबाब कहा कि अमलाबाद कोलियरी अप्रैल महिने पुर्णरुप से चालु हो जायेगा ।क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा ।वर्तमान में सौ से अधिक लोग कार्यरत हैं।

संस्था के सचिव सुकुमार मुखार्जी ने श्री रामकृष्ण देव जी की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाले। संस्था के कोषाध्यक्ष सह संचालक मीहिर मुखार्जी ने बताया कि संस्था के माध्यम से 1994 से कार्यक्रम किया जाता है तथा बस्त्र वितरण कि जा रहा है। मौके पर संस्था के अध्यक्ष सह मंगलंम कोल्ड फील्ड प्राइवेट लिमिटेड प्रोजेक्ट मैनेजर अशोक सिंह ,दयामय मोदक, सुशांत सिंह, दीपक मुखर्जी सुभाष मुखर्जी, उमाकांत चटर्जी, रामपत दासह सपना चक्रवती, आरती बनर्जी, छबिया देवी, मालती मुखर्जी रामेश्वर कुंभकार ,महेश्वर कुंभकार समर मांजी, आकाश चटर्जी व गणमान्य तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

शारीरिक शिक्षा विषय के साथ सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं शुरू बोकारो में 23 केंद्रों पर कुल 3821 परीक्षार्थी हुए शामिल

बिभा संवाददाता

बोकारो। बुधवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षाएं भी शुरू हो गईं। बोकारो जिले के सभी 23 परीक्षा केंद्रों को मिलाकर कुल 3821 छात्र-छात्राओं ने पहले दिन फिजिकल एजुकेशन (शारीरिक शिक्षा) की परीक्षा दी। कुल पंजीकृत 3856 परीक्षार्थियों में से 35 अनुपस्थित रहे। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई है। जिला प्रशासन की भरपूर सहायता एवं सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा वीक्षकों के सहयोग से परीक्षा पूर्णतया कदाचारमुक्त रही। कहीं से भी कोई गड़बड़ी की शिकायत नहीं है।

केन्द्रवार उपस्थिति के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. गंगवार ने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर- 3सी में 266, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 297, चिन्मय विद्यालय सेक्टर- 5 में 85, होलीक्रॉस स्कूल बालीडीह में 164, पिट्स मॉडर्न गोमिया में 282, डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी में 52, जीजीपीएस- 5 में 361, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 133, आदर्श विद्या मंदिर, दारकूनगर में 167, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर- 4 में 573, डीएवी स्वांग में 24, बीआरएल डीएवी भंडारीदह में 61, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 में 434, पेंटिकॉस्टल एसेंबली स्कूल सेक्टर-12 में 165, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर- 6 में 124, जीजीपीएस चास में 73, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 6 में 37, होलीक्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 14, डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में 65, डीपीएस चास में 57, केंद्रीय विद्यालय-1 सेक्टर-4 में 167, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा में 198 और केंद्रीय विद्यालय डीवीसी बोकारो थर्मल में 22 परीक्षार्थी शामिल हुए।

इधर, परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से ही गहमा-गहमी शुरू हो गई। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की भीड़भाड़ जुटने लगी। परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा जांच के बाद ही एग्जाम हॉल में जाने दिया गया। सीसीटीवी कैमरे की निगहबानी में सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक परीक्षा चली। डॉ. गंगवार ने विद्यार्थियों से इसी प्रकार पूरे अनुशासन से और निर्धारित गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए आगे भी परीक्षाएं देने की अपील की तथा उनके अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं व्यक्त

अड्डा स्कूल के ऑफिस में चोरों का धावा, दो टीवी ले उड़े अज्ञात बदमाश

बिभा संवाददाता

बोकारो। जरीडीह प्रखंड के तांतरी उत्तरी पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अड्डा के ऑफिस का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने संपर्क टीवी और सीसीटीवी समेत दो टीवी चुरा लिए। घटना की जानकारी सुबह मिलते ही स्कूल में हड़कंप मच गया ।प्रभारी प्रधानाचार्य रीना कुमारी ने बताया कि वह सुबह आठ बजे स्कूल पहुंचीं तो ऑफिस का दरवाजा खुला मिला और ताला टूटा पड़ा था। अंदर जाकर देखा तो दोनों टीवी गायब थे। इस घटना से शिक्षक और विद्यार्थी हतप्रभ रह गए ।फिलहाल मुखिया गिरिंद मिश्रा को सूचना दी गई। मुखिया के कहने पर जरीडीह थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। सदलबल मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी बिपिन महतो ने चोरी का जायजा लिया। उन्होंने कहा, स्कूल में चोरी होना आश्चर्यजनक है, लेकिन चोरों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

बच्चों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित ना रखें, उनके करियर को गढ़ने का भी करें शिक्षक : डॉ ताराचंद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। पीएमश्री विद्यालयों से जुड़े शिक्षकों, अभिभावकों, बाल संसद, विद्यालय प्रबंधन समिति के लिए आज नदिया प्लस टू मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में आज उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों की क्षमता किसी भी अन्य विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों से कम नहीं हैं। उनके अंदर भी असीम प्रतिभा है। शिक्षक सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित ना रखें बल्कि उनकी प्रतिभा को भी निखारें, करियर चयन में उनका मार्गदर्शन करें। वे भी आईआईटी-जेईई व नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी करें जिससे उनका चयन इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेजों में हो। सरकारी विद्यालयों में भी ऐसी

कार्यशैली को अपनाये जाने की जरूरत है। आज निजी विद्यालयों से हमने सरकारी विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक बैठक को अपनाया है जिससे बच्चों में नया बदलाव आया है।

उपायुक्त ने कहा कि माता-पिता के बाद शिक्षकों की जिम्मेवारी बच्चों के प्रति सबसे अहम हो जाती है। सरकारी विद्यालयों में आज आधारभूत संरचनाओं, पठन-पाठन की सुविधाओं में बहुत बदलाव आया है। लाइब्रेरी में पढ़ने की आदत बच्चों में डालने की बहुत आवश्यकता है। बच्चों को कुशल बनाने की जरूरत है। यहां के शिक्षक किसी अन्य राज्यों की तुलना में कम कुशल नहीं हैं, आवश्यकता है तो बस इच्छाशक्ति से बड़ा बदलाव लाने की। लोहरदगा जिला में आज भी ऐसे सुदूरवर्ती क्षेत्र है जहां के बच्चों को पढ़-लिख कर डॉक्टर व इंजीनियर बनने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर जिला के विभिन्न पीएमश्री विद्यालयों में शिक्षकगण समेत अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव ने की प्रेस वार्ता

बिभा संवाददाता

लातेहार। लातेहार नगर निकाय चुनाव के भाजपा समर्थित अध्यक्ष पद प्रत्याशी महेश सिंह के चुनावी कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष बंसी यादव के नेतृत्व में आयोजित प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा कि राज्य में नगर निकाय चुनाव झारखंड उच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद कराए जा रहे हैं। प्रेस वार्ता में शाहदेव ने आरोप लगाया कि समय पर निकाय चुनाव नहीं कराए जाने से झारखंड को लगभग 2100 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से वंचित होना पड़ा। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो गया है और अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 4500 से अधिक बच्चे लापता हैं तथा पिछले छह वर्षों में आठ हजार से अधिक महिलाएं और बच्चियां दुष्कर्म की शिकार हुई हैं।शाहदेव ने राज्य सरकार पर आदिवासी महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि पुलिस अपराध नियंत्रण के बजाय बालू तस्करी जैसे मामलों में उलझी हुई है। उनके अनुसार, नक्सल प्रभाव कम होने के बाद संगठित अपराध, मानव तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों में वृद्धि हुई है।इस अवसर पर महेश सिंह ने नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता का समर्थन मिलने पर वे पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने को प्राथमिकता देंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश परिषद सदस्य राजधानी प्रसाद यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज सिंह, जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे और नगर अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी मुरली उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

वार्ड 28 में विकास की नई दौड़, सुनील प्रसाद केसरी मैदान में

हजारीबाग(बिभा) ।नगर निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। वार्ड नंबर 28 वार्ड पार्षद पद के लिए सुनील प्रसाद केसरी ने क्रमांक संख्या 2 से अपनी दावेदारी पेश की है। उनका चुनाव चिन्ह बेबी वॉकर है।सुनील प्रसाद केसरी ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य वार्ड के समग्र विकास को गति देना है। उन्होंने सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और साफ-सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है। उनका कहना है कि वार्ड की बुनियादी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।उन्होंने बताया कि युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएंगी। साथ ही वार्ड में पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था लागू करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि विकास कार्यों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंच सके। सुनील प्रसाद केसरी ने वार्डवासियों से अपील की है कि वे क्रमांक संख्या 2, बेबी वॉकर छाप पर मतदान कर उन्हें विजयी बनाएं, ताकि वार्ड 28 को एक स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित क्षेत्र बनाया जा सके।

जेनरल आब्जर्वर रविराज शर्मा ने सामग्री कोषांग एवं मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

हजारीबाग(बिभा): नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर जेनरल आब्जर्वर रविराज शर्मा द्वारा निर्वाचन कार्यों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामग्री कोषांग तथा मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तैयारियों का विस्तृत अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।सामग्री कोषांग के निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान सामग्रियों की उपलब्धता, उनके सुरक्षित भंडारण एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आवश्यक सामग्रियाँ निर्धारित मानकों के अनुरूप सुव्यवस्थित ढंग से रखी जाएँ। इसके उपरांत उन्होंने मतगणना केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, अभ्यर्थियों एवं मतगणना एजेंटों के बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित कोषांग पदाधिकारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

वार्ड 22 के प्रत्याशी मिताली रश्मि को मिल रहा है सभी वर्गों का अपार समर्थन

हजारीबाग(बिभा) : नगर निगम चुनाव में वार्ड 22 से वार्ड पार्षद प्रत्याशी मिताली रश्मि को महिलाओं सहित सभी वर्गों का अपार समर्थन मिल रहा है। नित्य प्रतिदिन वार्ड क्षेत्र की दर्जनों महिलाऐं अपने घर के काम काज को निपटा कर नियमित रूप से घर घर जाकर वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी मिताली रश्मि के पक्ष में मतदान के लिए अपील कर रही है। मिताली रश्मि के पक्ष में घर घर जाकर जनसंपर्क के बारे में महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि वार्ड 22 शिवपुरी के विकास और बुनियादी सुविधा सहित अन्य कार्यों को पूरा करने के उद्देश्य से हम सभी लोग अपना पारिवारिक दायित्वों को पूरा कर प्रतिदिन सामाजिक दायित्वों के लिए जनसंपर्क करते हैं ताकि मिताली रश्मि जैसी कर्मठ शिक्षित प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो सके। जनसंपर्क अभियान में उनके साथ सुधा प्रधान, सोनम प्रिया, अनीता पांडे, लक्ष्मी देवी, रेशमी देवी, लवली सिन्हा, सरिता विश्वकर्मा, बिंदु देवी, प्रियंका तिवारी, आरती सिन्हा, पूनम सिंह, स्वेता, राधा देवी, बीना सिंह, सुमित्रा देवी, जुली सिंह, बसंती देवी, कलावती दुबे, मीनू जी, बीना देवी, मीना गुप्ता सहित दर्जनों महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं।

कुडू में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

कुडू (बिभा)। गुरुवार 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती कुडू रुद चौक स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण कर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा युवा मोर्चा कुडू प्रखंड अध्यक्ष सरजू कुमार साहू के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई की, दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया तथा लड्डू वितरण कर जयंती समारोह मनाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को शिवाजी महाराज के संघर्षपूर्ण जीवन, वीरता, राष्ट्रभक्ति और उनके आदर्शों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ऋतिक पंडित, लक्ष्मी ठाकुर, बलराम उरांव, पवन कुमार, राजू राम, राजकिशोर राम, बिट्टू ठाकुर, शशिकांत कुमार, राहुल कुमार, आनंद कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा कुडू प्रखंड अध्यक्ष सरजू कुमार साहू ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना तथा शिवाजी महाराज के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

अधिग्रहित किए गए जमीन के लंबित मुआवजे का भुगतान जल्द से जल्द करें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आधारभूत संरचना से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने पूर्व के बैठक में लिए गए निदेर्शों के आलोक में हुए कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने बनहर्दी, चक्ला कोल ब्लॉक, एनएमएल, एनटीपीसी, पीवीयूएनएल, सहित अन्य परियोजनाओं के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने विभिन्न

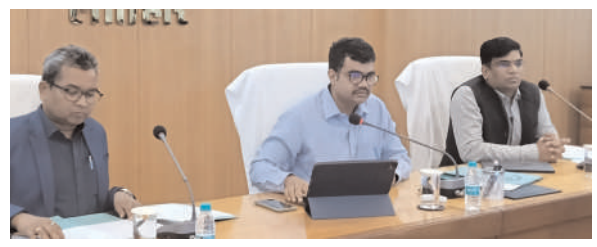

परियोजनाओं में अधिग्रहित किए गए जमीन के लंबित मुआवजे के भुगतान की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों के तहत हो कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत मामलो पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया।

बैठक में अपर समाहर्ता रामा रविदास, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार, अजय कुमार रजक, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी, सभी अंचल अधिकारी, संबंधित पदाधिकारी ,कोल कंपनियों के अधिकारी ,प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन में लाएं तेजी : उपायुक्त

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में माननीय उच्च न्यायालय में दायर लंबित वादों से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में उच्च एवं उच्चतम न्यायालय से सम्बंधित लंबित वादों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। विभागवार लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जितने भी मामलों में कोर्ट में शपथ पत्र दाखिल किया जाना है, वैसे सभी लंबित मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को ससमय प्रति शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान लंबित मामलों की समीक्षा की गयी और इनके शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई से लंबित वादों का शीघ्र निपटारा किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, परियोजना निदेशक आईटीडीए प्रवीण कुमार गगराई, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार अजय कुमार रजक, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक ने किया मीडिया कोषांग का निरीक्षण

लोहरदगा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 हेतु प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक मो० मुस्तकीम द्वारा गुरुवार 19 फरवरी को मीडिया कोषांग, लोहरदगा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सामान्य प्रेक्षक द्वारा मीडिया कोषांग के दैनिक कार्यों, निर्वाचन से संबंधित कवरेज, दैनिक प्रतिवेदन, हेल्पलाइन एवं जनशिकायत कोषांग में प्राप्त हो रहे शिकायतों व उनका समाधान, शिकायत का संधारण आदि बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश वरीय पदाधिकारी, मीडिया कोषांग को दिए। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास, मीडिया कोषांग के वरीय पदाधिकारी-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक समेत अन्य पदाधिकारी व मीडिया कोषांग में प्रतिनियुक्त कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने रामनवमी की तैयारियों को लेकर की बैठक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: रामनवमी पर्व 2026 की प्रारंभिक प्रशासनिक तैयारियों के मद्देनजर गुरूवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, प्रशिक्षु आईएएस आनंद शर्मा, एसडीपीओ अमित कुमार व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पूर्व में आयोजित रामनवमी समारोहों से प्राप्त अनुभवों के आधार पर आवश्यक तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी देशभर में अपनी भव्यता के लिए विख्यात है तथा इसकी गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्व को पारंपरिक स्वरूप में ही मनाया जाए। भड़काऊ एवं उद्वेलित

करने वाले गीतों तथा डीजे के उपयोग से पर्व की गरिमा प्रभावित होती है, इसलिए पारंपरिक ताशा पार्टी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए।

उपायुक्त ने इस वर्ष रामनवमी को नशामुक्त एवं पारंपरिक स्वरूप में मनाने हेतु विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जुलूस मार्गों पर बैरिकेटिंग, सीसीटीवी अधिष्ठापन, ड्रॉप गेट की व्यवस्था, मेडिकल सेंटर,विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा सूखे पेड़ों की कटाई,उत्पाद विभाग को अवैध रूप मद्यशालाओं के संचालन पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा नशे के विरुद्ध आदि का व्यापक सघन जांच अभियान चलाने जैसे आवश्यक कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि इस रामनवमी में जुलूस के दौरान झांकियों के प्रयोग में लाये जाने वाले वाहनों के क्रियाशीलता का एमवीआई के माध्यम से सत्यापन कराना आवश्यक होगा।

उन्होंने प्रखंड प्रशासन एवं पुलिस पदाधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अखाड़ा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श करने का निर्देश दिया। बैठक में दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति, विधि-व्यवस्था संधारण तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांति, सौहार्द और परंपरागत मयार्दा के साथ पर्व मनाने में सहयोग करने की अपील की है।

उपायुक्त और सामान्य प्रेक्षक ने किया सामग्री कोषांग का निरीक्षण

लोहरदगा(बिभा)। उपायुक्त डॉ ताराचंद और सामान्य प्रेक्षक मो० मुस्तकीम अंसारी ने गुरुवार 19 फरवरी को नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 हेतु संचालित सामग्री कोषांग का निरीक्षण किया गया। इसमें राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चिन्हित सामग्रियों जिसमें पुस्तिका, टैग,थाना, मतदाता सूची प्रति, अमिट स्याही, सील, विभिन्न प्रकार के प्रपत्र, विभिन्न प्रकार के लिफाफे, साइन बोर्ड, स्टेशनरी के सामान आदि शामिल हैं उनका मिलान किया गया। साथ ही, वरीय पदाधिकारी, सामग्री कोषांग को मतदान दल को उक्त सामग्रियों के इस्तेमाल संबंधित विस्तृत जानकारी दिये जाने का निदेश दिया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, आइटीडीए परियोजना पदाधिकारी-सह-वरीय पदाधिकारी सामग्री कोषांग सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार समेत सामग्री कोषांग में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी व कर्मीगण उपस्थित थे।

भाजपा ने हजारीबाग नगर निकाय चुनाव में, बेदाग सुयोग एवं एक जनसेवक को अपना समर्थन दिया है : मनीष जायसवाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग में, नगर निकाय चुनाव हेतु प्रेसवार्ता झंडा चौक स्थित सांसद सेवा कार्यालय में की गई। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता एवं विषय प्रवेश जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह द्वारा की गई। प्रेस वार्ता में बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल व प्रदेश प्रवक्ता अनिवेश सिंह जी उपस्थित थे। जिन्होंने प्रेस वार्ता को संबोधित किया । अपने संबोधन में सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में मेयर के प्रत्याशी के रूप में, श्री सुदेश कुमार चंद्रवंशी प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन किया है ।वे एक बेदाग ,आपराधरहित सुयोग उम्मीदवार हैं। ये अपने जीवन काल में 40 वर्ष से समाज की सेवा करते आ रहे हैं। इनके पिताजी स्वर्गीय बैजनाथ प्रसाद जी भी एक लंबे समय तक जन सेवा से जुड़े रहे थे। सुदेश कुमार चंद्रवंशी जी के क्रियाकलाप और जन सेवा को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने समर्थन देने का काम किया है और उनके सहयोग

से हजारीबाग नगर निगम को स्वच्छ एवं ग्रीन नगर निगम बनाने का काम करेगी ।साथ ही इन्होंने यह भी कहा की नगर निकाय के चुनाव को लेकर झारखंड सरकार की नियत साफ नहीं है । झारखंड की हेमंत सरकार बीजेपी से डरी हुई है । यही वजह है कि सरकार निगम चुनाव दलगत नहीं कर रही है। अगर दलगत होता तो 48 के 48 निकाय चुनाव बीजेपी जीत लेती। इतना ही नहीं यह सरकार जो एफ्ट से चुनाव जीतकर आई है और शासन कर रही है, उसमें भी विश्वास सरकार का नहीं है क्योंकि सरकार की मंशा साफ नहीं है। लुट, घसोत करचुनाव जीतने की तैयारी में है जिससे एफ्ट की जगह वैलेट पेपर से चुनाव करा रही है।

प्रेस संबोधन में प्रेस प्रवक्ता अनिवेश सिंह ने कहा कि हजारीबाग नगर निकाय चुनाव में जितने भी प्रत्याशी हैं उनमें सुदेश कुमार चंद्रवंशी की सबसे सरल, सुलभ ,अनुभवी एवं सुयोग उम्मीदवार हैं यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपना समर्थन श्री सुरेश कुमार महतो जी को दिया है उनके सहयोग से ही हजारीबाग नगर निकाय का समुचित चौमुखी विकास किया जा सकता है ।

प्रेस वार्ता में पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक कुमार यादव ,प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव, दिनेश सिंह राठौड़ ,जिला मंत्री जय नारायण प्रसाद जिला, सांसद प्रतिनिधि अजय साहू व इंद्र नारायण कुशवाहा उपस्थित हुए। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी व जिला मंत्री जय नारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

जागरूकता रथों को उपायुक्त ने दिखायी हरी झंडी, बाल विवाह के उन्मूलन की अपील

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद द्वारा गुरुवार 19 फरवरी को समाहरणालय परिसर लोहरदगा से दो जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त द्वारा बाल विवाह उन्मूलन के लिए एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखायी जिसमें उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक अपराध है। शिक्षा से ही इस कुरीति को दूर किया जा सकता है। बाल विवाह को बढ़ावा देने वालों के लिए कानून में सजा के प्रावधान हैं। किसी के द्वारा अगर बाल विवाह किया जा रहा है या उसे बढ़ावा दिया जा रहा है तो इसकी सूचना टॉल फ्री नंबर 1098 पर दें। उपायुक्त द्वारा एक अन्य जागरूकता वाहन को रवाना किया गया जिसमें जन्म व

मृत्यु के पंजीकरण हेतु आमजनों को जागरूक किया जा रहा है। उपायुक्त ने आवश्यक रूप से किसी भी नवजात के जन्म का पंजीकरण कराने और किसी व्यक्ति का मृत्यु का भी निबंधन कराने की अपील आमजनों से की गयी।

इस अवसर पर बाल विवाह के उन्मूलन हेतु हस्ताक्षर अभियान भी समाहरणालय परिसर में चलाया गया जिसमें सभी पदाधिकारीगण शामिल हुए।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, आइटीडीए परियोजना पदाधिकारी सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव को लेकर डिस्पैच सेंटर का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: नगर निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर आज पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान से संबंधित सामग्री की पैकेजिंग, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मियों की तैनाती तथा वाहन प्रबंधन की विस्तार से समीक्षा की निरीक्षण के दौरान एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि मतदान सामग्री के वितरण एवं संग्रहण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों के लिए विशेष सतर्कता बरतने तथा पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया डिस्पैच सेंटर में बनाए गए काउंटर, सीसीटीवी निगरानी, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा तथा मतदान दलों की रवानगी की प्रक्रिया का भी जायजा लिया गया। एसपी ने कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तार: एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनाना: सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

संपादकीय

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें ह्यबलात्कार के प्रयासह्ल की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है।

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, '़क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।' पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल? भारत के लिए भरोसा या भविष्य का धोखा

कांतिलाल मांडोत

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है।

इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया।

चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकान यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती।

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है। चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं।

भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती।

भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है। भारत के लिए जरूरी है कि वह सतर्कता, आत्मनिर्भरता और संतुलित कूटनीति के सहारे हर संभावित परिस्थिति के लिए तैयार रहे।

एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ , 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ?

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दशार्ता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है।

इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, FBI की जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एप्सटीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत को उजागर करती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है

खून में हीमोग्लोबिन या रेड ब्लड सेल्स की कमी को एनीमिया कहते हैं। कई बार शरीर रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन बना नहीं पाता और कई बार ज्यादा खून बह जाने से शरीर में इनकी कमी हो जाती है। एनीमिया को एक तरह की बीमारी माना जाता है। ये बीमारी ज्यादातर महिलाओ को होती है और उनमें इसकी एक मुख्य वजह मासिक धर्म होता है। आमतौर पर पुरुषों में 100 मिली ग्राम खून में 13.5 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन और महिलाओं में 100 मिली ग्राम खून में 12 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन हो तो इसे एनीमिया की स्थिति कहते हैं। कई बार एनीमिया के मरीजों में बाहर से कोई लक्षण नहीं नजर आते या हल्के-फुल्के लक्षण नजर आते हैं जिन्हें लोग नजरअंदाज कर देते हैं। खून की सीबीसी जांच द्वारा इस बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

एनीमिया का कारण

एनीमिया का सबसे बड़ा कारण शरीर में आयरन की कमी है। एक सामान्य व्यक्ति के शरीर में 3-5 ग्राम आयरन होता है। शरीर में इसकी मात्रा कम होने पर खून कम बन पाता है और एनीमिया हो जाता है। कई बार ज्यादा मात्रा में खून बह जाना भी एनीमिया का कारण बनता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम की अधिकता से भी एनीमिया हो सकता है इसलिए कैल्शियम वाले खाद्य पदार्थों का बहुत अधिक सेवन भी शरीर के लिए खतरनाक है।

एनीमिया से बचाव

एनीमिया से बचाव के लिए आपको अपनी जीवनशैली में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ेगा। एनीमिया मुख्यत: शरीर में खून की कमी ही है इसलिए इससे बचाव के लिए ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर में खून की मात्रा बढ़े जैसे- चुकंदर, गाजर, पालक, टमाटर, बथुआ और अन्य हरी सब्जियां। के साथ-साथ काले चने और गुड़ में भी आयरन भरपूर होता है। रोजाना सुबह भीगे हुए काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है। इसके अलावा अगर आप सब्जी बनाने के लिए लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करते हैं तो इससे भी शरीर में आयरन की कमी दूर होती है। शरीर में आयरन की ज्यादा कमी होने पर आप चिकित्सक की सलाह से आयरन की गोलियां भी ले सकते हैं।

एनीमिया के लक्षण

काम के दौरान जल्दी थक जाना
दिनभर कमजोरी महसूस होना
त्वचा पीली पड़ना
सीढ़ी चढ़ते हुए चक्कर आ जाना
सीने और सिर में दर्द होना
तलवों और हथेलियों का ठंडा हो जाना

सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है किशमिश के पानी

किशमिश के पानी सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है। इससे पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है। सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं, लेकिन किशमिश का पानी सेहत के लिए और भी फायदेमंद होता है। किशमिश में कुछ ऐसे गुण होते हैं जो कि पानी के साथ मिलकर ज्यादा असरदार हो जाते हैं। इसके लिए रात के समय एक गिलास पानी में 8 से 10 किशमिश भिगोकर रख दें और सुबह इसे अच्छी तरह पीस लें। अगली सुबह किशमिश छान कर पानी को पीने लायक गरम करें और इसे खाली पेट पिएं। किशमिश का पानी पीने के बाद 30 से 35 मिनट तक इंतजार करें और फिर नाश्ता करें। किशमिश का पानी लीवर में बायोकैमिकल प्रोसेस शुरु करता है, जिससे खून तेजी साफ से होने लगता है। इसके अलावा किशमिश में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए इसे स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। किशमिश में प्राकृतिक शुगर भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। किशमिश का पानी पीने के और भी फायदे।

दांतों के लिए : किशमिश में ऑलियानॉलिक एसिड होता है जो कि फाइटोकेमिकल्स में से एक है और यह दांतों को केविटी और कई दिक्कतों से बचाता है। साथ ही किशमिश दांतों में बैक्टिरिया फैलने से रोकता है और दांतो को सुरक्षित रखता है। इसमें केल्शियम की मात्रा बहुत अधिक होती है और यह आपके दांतो को टूटने से बचाता है।

स्किन के लिए : किशमिश के पानी में फ्लेवेनॉइड्स एंटी ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्किन पर होने वाली झुर्रियों को तेजी से कम करने में सहायक है। यह बढ़ती उम्र के निशान को कम कर आपको जवां दिखने में मदद करता है।

सांसों की बदबू के लिए : किशमिश में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इससे बैक्टीरिया से लड़ने में सहायता मिलती है और मुंह से आने वाली बदबू दूर होती है। इसके अलावा इसका उपयोग कई हेल्थ टॉनिक में भी किया जाता है।

पेट संबंधी रोगों के लिए : किशमिश के पानी से पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है। साथ ही इसके नियमित सेवन से थकान भी दूर रहती है और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

हार्ट प्रॉब्लम के लिए : हर रोज किशमिश का पानी उन लोगों के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है जो अधिक कोलेस्ट्रॉल लेवल की वजह से परेशान हैं और उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दरअसल किशमिश का पानी शरीर में ट्राईग्लिसेराइड्स के स्तर को कम करने में मददगार है। इससे आपके शरीर में हर्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

आंखों के लिए : किशमिश में पॉलीफेनॉलिक फायटोन्यूट्रिंस होते हैं जो कि एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं और यह आंखों की आई साइड को ठीक रखने में मदद करती है। इसमें कई तरह के एंटी बॉयटिक और एंटी ऑक्सीडेंट फिनॉलिक पायथोन्यूट्रियंट तत्व होते हैं जो कि बुखार को भी ठीक कर देते हैं।

संक्रमण से होती है आंखें लाल

आंख लाल होने की समस्या तब होती है जब आंख की सतह पर मौजूद रक्त वाहिकाएं फैलती हैं या चौड़ी होती हैं। ऐसा तब होता है जब आपकी आंख में कोई बाहरी चीज चली जाती है या कोई संक्रमण होता है। आंख आमतौर पर कुछ समय के लिए लाल हो जाती हैं। इसके साथ आंख में दर्द, आंखों में खुजली, रिसाव, आंखों की सूजन और धुंधला दिखना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आंख लाल होने में या तो आंखों का पूरा सफेद हिस्सा लाल दिखने लगता है या कुछ रक्त वाहिकाएं सूज कर लाल हो जाती हैं। अगर आपकी आंख ठीक नहीं होती और लाली बढ़ती है, तो अपने डॉक्टर के पास जाएं।

लक्षण

आंख में खुजली होना
आंख से ज्यादा आंसू आना
आंख से रिसाव होना
प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
धुंधला दिखना
नजर कमजोर होना
एक या दोनों आंखों में किरकिराहट महसूस होना
देखने या पढ़ने के बाद असहजता महसूस होना

कारण

इन कारणों से लाल होती हैं आंखें
सूखे बाल
मिट्टी
ऐलर्जी
ऐसी स्थिति में डॉक्टर को दिखाएं
आंख में हाल ही में चोट लगी है
अगर आप नजर में बदलाव, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, तेज सिरदर्द जैसे लक्षण अनुभव कर रहे हों।
ज्यादा दर्द हो रहा हो।
सिर पर चोट लगी हो।
किसी रसायन से आंख में चोट पहुंची हो

बचाव

आंखों को न मलें। आंखें मलने से इंफेक्शन व ऐलर्जी करने वाले बैक्टीरिया चले जाते हैं।
जोर से आंख मलने से कॉर्निया में खरोंच और सबकन्जंक्टिवाईटल हेमरेज हो सकता है।
धुएं, भाप, पराग, मिट्टी और क्लोरीन जैसे उत्तेजक पदार्थो से दूर रहें।
अपने कॉन्टैक्ट लेंस की सही से देखभाल करें।
कॉन्टैक्ट लेंस को ज्यादा समय तक न पहनें और इन्हें पहन कर न सोएं।

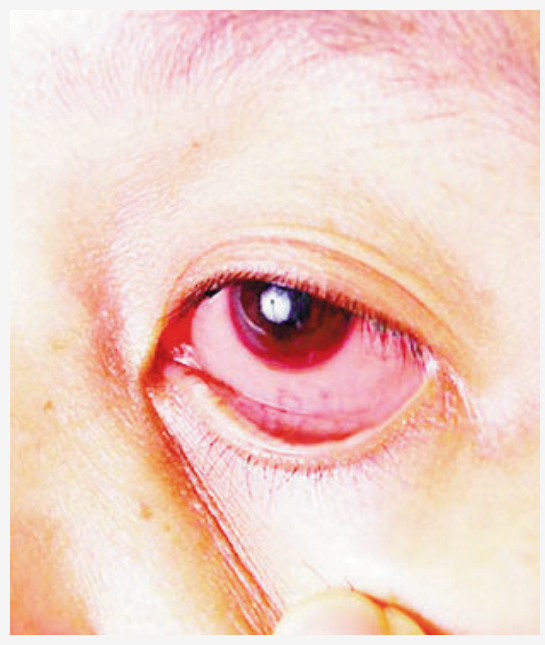

युवाओं में तनाव से बढ़ रहे हृदयाघात के मामले

भारतीय युवाओं में हृदयाघात की समस्या बढ़ती जा रही है और यदि इस समस्या पर रोक के उपाय नहीं किए गए तो यह महामारी का रूप ले कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार हृदय रोग की महामारी को रोकने का एकमात्र तरीका लोगों को शिक्षित करना है।

आम तौर पर दिल के दौरे का संबंध पहले बुढ़ापे से माना जाता था।लेकिन अब अधिकतर लोग उम्र के दूसरे, तीसरे और चौथे दशक के दौरान ही दिल की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। आधुनिक जीवन के बढ़ते तनाव ने युवाओं में दिल की बीमारियों के खतरे पैदा कर दिया है हालांकि अनुवांशिक और पारिवारिक इतिहास अब भी सबसे आम और अनियंत्रित जोखिम कारक बना हुआ है, लेकिन युवा पीढ़ी में अधिकतर हृदय रोग का कारण अत्यधिक तनाव और लगातार लंबे समय तक काम करने के साथ-साथ अनियमित नींद पैटर्न है। धूम्रपान और आराम तलब जीवनशैली भी 20 से 30 साल के आयु वर्ग के लोगों में इसके जोखिम को बढ़ा रही है।

ओपन हार्ट सर्जरी के मामले बढ़े

देश में हृदय अस्पतालों में दो लाख से अधिक ओपन हार्ट सर्जरी की जाती है और इसमें सालाना 25 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।यह सर्जरी केवल तात्कालिक लाभ के लिए होती है। हृदय रोग के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए लोगों को हृदय रोग और इसके जोखिम कारकों के बारे में अवगत कराना महत्वपूर्ण है।

कोरोनरी हृदय रोग ठीक नहीं हो सकता है, लेकिन इसके इलाज से लक्षणों का प्रबंधन करने, दिल की कार्यप्रणाली में सुधार करने और दिल के दौरे जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए जीवनशैली में परिवर्तन, दवाएं और नॉन-इवैसिव उपचार शामिल हैं। अधिक गंभीर मामलों में इंवैसिव और शल्य चिकित्सा उपचार की आवश्यकता होती है।

समान लक्षण नहीं होते

सभी हृदय रोगियों में समान लक्षण नहीं होते हैं और एंजाइना छाती का दर्द इसका सबसे आम लक्षण नहीं है। कुछ लोगों को अपच की तरह असहज महसूस हो सकता है और कुछ मामलों में गंभीर दर्द, भारीपन या जकड़न हो सकता है। आमतौर पर दर्द छाती के बीच में महसूस होता है, जो बाहों, गर्दन, जबड़े और यहां तक कि पेट तक फैलता है, और साथ ही धड़कन का बढ़ना और सांस लेने में समस्या होती है।

अगर धमनियां पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती हैं, तो दिल का दौरा पड़ सकता है, जो हृदय की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है। दिल के दौरे में होने वाले दर्द में पसीना आना, चक्कर आना, मतली और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत मामले में ठेकेदारों को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में सेशन कोर्ट ने गिरफ्तार 2 ठेकेदार और एक सहायक ठेकेदार को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है और अपराध की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। एडिशनल सेशन जज हरलीन कौर ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और कविश गुप्ता की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थीं। इनके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने अरेस्ट वारंट जारी किए थे और कहा कि जांच अभी शुरुआती स्टेज में है। कोर्ट ने कहा कि इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं या सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 5 फरवरी की देर रात कमल भयानी (25) की दिल्ली में जल बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरने से मौत हो गई थी। 6 फरवरी की सुबह 8 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद हादसे का पता चला। जांच एजेंसी को उनसे कस्टडी में पूछताछ करनी है। जांच अभी शुरुआती स्टेज में है, और जांच एजेंसी केस से जुड़ी जरूरी चीजें इकट्ठा करने में जुटी हैं। कहा जाता है कि एप्लीकेंट जांच एजेंसी की पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं कर रहा था और टालमटोल कर रहा था। अपराध की गंभीरता और उसके सामाजिक असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस एप्लीकेशन को मंजूरी देने का कोई आधार नहीं बनता। आवेदक की मौजूदा एंटीसिपेटरी बेल एप्लीकेशन खारिज की जाती है।

पंजाब में सिविल और मिनी सचिवालय सहित पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में सिविल सचिवालय और मिनी सचिवालय के साथ पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद गुरुवार को पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियातन मुख्य द्वारों को बंद कर लोगों के प्रवेश और निकास पर रोक लगा दी। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गईं। परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा घेरा बढ़ाया गया है। आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच की जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। सूत्रों के अनुसार धमकी किसी संदेश या ईमेल के माध्यम से मिली है। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कोई भी जोखिम नहीं लिया जा सकता।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, चार दोस्तों की मौत, इलाके में पसरा मातम

मथुरा (एजेंसी)। यूपी के मथुरा जिले के नगला दैवीया के पास एक तेज रफ्तार कार नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके मौत हो गई। मृतकों में तीन युवक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हादसा बुधवार शाम को हुआ। मारुति कार में सवार चार दोस्त किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महावन जा रहे थे। नगला दैवीया के पास कार की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे नहर में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मगोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला। कार के अंदर फंसे युवकों को जब तक बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थीं। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुए युवकों में से तीन की पहचान हो गई है, जबकि एक की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। मृतकों में राहुल वर्मा (23) निवासी महावन, पेशे से दर्जी। अमित (23) निवासी प्रेमनगर कलां, छात्र और मोहित (22) निवासी महावन, ला का छात्र था। बताया जा रहा है कि जिस कार से हादसा हुआ, वह राहुल वर्मा के भाई सज्जन सिंह की थी। एसपी देहात ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। एक साथ चार युवकों की मौत से महावन और बलदेवगढ़ में सन्नाटा पसरा है।

10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां... दिल्ली सरकार करेगी जब्त

-दिल्ली परिवहन विभाग ने जारी की सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली परिवहन विभाग ने राजधानी में तय उम्र पार कर चुकी गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली है। दिल्ली सरकार की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार अब 10 साल से अधिक पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां, जिन्हें 'एंड ऑफ लाइफ व्हीकल' माना गया है, बिना किसी पूर्व नोटिस के जब्त हो सकती हैं। यह कार्रवाई केवल सड़कों पर चल रही गाड़ियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पार्किंग, खुले मैदान या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर खड़े वाहनों पर लागू होगी। दिल्ली परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुकी गाड़ियों को दिल्ली में रखने की अनुमति नहीं है। यदि ऐसी गाड़ियां राजधानी में दिखाई देती हैं, तब उन्हें कानून के तहत जब्त कर सीधे स्क्रैप (कबाड़) के लिए भेजा जा सकता है। यह कदम वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण मानकों के सख्त पालन के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी पुरानी गाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर उन्हें दिल्ली से बाहर किसी अन्य राज्य में ट्रांसफर करा लें। इससे वे जब्ती और अन्य कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। विभाग का कहना है कि आने वाले समय में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बीएस-3 और उससे नीचे के उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों की जानकारी समय रहते प्राप्त करें और आवश्यक कदम उठाएं, ताकि अचानक होने वाली कार्रवाई से किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'वंदे मातरम' विवाद पर शशि थरूर... देशभक्ति दिल से होती, कानून बनाकर मजबूर नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पूर्व मंत्री शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर साफ कहा कि किसी भी नागरिक को गाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस की आलोचना कर कहा कि देशभक्ति दिल से होती है, और कानून बनाकर इस गाने को जबरन किसी की जुबान पर नहीं लाया जा सकता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' अब सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में पूरा गाना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने इस दौरान 'वंदे मातरम' के इतिहास का उल्लेख किया। यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों और सत्याग्रहियों को प्रेरित करता था। उन्होंने कहा कि आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में राज्य और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखकर 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका सम्मानित हो और किसी समुदाय को अलग-थलग न किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

कांग्रेस नेता थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में गीत को संगीतबद्ध किया और 1937 में सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर केवल पहले दो अंतरे गाए जाएं। शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, इससे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी कारण है, क्योंकि इस्लाम में तौहीद के सिद्धांत के अनुसार किसी अन्य ईश्वर या देवी-देवता को मानना या उसकी स्तुति करना स्वीकार्य नहीं है।

कांग्रेस सांसद थरूर ने मोदी सरकार के हालिया आदेश पर भी सवाल उठाकर कहा कि किसी प्रतीक की ताकत उसकी स्वैच्छिक श्रद्धा में है, जबरदस्ती पालन में नहीं। उन्होंने 1986 के सुप्रीम कोर्ट के 'जेहोवाज विटनेस केस' का उदाहरण दिया, जिसमें धार्मिक कारणों से राष्ट्रगान न गाने वाले छात्रों को बहाल किया गया था। थरूर ने सुझाव दिया कि 'वंदे मातरम' विवाद में यही मॉडल अपनाया जाए—जो लोग पूरी श्रद्धा से गाना चाहते हैं, वे गाएं, और जिन्हें धार्मिक या अंतरात्मा की आपत्ति है, उन्हें चुपचाप सम्मान करने का अधिकार मिले, बिना दंड या सामाजिक बहिष्कार के। यह दृष्टिकोण धर्मनिरपेक्षता और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सोच-समझकर किया गया प्रयास है।

नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी... यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते हड़कंप मच गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरलाइंस द्वारा बुकिंग और चेक-इन के लिए इस्तेमाल होने वाले नेविटेयर सिस्टम के सर्वर में समस्या आ गई। इस वजह से यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर यह खराबी सुबह करीब 6:45 बजे सामने आई और तकनीकी टीम ने करीब 7:30 बजे तक ठीक किया। इस दौरान एयरलाइंस को यात्रियों की जानकारी मैनुअल रूप से अपडेट करनी पड़ी, जिससे सुबह की भीड़ में असुविधा बढ़ गई और कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं। इसतरह मुंबई एयरपोर्ट पर भी ऐसी स्थिति देखी गई। नेविटेयर सिस्टम की खराबी के कारण यात्रियों को चेक-इन काउंटर पर लंबा इंतजार करना पड़ा और भीड़भाड़ की शिकायतें सामने आईं। नेविटेयर सिस्टम एयरलाइन टिकट बुकिंग, चेक-इन और बोर्डिंग जैसी सुविधाओं के लिए अत्यंत जरुरी है। इसके ठप होने पर एयरलाइंस यात्रियों को समय पर सेवा देने में असमर्थ होती हैं, इससे देरी और अव्यवस्था होती है। बीते साल नवंबर में भी कई एयरपोर्ट पर तकनीकी गड़बड़ी के मामले सामने आए थे। दिल्ली के आईजीआईए पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली में खराबी के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ था। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने मामले पर स्पष्टीकरण दिया था। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि एयरपोर्ट और एयरलाइंस के लिए तकनीकी सिस्टम की स्थिरता बेहद जरूरी है, और ऐसी खामियों से यात्रियों को असुविधा उठानी पड़ती है। कुल मिलाकर, गुरुवार की यह तकनीकी दिक्कत यात्रियों के लिए थोड़ी परेशानी का कारण बनी, लेकिन तकनीकी टीम की त्वरित कार्रवाई से स्थिति जल्दी नियंत्रण में आ गई।

संजय राउत के बयान पर पवन खेड़ा कि प्रतिक्रिया... उनके बयान पर इंडिया ब्लॉक में विचार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी संजय राउत के हालिया बयान पर गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा, वह एक वरिष्ठ नेता हैं। अगर उन्होंने कुछ कहा है, तब निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी इस बयान के बारे में विचार कर तय करने वाले हैं कि क्या किया जाए है। इसके पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक के कामकाज की आलोचना कर आरोप लगाया कि गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही सक्रिय होता है और प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर लगातार समन्वय का अभाव है।

मुंबई में राउत ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का काम लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर शुरू होता है। तब तक किसी के बीच कोई संवाद नहीं होता। तब तक इंडिया ब्लॉक में जनता क्या कर रही है, यह किसी को नहीं पता होता। उन्होंने इस जोर दिया कि संसद के अंदर मुद्दों को उठाना ही काफी नहीं है, खासकर तब जब विपक्षी नेताओं को बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र कर राउत ने कहा, वे राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं देते। क्या हम बाहर कुछ कर सकते हैं?

राउत ने तर्क दिया कि गठबंधन को पूरे राजनीतिक चक्र में सक्रिय रहना चाहिए, न कि केवल आम चुनाव से पहले। उन्होंने किसानों की परेशानी, कानून व्यवस्था और मणिपुर की स्थिति सहित कई गंभीर मुद्दों की ओर इशारा किया, जिन पर समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। देश में इतनी सारी समस्याएं हैं।

पीएम मोदी ने रामकृष्ण को स्वामी कह संबोधित किया, ममता का आरोप... बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने रामकृष्ण परमहंस के जन्मदिन पर उन्हें स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहकर संबोधित किया, जो बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ है और महान संत के प्रति सांस्कृतिक असंवेदनशीलता को दिखाता है। ममता बनर्जी ने पोस्ट पर अपनी नाराजगी जताकर कहा कि यह अभूतपूर्व और अनुचित संबोधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को व्यापक रूप से ठाकुर या श्री रामकृष्ण के रूप में पूजा जाता है। ममता ने कहा कि परमहंस के देहांत के बाद उनके तपस्वी शिष्यों ने रामकृष्ण मठ और मिशन का गठन किया था, जिन्हें भारतीय परंपरा के अनुसार स्वामी कहा गया। लेकिन स्वयं आचार्य या गुरु को हमेशा ठाकुर कहा जाता रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बयान को बंगाल की संस्कृति और परंपराओं की समझ की कमी बताकर अनुचित बताया।

दरअसल, पीएम मोदी ने गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। पीएम मोदी ने लिखा कि उनके आध्यात्मिक विचार और संदेश हमेशा मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहने वाले है।

रामकृष्ण परमहंस (1836-1886) दक्षिणेश्वर काली मंदिर के पुजारी थे और विभिन्न धर्मों की एकता तथा आध्यात्मिक सद्भाव का संदेश देने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उनके शिष्यों में स्वामी विवेकानंद प्रमुख थे, जिन्हें स्वामी उपाधि से संबोधित किया गया। वर्तमान में रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण मठ उनकी शिक्षाओं पर आधारित सक्रिय संस्थाएँ हैं। बंगाल में वे ठाकुर के रूप में सम्मानित हैं, इसलिए ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के संबोधन को सांस्कृतिक दृष्टि से असंवेदनशील करार दिया। इस विवाद ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के सही प्रयोग पर बहस को फिर से उभारा है, खासकर उन संदर्भों में जहाँ सार्वजनिक नेताओं द्वारा संतों और आचार्यों को संबोधित किया जाता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में टेका माथा, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में भाग लेने से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दिल्ली के प्रसिद्ध गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका और श्रद्धालुओं के साथ समय बिताया जो भारत-फ्रांस के बीच बढ़ते संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों की इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जहां वे एक वैश्विक नेता के साथ-साथ एक श्रद्धालु के रूप में नजर आ रहे हैं। गुरुद्वारा बंगला साहिब के प्रबंधन ने भी उनके आगमन पर विशेष ध्यान दिया और इस यात्रा को यादगार बना दिया। उन्होंने वहां सिख समुदाय की परंपराओं को देखा और श्रद्धा भाव के साथ अपनी प्रार्थना की। इससे पहले दौरे के दौरान उन्होंने दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह का भी दौरा किया था।

मुस्लिम आरक्षण रद्द करने पर भड़की कांग्रेस ने कहा- बदले की राजनीति के सिवाए कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार द्वारा मुस्लिम समुदाय को शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के 2014 के पुराने आदेश को औपचारिक रूप से रद्द करने के फैसले ने राज्य की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। जहाँ सत्ता पक्ष इसे केवल एक कानूनी और प्रक्रियात्मक औपचारिकता बता रहा है, वहीं विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

यह विवाद 2014 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले शुरू हुआ था, जब तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए मराठा समुदाय को 16 प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय को विशेष पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत 5 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इस नीति को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसने मराठा आरक्षण को तो खारिज कर दिया था, लेकिन शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम आरक्षण को आंशिक रूप से बरकरार रखा था। हालांकि, बाद में आई भाजपा-शिवसेना सरकार ने इस अध्यादेश को कानून का रूप नहीं दिया, जिससे यह समय सीमा समाप्त होने के बाद निष्प्रभावी हो गया था। अब वर्तमान सरकार ने उसी पुराने आदेश (जीआर) को आधिकारिक रूप से रद्द करने का प्रस्ताव जारी किया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों से शपथ के समय सभी के प्रति निष्पक्ष रहने और संविधान का पालन करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें ऐसा नहीं कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उच्च न्यायालय ने कोटे के पक्ष में फैसला सुनाया था, तब भी इसे रद्द करना सरकार की भेदभावपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क है कि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और 2014 का वह आदेश तकनीकी रूप से पहले ही खत्म हो चुका था। इस पूरे घटनाक्रम में उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) शिवसेना का रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल के महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति नरम रुख दिखाने वाली पार्टी ने इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी साध रखी है। पार्टी सांसद संजय राउत ने केवल इतना कहा कि इस विषय पर बाहर चर्चा करने के बजाय आगामी विधानसभा सत्र में अपनी बात रखी जाएगी। वहीं, शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध किया है। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही आरक्षण का यह मुद्दा राज्य में ध्रुवीकरण और तीखी राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

असम में तीसरी बार सत्ता में वापसी को जुटा भगवा दल... कांग्रेस की राह नहीं दिख रही आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा के लिए यहां सत्ता बचाने की चुनौती है। भगवा गुट यदि असम में सरकार बनाने में सफल होता है, तब असम में यह भगवा गुट की हैट्रिक होगी। भाजपा ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी कार्यकर्ताओं को असम विधानसभा में 50 प्रतिशत वोट लाने का लक्ष्य दे दिया है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में में बीजेपी का वोट शेयर 33.2 प्रतिशत था। वहीं, सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही कांग्रेस को तब जबरदस्त झटका लगा जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ दी।

भाजपा अध्यक्ष नवीन के द्वारा दिए गए टारगेट को अगर बीजेपी हासिल कर लेती है, तब असम में सभी दलों का सूपड़ा साफ कर देगी। विपक्ष सिर्फ 20-28 सीटों पर सिमट कर रह जाएगा। बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की लोकप्रियता अभी भी कायम है। वहीं सत्ता में वापस आने के लिए व्याकुल दिख रही कांग्रेस की असम विधानसभा की राह आसान नहीं है। वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा के इस्तीफे से जहां पार्टी आंतरिक चुनौती से जूझ रही है, वहीं महाजोत में भी सब कुछ ठीक नहीं है। सीट बंटवारे में ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करने को लेकर महाजोत के कई घटकदल दबाव बनाए हुए हैं। असम में अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं।

तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस असम में पार्टी को एकजुट रखने में विफल रही। तमाम कोशिशों के बाद भी बोरा ने आखिरकार पार्टी छोड़ दी। पार्टी को डर है कि भूपेन बोरा के साथ उनके भरोसेमंद कई विधायक और नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इससे मतदाताओं में पार्टी की छवि कमजोर होगी। इसके साथ महाजोत में सीट बंटवारा भी कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। क्योंकि, 2021 के महाजोत में कई बदलाव हुए हैं। एआईयूडीएफ और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) दोनों महाजोत से अलग हो चुके हैं। बीपीएफ अब एनडीए का हिस्सा है, वहीं मौलाना बदरुद्दीन अजमल की अगुआई में एआईयूडीएफ अपने दम पर चुनाव लड़ेगा।

वहीं, असम जातीय परिषद और अखिल गोगोई का रायजोर दल अब महाजोत में शामिल हैं। कांग्रेस ने एजेपी और रायजोर दल दोनों को महाजोत में 11-11 सीट देने की पेशकश की है, पर दोनों दल इससे ज्यादा सीट की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस इन्हें अधिक सीट देती है, तब चुनाव में कांग्रेस को कम सीट पर लड़ना होगा। असम में दूसरे दलों के साथ गठबंधन किए बगैर भाजपा की अगुआई वाले एनडीए को शिकस्त देना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है।

अरुणाचल के करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा चीन, भारत के लिए खतरे की घंटी

-चीन का यह परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की सेना न्यूक्लियर हथियारों के दम पर डराने के पैंतरे आजमा रही है। दुनिया की नजरों से छुपकर चीन के अंदर एक बहुत बड़ी साजिश चल रही थी, जिसका कच्चा चिट्ठा अब सैटेलाइट तस्वीरों ने खोल दिया है। इन तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि चीन भारत के अरुणाचल प्रदेश के बिल्कुल करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा है। चीन की यह गुस्ताखी न सिर्फ भारत के लिए बल्कि पूरे एशिया की शांति के लिए खतरा बन सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश की सीमा से महज 800 किलोमीटर दूर चीन के सिचुआन प्रांत में परमाणु ताकत का विस्तार चल रहा है, जिसका पर्दाफाश सैटेलाइट तस्वीरों ने किया है। इन फोटोज में चीन का वह गुप्त साम्राज्य दिख रहा है जहां न केवल नए परमाणु हथियार बन रहे हैं बल्कि उन्हें और भी घातक बनाने के लिए परीक्षण किया जा रहा है, जहां रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि खत्म हो चुकी है, दूसरी तरफ चीन का यह बेलगाम परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। सिचुआन की पहाड़ियों में छिपे ये ठिकाने सीधे तौर पर भारत के पूर्वी इलाकों के लिए रेड अलर्ट हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि सिचुआन की घाटियों में दो प्रमुख जगहों पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। जितोंग घाटी में नए बंकर और मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क देखे गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जगह का उपयोग हाई एक्सप्लोसिव टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है, जो परमाणु वारहेड को ट्रिगर करने के लिए जरूरी है। पिंगटोंग घाटी में प्लूटोनियम पिट्स का निर्माण किया जा रहा है, जो परमाणु बम का कोर होते हैं, यहां की सुरक्षा इतनी सख्त है कि यह किसी किले जैसी दिखती है।

बता दें सिचुआन, अरुणाचल प्रदेश से भौगोलिक रूप से सिर्फ 800 किमी दूर है। चीन ने पहले ही अरुणाचल को अपना 'कोर इंटरेस्ट' घोषित कर दिया है। परमाणु शक्ति का विस्तार चीन को सीमा पर एडवांटेज देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन अपने परमाणु जखीरे को इसलिए बढ़ा रहा है ताकि वह अमेरिका और भारत जैसे देशों को अपने परमाणु हथियारों की पोजीशन दिखाकर डराने की स्थिति में ला सके। 2026 की शुरुआत तक चीन के पास 600 से ज्यादा परमाणु वारहेड हो चुके हैं और 2030 तक यह संख्या 1,000 के पार जाने का अनुमान है। ये भारत के लिए खतरे की घंटी है।

महाराष्ट्र सरकार मुक्तेश्वर में धारावी पुनर्विकास के लिए 118 एकड़ भूमि सौंपेगी

मुंबई ।

महाराष्ट्र सरकार ने मलाड-मालवानी के मुक्तेश्वर में स्थित 118 एकड़ भूमि धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) को सौंप दी है। यह भूमि उन धारावी निवासियों के लिए आवंटित की जाएगी जो पुनर्वास के पात्र हैं लेकिन धारावी में ही रहते हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह मलाड की तीसरी सबसे बड़ी भूमि है, कुर्ला की मदर डेयरी और मुलुंड के जामास सॉल्टपैन के बाद। कुल 140 एकड़ भूमि में से 118 एकड़ सौंप दी गई है, जबकि 22 एकड़ अभी भी मुकदमेबाजी के अधीन हैं। परियोजना का कार्य स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) द्वारा किया जाएगा। भूमि का मालिकाना हक डीआरपी/एसआरए के पास रहेगा, जबकि एनएमडीपीएल को विकास अधिकार दिए जाएंगे। कुल भूमि का मूल्य लगभग 540 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें से 135 करोड़ रुपए पहले ही विकास अधिकार प्रीमियम के रूप में भुगतान किए जा चुके हैं। भूमि पर मुख्य रूप से ऊपरी मंजिल के निवासी और 1 जनवरी, 2011 के बाद और 15 नवंबर, 2022 से पहले धारावी में आने वाले लोग पुनर्वासित होंगे। इन निवासियों को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में आधुनिक और सुनियोजित टाउनशिप में स्थानांतरित किया जाएगा। परियोजना के अनुसार चरणबद्ध पुनर्वास किया जाएगा, ताकि लगभग सात वर्षों के भीतर सभी पात्र निवासियों को नए घर मिल सकें। डीआरपी के तहत कुल 540 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जिसमें कुर्ला, कंजूर, भांडुप, मुलुंड के नमक के मैदान और देवनार डंपिंग ग्राउंड के हिस्से शामिल हैं। अनुमान है कि परियोजना के तहत लगभग 10 लाख धारावी निवासियों के पुनर्वास के लिए 1.25-1.5 लाख नए घर बनाए जाएंगे।

आरबीआई ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए कर्ज देने की अनुमति दी

- नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए कर्ज देने की अनुमति दी है, जो 1 अप्रैल से लागू होगी। यह क्षेत्र लंबे समय तक बैंकों के लिए बंद था, लेकिन अब कई सुरक्षा उपाय और शर्तों के साथ इसे खोला गया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बड़े अधिग्रहणों (अरबों डॉलर वाले) के लिए बैंक ऋण नहीं देंगे। एक निजी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷कोई पहले दिन से दौड़ने के बारे में नहीं सोच रहा। बैंक छोटे अवसरों से शुरुआत करेंगे और इसे 10-15 साल के अवसर के रूप में देखेंगे। अगले 3-5 वर्षों में कोई भी बैंक बहुत साहसिक कदम नहीं उठाएगा।÷ सरकारी बैंकरों ने भी कहा कि नियमों के तहत अधिकांश बैंक धीरे-धीरे मध्यम और बड़ी कंपनियों के साथ शुरुआत करेंगे।

ऋण की शर्तें और सुरक्षा उपाय इस प्रकार हैं-

- अधिग्रहण के लिए बैंक ऋण की सीमा अब *टियर-1 पूंजी का 20 फीसदी तक।
- कर्ज-इक्विटी अनुपात 3ः1 से अधिक नहीं।
- कर्ज लेने वाली कंपनी का न्यूनतम नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये।
- कंपनी को लगातार तीन वर्षों तक शुद्ध लाभ होना चाहिए।
- असूचीबद्ध कंपनियों के लिए निवेश ग्रेड रेटिंग अनिवार्य।
- अधिग्रहण मूल्य का अधिकतम 75 फीसदी तक कर्ज, शेष 25 फीसदी के लिए ब्रिज फाइनेंस का विकल्प।

सरकारी बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि नियम छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में अधिग्रहण को बढ़ावा देंगे। बैंकों को आंतरिक विशेषज्ञता विकसित करने और पहले कुछ सौदों में सावधानी रखने की आवश्यकता है।

सोने-चांदी की चमक से म्युचुअल फंड उद्योग में रिकॉर्ड बढ़त

म्युचुअल फंड निवेशकों की संख्या 18 महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । जनवरी में म्युचुअल फंड उद्योग में निवेशकों की संख्या में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। इस दौरान करीब 12 लाख नए निवेशक जुड़े, जिससे कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 6.02 करोड़ हो गई। यह बढ़ोतरी पिछले 18 महीनों का उच्चतम स्तर है और वर्ष 2025 की औसत मासिक वृद्धि 5 लाख से दोगुने से भी अधिक है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेजी के पीछे सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी मुख्य कारण रही। निवेशकों ने कीमती धातुओं से जुड़े एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में बढ़-चढ़कर निवेश किया। जनवरी में गोल्ड ईटीएफ ने शुद्ध निवेश और फोलियो वृद्धि के मामले में सक्रिय इक्विटी योजनाओं को पीछे छोड़ दिया। कुल फोलियो वृद्धि में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का योगदान 55 प्रतिशत रहा।

इसके अलावा, कीमती धातुओं से जुड़े एफओएफ में 33,503 करोड़ रुपये का संयुक्त निवेश हुआ, जो सक्रिय इक्विटी योजनाओं के शुद्ध निवेश से 40 प्रतिशत अधिक था। बाजार के जानकारों का कहना है कि गोल्ड स्कीमें उद्योग के लिए नए निवेशकों को जोड़ने का बड़ा माध्यम बन सकती हैं। भारत में सोने की सांस्कृतिक स्वीकृति इसे एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश और बेहतर रिटर्न की उम्मीद ने मौजूदा और नए दोनों तरह के निवेशकों को आकर्षित किया है। आने वाले महीनों में भी यह रुझान जारी रहने की संभावना है।

आईपीओ लिस्टिंग लाभ में वित्त वर्ष 2025-26 में गिरावट

- सिर्फ 65 फीसदी ऑफर ही इश्यू प्राइस से ऊपर खुले

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ निवेशकों के लिए शुरुआती लाभ कम रहा। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष में जारी 99 आईपीओ में केवल 65 फीसदी ने अपनी निर्गम कीमत से अधिक पर लिस्टिंग की। तुलना करें तो वित्त वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 82.1 फीसदी था, जबकि वित्त वर्ष 2019 में न्यूनतम 42.9 फीसदी दर्ज किया गया था। सूचीबद्ध कीमत और शुरुआती कीमत के बीच औसत वृद्धि वित्त वर्ष 2026 में 4.1 फीसदी रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 20.6 फीसदी थी।

पिछले सात वर्षों में अधिकांश वर्षों में दो अंकों में वृद्धि दर्ज की गई थी। कई आईपीओ में प्राइवेट इक्विटी फंड और अन्य संस्थागत निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेच रहे थे। इसके कारण लिस्टिंग पर मुनाफ़ा सीमित हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआती निवेशकों की बिक्री कीमतें इतनी थीं कि निवेशकों के लिए लाभ कम बचा।

विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि सभी आईपीओ लाभदायक नहीं होंगे।

लिस्टिंग पर तुरंत मुनाफा कमाने की रणनीति इस वित्त वर्ष में पिछले वर्षों की तुलना में जोखिम भरी रही।

टाटा समूह एआई और चिप निर्माण में भारत में बनाएगा नई मिसाल

- टाटा समूह ने कहा, कंपनी पूरे तकनीकी स्टैक में कृत्रिम मेधा को अपनाने की प्रक्रिया में है

मुंबई । टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि कंपनी पूरे तकनीकी स्टैक में कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने की प्रक्रिया में है। समूह सिलिकॉन से लेकर सिस्टम, एआई-तैयार डेटा सेंटर, एप्लिकेशन और एआई एजेंट तक हर स्तर पर एआई तैयार कर रहा है। चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा समूह चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। प्रत्येक उद्योग के लिए अलग चिप विकसित की जाएगी, जिसमें सबसे पहले मोटर वाहन क्षेत्र को प्राथमिकता दी जाएगी। इस पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि की सराहना की। समूह भारत का पहला बड़े पैमाने का एआई-अनुकूलित डेटा सेंटर स्थापित कर रहा है, जिसे अगली पीढ़ी के प्रशिक्षण और इन्फरेंस के लिए तैयार किया गया है। ओपनएआई के साथ साझेदारी में 100 मेगावाट क्षमता के पहले चरण का निर्माण होगा, जिसे बाद में 1 गीगावाट तक बढ़ाया जाएगा। एएमडी के साथ सहयोग से वैश्विक मानकों के अनुरूप टिकाऊ एआई अवसंरचना विकसित होगी। समूह का एआई ढांचा विविध भारतीय डेटा संपत्तियों पर आधारित होगा, ताकि बुनियादी मॉडल के ऊपर भारतीय संदर्भों के अनुसार बुद्धिमत्ता उपलब्ध कराई जा सके। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टाटा कम्युनिकेशंस मिलकर उद्योगों के लिए एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित कर रहे हैं। हर उद्योग के लिए एजेंटिक समाधान तैयार किए जाएंगे और वैश्विक उद्यमों तक पहुंचाए जाएंगे।

विदेशी निवेशकों ने 15 दिन में निकाले 10,956 करोड़

मुंबई । फरवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय आईटी शेयरों से 10,956 करोड़ रुपए की निकासी की। जनवरी 2026 में 5.34 लाख करोड़ रुपए थी, जो घटकर 4.49 लाख करोड़ रुपए हो गई, यानी दो हफ्तों में 16 फीसदी की गिरावट। निवेशकों को डर है कि जेनरेटिव एआई ऑटोमेशन और कोडिंग में दक्ष हो रहा है, जिससे पारंपरिक मैनपावर आधारित सेवाओं की मांग घट सकती है। दिग्गज कंपनियां इंफो सिस, टाटा कंसल्टेंसी स र्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा इसी मॉडल पर निर्भर हैं। म्यूचुअल फंड्स का निवेश घटकर 3.04 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे लगभग 50,000 करोड़ रुपए की वैल्यू में कमी आई। एफआईआई ने कैपिटल गुड्स में 8,032 करोड़ रुपए फाइनेंशियल सर्विसेज में 6,175 करोड़ रुपए और मेटल व माइनिंग में 3,279 करोड़ रुपए का निवेश किया। निवेशक फिलहाल इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग को सुरक्षित मान रहे हैं।

डॉलर ने छीन लिया, जीएसटी कटौती का फायदा ?

महंगाई बढी-कर्ज बढा मांग घटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरों में कमी की थी। सरकार का मानना था। टैक्स में कमी करने का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिसका असर बाजार पर पड़ेगा। उत्पादन एवं मांग बढ़ेगी। सरकार के राजस्व में जो कमी होगी, उसकी भरपाई भी हो जाएगी। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से रुपए के मुकाबले डॉलर महंगा होता जा रहा है। उसके कारण जीएसटी की दरों को कम करने का जो फायदा सरकार ने देखा था। वह तो हुआ नहीं, उल्टे सामान और महंगे हो गए हैं। औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थाओं का कहना है। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने के कारण जो सामान विदेश से आयात हो रहा है। उसके कारण कीमतें पहले की अपेक्षा काफी बढ़ गई हैं। जिसके कारण स्वदेशी बाजार में उत्पाद की कीमत बढ़ाना पड़ रही है। जिसके कारण मांग कम होती जा रही है। लोगों की क्रय शक्ति लगातार कम हो रही है। उपभोक्ता बाजार में डिटर्जेंट, हेयर ऑयल ,चॉकलेट ,नूडल्स और अनाज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के दाम भी काफी बढ़े हैं। सौंदर्य प्रसाधन एवं अन्य सामान भी महंगा हो रहा है। रोजमर्रा उपयोग में आने वाली चीज महंगी होती जा रही हैं। एफएमसीजी कंपनियां 2 से 5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने के लिए विवश हैं। उत्पादित सामान की लागत बढ़ती जा रही है। बिक्री कम हो रही है। इसका असर औद्योगिक संस्थानों और व्यापारिक संस्थाओं को उठाना पड़ रहा है। डॉलर ने सब गुड गोबर कर दिया है। यह चर्चा में व्यापारिक जगत कहने लगा है।

भारत की भूमिका अहम, एआई में अवसर और जोखिम समान- एंथ्रोपिक

नई दिल्ली । एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि एआई मॉडल के स्वायत्त व्यवहार, संभावित दुरुपयोग और आर्थिक विस्थापन से जुड़े जोखिमों के बीच भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमोदेई ने बताया कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से ग्लोबल साउथ के लिए मानक स्थापित किए हैं और तकनीकी एवं मानवीय लाभों के प्रसार में मदद की है। उनका मानना है कि भारत वैश्विक एआई नीति और नैतिक उपयोग के निर्धारण में अहम योगदान दे सकता है। अमोदेई के अनुसार, एआई प्रणाली बीमारियों का इलाज कर सकती हैं, मानव स्वास्थ्य सुधार सकती हैं और अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सकती हैं। यह प्रणाली वैश्विक स्तर पर सभी के लिए बेहतर दुनिया बनाने में मदद कर सकती है। हालांकि, उन्होंने एआई के स्वायत्त निर्णय, दुरुपयोग और आर्थिक विस्थापन की संभावनाओं पर चिंता जताई। अमोदेई ने चेताया कि ये जोखिम अवसरों के साथ मौजूद हैं और इसका संतुलित प्रबंधन आवश्यक है।

निसान का 2026-27 में 2 लाख वाहनों की बिक्री- निर्यात का लक्ष्य

नई दिल्ली । जापानी ऑटोमेकर निशान ने भारत में अपनी पुनरुत्थान योजना के तहत 2026-27 में घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों में 1,00,000 यूनिट का लक्ष्य रखा है। अप्रैल 2025-26 तक कंपनी ने भारत में कुल 89,987 वाहन बनाए, जिनमें से 17,662 वाहन घरेलू बाजार में बिके और 68,091 वाहनों को विदेशों में भेजा गया। कई वर्षों तक मुख्य रूप से मॉडल मैग्नाइट पर निर्भर रहने के बाद, निसान ने अब अपने भारतीय पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। मंगलवार को लॉन्च हुई नई 7-सीटर मल्टी-पर्पस व्हीकल ग्रेविट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.65 लाख रुपये है। यह कदम कंपनी की भारत में सक्रिय प्रतिस्पर्धा और ग्राहक विकल्प बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने निर्णय लिया है कि हर जगह मजबूत होने के बजाय मुख्य बाजारों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, और भारत को वैश्विक रणनीति में एक प्रमुख बाजार और विकास स्थल के रूप में स्थापित किया गया है। भारत के हालिया मुक्त व्यापार समझौते जैसे यूके और यूरोपीय संघ के साथ, निसान के निर्यात लक्ष्यों के लिए सहायक हो सकते हैं। भारत-यूएई व्यापार समझौते का कंपनी पहले ही लाभ उठा चुकी है।

रोजमर्रा की चीज़ें होंगी महंगी, 3-5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली । आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों पर महंगाई की तलवार लटकने लगी है। साबुन, डिटर्जेंट, बिस्कुट और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की कीमतों में 3-5 फीसदी तक बढ़ोतरी की संभावना है। यह बढ़ोतरी पिछले साल सितंबर में मिली जीएसटी राहत खत्म होने और कच्चे माल की महंगाई के कारण हो रही है। साबुन और डिटर्जेंट में इस्तेमाल होने वाला पैराफिन और सर्फेक्टेंट महंगा हो गया है। साथ ही नारियल तेल के दाम पिछले एक साल में लगभग दो गुना बढ़ गए हैं। 30 जनवरी 2026 को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 92.02 रुपए पर पहुंच गया, जो ऐतिहासिक निचला स्तर है। इससे विदेश से आयात किए जाने वाले सामान जैसे बादाम, ओट्स और मूसली महंगे हो गए हैं। बीते साल सितंबर में सरकार ने जीएसटी में राहत दी थी, जिससे कीमतें कम थीं। अब उस राहत का असर खत्म होने से कीमतें फिर बढ़ने लगी हैं।

कौन-सी चीज़ें महंगी होंगी?

* होम केयर- सर्फ एक्सेल, रिन, विम, डोमेक्स - 3-5 फीसदी
* पर्सनल केयर- वाटिका हेयर ऑयल, डाबर - 2 फीसदी
* खाद्य पदार्थ- बिस्कुट, चॉकलेट, नूडल्स, ओट्स - 2-4 फीसदी
* पेय पदार्थ- टाटा टी, रियल जूस - सीजनल बदलाव

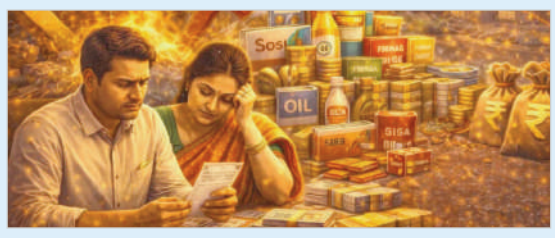

शेयर बाजार में हाहाकार...बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर

बाजार, सेंसेक्स 1236 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे
निवेशकों के डूबे 8 लाख करोड़

नई दिल्ली।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच गुरुवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला रुकते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1236.11 अंक या 1.48 प्रतिशत गिरकर 82,498.14 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 365.00 अंक या 1.41 प्रतिशत गिरकर 25,454.35 पर बंद हुआ। मार्केट की इस बिकवाली में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कंपनियों को ज्यादा नुकसान हुआ। निवेशकों के करीब-करीब 8 लाख करोड़ रुपये डूब गए। शेयर बाजार की इस गिरावट में बीएसई की बड़ी लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप काफी कम हो गया। बीते कारोबारी दिन में बीएसई का मार्केट कैप जो पिछले सेशन में 472 लाख करोड़ रुपये था। वह घटकर 464 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को भारी नुकसान हो गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंडिगो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, अदानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, आईटीसी, इटरनल और पावरग्रिड प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियां रहीं।

मुनाफावसूली का दिखा असर

हालिया बढ़त के बाद घरेलू बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने लगातार तीसरे सत्र में बढ़त जारी रखी। बजट, भारत-अमेरिका समझौता और आरबीआई की नीति जैसे बड़े आर्थिक कारणों के खत्म होने और तीसरी तिमाही के नतीजों का दौर पूरा होने के बाद, नए घरेलू कारणों की कमी की वजह से बाजार में शेयरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

फेड मीटिंग का असर

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जनवरी में हुई बैठक से पता चलता है कि अधिकारी आगे की रणनीति को लेकर बंटे हुए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि अगर महंगाई कम होती है तो राहत मिल सकती है, जबकि दूसरे मानते हैं कि अगर कीमतों का दबाव बना रहा तो सख्ती जारी रखनी पड़ेगी। ब्याज दरों में कटौती पर लंबे समय तक रोक या अमेरिकी फेड द्वारा फिर से दरें बढ़ाने से डॉलर मजबूत हो सकता है। इससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेश पर असर पड़ सकता है। नकदी बाजार में लगातार सात महीनों की बिकवाली के बाद फरवरी में विदेशी निवेशकों की खरीदारी फिर से शुरू हुई है।

अमेरिका-ईरान तनाव पर बाजार की नजर

बुधवार को सीएनएन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी सेना इस सप्ताहांत तक ईरान पर हमला करने की तैयारी में है। एक्सियोस ने बताया कि यह हमला छोटा नहीं बल्कि कई हफ्तों तक चलने वाला बड़ा अभियान हो सकता है, जो लगभग युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। बाजार अमेरिका-ईरान संबंधों से जुड़े घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक हफ्ते के आखिरी में तनाव बढ़ने की आशंका से अपनी पोजीशन घटा रहे हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार पर असर डाला है। पिछले सत्र में डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स 4.60 प्रतिशत बढ़कर 65.19 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 4.35 प्रतिशत बढ़कर 70.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरुवार को भी ब्रेंट क्रूड 70.53 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 65.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। ऊंची तेल कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और रुपये के लिए सही नहीं मानी जातीं, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है।

मुकेश अंबानी की एआई में 10 लाख करोड़ निवेश करने की योजना

- भारत को सुलभ और व्यापक एआई युग में अग्रणी बनाना मुख्य उदेद्श्य

मुंबई ।

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में घोषणा की कि जियो और रिलायंस समूह अगले सात वर्षों में कृत्रिम मेधा (एआई) में 10 लाख करोड़ रुपये निवेश करेंगे। अंबानी ने स्पष्ट किया कि यह कोई सट्टा निवेश नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक, अनुशासित राष्ट्र निर्माण और मूल्य वृद्धि के लिए पूंजी है। अंबानी ने कहा कि एआई का सर्वश्रेष्ठ रूप अभी आना बाकी है और यह अपार समृद्धि का युग लाने की क्षमता रखता है। उन्होंने दुनिया के सामने दो रास्तों का जिक्र किया- एक तरफ दुर्लभ, महंगी और नियंत्रित एआई और दूसरी तरफ सस्ती एवं सभी के लिए सुलभ एआई। उनका उद्देश्य भारत को सुलभ और व्यापक एआई युग में अग्रणी बनाना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि एआई में सबसे बड़ी बाधा प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि कंप्यूटिंग की उच्च लागत है। इसके समाधान के लिए जियो इंटेलिजेंस भारत का संप्रभु कंप्यूटिंग अवसंरचना तैयार करेगा, जिसमें गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर शामिल हैं। अंबानी ने जोर दिया कि जियो भारत को इंटरनेट युग से बुद्धिमता (एआई) युग में ले जाएगा। उनका लक्ष्य है कि हर नागरिक, हर क्षेत्र और सामाजिक विकास के हर पहलू तक एआई पहुंचाई जाए और वह भी विश्वसनीय, व्यापक और बेहद किफायती तरीके से।

1 अप्रैल से क्रेडिट कार्ड लेन-देन पर नए आयकर नियम

मुंबई । भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहे हैं और क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अब टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंच चुका है। इस बीच आयकर विभाग ने ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 जारी किए हैं, जो 1962 के पुराने नियमों की जगह ले सकते हैं और 1 अप्रैल 2026 से लागू हो सकते हैं। नए नियमों के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति वित्त वर्ष में 10 लाख रुपए से अधिक का क्रेडिट कार्ड बिल गैर-नकद माध्यम से चुकाता है, तो बैंक या कार्ड जारी करने वाली कंपनी को आयकर विभाग को रिपोर्ट करना होगा। वहीं 1 लाख रुपए या उससे अधिक का नकद भुगतान भी रिपोर्टिंग के दायरे में होगा। यह व्यवस्था पहले भी थी, लेकिन अब और स्पष्ट और व्यवस्थित हो गई है। पैन कार्ड या अन्य दस्तावेज़ी प्रक्रिया में तीन महीने से अधिक पुराना न होने वाला क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब एड्रेस प्रूफ के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे दस्तावेज़ों की सत्यता और अद्यतन जानकारी सुनिश्चित होगी।

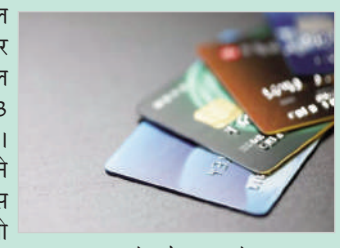

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे की दूसरी बड़ी जीत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब श्रीलंका को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट हराकर दूसरी बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। जिम्बाब्वे के स्पिनरों के खिलाफ धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई लेकिन टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में बृहस्पतिवार को मेजबान टीम ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए सिकंदर रजा के नेतृत्व में जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा, क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने। इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाये और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने।

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे से हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का पहला बयान आया सामने

कोलंबो (एजेंसी)। टी20 विश्व कप मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिए 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है।

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा, 'हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही और सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। (मैच में) कुछ जगहें ऐसी थीं जहां हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे, लेकिन कुल मिलाकर मैं आज का स्कोर यही मानूंगा। मैं पथुम (निसांका) और पवन (रत्नायक) के खेलने के तरीके से बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि इस पिच पर (बैटिंग के हिसाब से) यह एक अच्छा टोटल था। प्लान हमेशा की तरह सिंपल था (बॉल से)। शुरुआत में विकेट लेना। बदकिस्मती से हम बॉल से वैसी शुरुआत नहीं कर पाए। नए खिलाड़ियों के आने से थोड़ी मुश्किल होती है, उन्हें भी सेट होने के लिए कुछ समय चाहिए। लेकिन कोई बहाना नहीं। हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरे कुछ फैसले थोड़े गैंबल जैसे भी थे। यह उन दिनों में से एक था जहां हम बॉल से बेहतर कर सकते थे, लेकिन फिर से, कोई बहाना नहीं। क्वालिफिकेशन हमेशा अच्छा होता है, लेकिन हम जो भी मैच खेलते हैं, हम देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं। हां, हमने आज चमीरा को आराम दिया, लेकिन जैसा मैंने कहा, कोई बहाना नहीं। हमने तीनों डिपार्टमेंट में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि हम और बेहतर कर सकते थे। मुझे लगता है कि हमें मैदान पर और ज्यादा कॉन्फिडेंट होने की जरूरत है। आज हममें इसी की कमी थी। उम्मीद है कि अगली बार जब हम मैदान पर उतरेंगे तो बेहतर एटीट्यूड के साथ वापस आएंगे।'

टी20 विश्व कप : होप और जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रनों से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप और तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम लीग मुकाबले में इटली को 42 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम ग्रुप सी में नंबर एक पर बनी हुई है। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए होप के 46 75 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन बनाये। आज के खेल का आकर्षण होप की पारी रही। होप ने तेजी से खेलते हुए 28 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया पर अन्य बल्लेबाजों का उन्हें साथ नहीं मिला, इस कारण टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शामार जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। इसके इसके अलावा चार कैच भी पकड़े। वहीं इस मैच के साथ ही इटली का अभियान इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसन नहीं था। रोस्टन चेज 25 गेंद पर 24, शेरफेन रदरफोर्ड 15 गेंद पर नाबाद 24 रन और मैथ्यू फोर्डे आठ गेंद पर नाबाद 16 रन ही बना पाये। इटली के गेंदबाजों ने इंडीज बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। बेन मनेंटी और और कृशान कालुगामगे ने दो-दो विकेट लेकर बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केव ग्रांट स्टीवर्ट के ही एक ओवर में 19 रन बने। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन ही बना पायी। एंथनी मोस्का ने 19 रन बनाये। वहीं उनके भाई जस्टिन मोस्का 02 रन ही बना पाये। सैयद नकवी भी 6 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स ने 27 गेंद में 24 रन जबकि कप्तान हैरी मैनेंटी ने 8 रन बनाये। इटली की आधी टीम 78 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बेन मैनेंटी ने इटली को 100 रनों तक पहुंचाया। वहीं ग्रांट स्टीवर्ट 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 में भारतीय टीम को हराया

1-1 से सीरीज बराबरी पर पहुंची

कैनबरा (एजेंसी)। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम को 19 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से वापसी की है। ऑस्ट्रेलिय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्जिया वोल के अर्धशतक 88 रनों और बेथ मूनी के 46 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढ़ह गयी। कप्तान हरमनप्रीत कौर 36, स्मृति मंधाना 31 और शेफाली वर्मा 29 के अलावा अन्य बल्लेबाज असफल रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू ने दो-दो विकेट लिए। । भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और उसने नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन बना लिए थे पर इसके बाद टीम ने अंत में सात रन के अंदर ही छह विकेट खो दिये। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में ही 54 रन बना लिए थे पर इसके बाद शेफाली के आउट होने से बल्लेबाजी ढ़हनी शुरु हो गयी। जेमिमा रोड्रिग्स भी 4 रन ही बना पायी। मंधाना के रूप में तीसरा विकेट गिरा। भारतीय टीम ने तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत और ऋचा घोष 19 ने चौथे विकेट के लिए 55 रन बनाये। बाद में तेजी से रन बनाने के प्रयास में विकेट एक के बाद एक गिरते गये। हरमनप्रीत को 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर गार्थ ने पेवेलियन भेजा। इसके बाद ऋचा भी गार्डनर की गेंद पर स्टंप आउट हो गईं। 18वें ओवर में गार्डनर ने दीप्ति शर्मा को सदरलैंड के हाथों कैच कराया। इसके बाद भारतीय पारी सिमट गयी।

हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनीं, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का रिकार्ड टूटा

कैनबरा । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक रिकार्ड बना दिया है। अब हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यहां मैदान पर उतरने के साथ ही अपना 356 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और वह न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स से आगे निकल गयी हैं।।बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं। पेरी के नाम पर 349 मैच हैं। वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड सोफी डिवाइन के नाम 305, इंग्लैंड की हीथर नाइट के नाम 303 और डैनी व्याट-हॉज के नाम 302 मैच हैं। हरमनप्रीत ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 189 टी20 मैच खेले हैं। छह टेस्ट मैचों में उनके नाम 200 रन जबकि एकदिवसीय में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन हैं। हरमनप्रीत ने सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य के लिए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा।

बांग्लादेश के नये खेलमंत्री अमीनुल बोले, भारत और बीसीसीआई से बेहतर संबंध चाहते हैं

ढाका। बांग्लादेश सरकार के नये खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी बेहतर बनाना चाहता है। खेल मंत्री की शपथ लेने के बाद हक ने कहा कि वह बीसीसीआई से संबंधों को फिर से पहले की तरह बनाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि हाल में कुछ मामलों को लेकर दोनो ही देशों के बीच दूरियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, शपथ लेने के बाद मैंने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मुकाकात कर उनसे टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने के बाद के हालातों पर भी बात की जो सकारात्मक रही। मैंने उनसे कहा कि हम इस मामले को बातचीत से हल करना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। हक ने कहा, खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। कुछ बाधाओं के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके। बातचीत के दौरान इस प्रकार के मामलों को हाल किया जाता तो आज हमारी टीम भी विश्वकप में खेल रही होती। गौरतलब है कि बांग्लादेश की पिछली सरकार ने सुरक्षा कारणों से भारत में टीम भेजने से इंकार करते हुए कहा था कि उनके मैच श्रीलंका में रखे जाएं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) ने ये प्रस्ताव ठुकरा दिया था। जिसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार से बात करने के बाद खेल से बाहर होने का फैसला किया था।

सुपर-8 मुकाबलों के लिए करने होंगे सुधार : सूर्यकुमार

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम मुकाबले में 17 रनों से जीत मिली पर कप्तान सूर्यकुमार यादव इससे संतुष्ट नहीं हैं। सूर्यकुमार का कहना है कि सुपर-8 से पहले सब कुछ सही है ये नहीं कहा जा सकता। टीम को अभी कुछ सुधार भी करने हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए। वहीं इसके बाद एसोसिएट डच टीम ने भी सात विकेट पर 176 रन बनाये। इसी को देखते हुए कप्तान ने कहा कि जीत में भी सीख मिलती है, हमें और कसी गेंदबाजी करनी चाहिये थी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह गेंदबाजों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ओस काफी अधिक थी। जिससे भी गेंदबाजों को परेशानी हुई। उन्होंने सुपर आठ को लेकर कहा, 'शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है पर सभी बल्लेबाजों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनकी जिम्मेदारी क्या है और बीच के ओवरों में विकेट कैसा बर्ताव कर सकता है। इसके बाद हमारे पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी हैं, जो मैच को अच्छी तरह समाप्त कर सकते हैं।' सुपर-8 को लेकर पूछे एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं कह सकते कि सब कुछ पूरी तरह से सही था। जीत में भी कई प्रकार की सीख मिलती है और हमने कुछ चीजें सीखी हैं। अब हम आगे के मैचों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।'

'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है', दिग्गज खिलाड़ी ने की भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवम दुबे के बल्ले और गेंद दोनों से ऑल-राउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अहमदाबाद में नीदरलैंड्स को 17 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए में टॉप कर रहे। स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट लाइव' प्रोग्राम में बोलते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दुबे के बेहतर शॉट सिलेक्शन, वरुण चक्रवर्ती के अहम स्पेल की तारीफ की और टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा के खराब फॉर्म पर अपने विचार शेयर किए।

गावस्कर ने उस एक शॉट की ओर इशारा किया जो शिवम दुबे के खेल को दूसरे लेवल पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनके पास कई तरह के शॉट हैं। आप ऑफ स्टंप के बाहर बॉलिंग कर सकते हैं, लेकिन उनमें लॉन्ग ऑन के ऊपर से हिट करने की पावर भी है। वह सिर्फ मिड-विकेट और स्क्वायर-लेग के ऊपर से हिट करने की कोशिश नहीं करते। वह लॉन्ग ऑफ को भी क्लियर कर सकते हैं। अगर वह एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट डेवलप करने पर कड़ी मेहनत करते हैं, तो वह सच में एक खतरनाक बैट्समैन बन जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'फिर वह बॉल को ग्राउंड के किसी भी हिस्से में हिट कर सकते हैं। जिस तरह से शिवम दुबे हर इनिंग के साथ मैच्योर हो रहे हैं, वह इंडिया के लिए बहुत अच्छी खबर है।' मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के शानदार रन पर उन्होंने कहा, 'वरुण चक्रवर्ती के चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेना कमाल का है। जब आप विकेट लेते हैं, तो आप विरोधी टीम के रन भी छीन लेते हैं। साफ है, वरुण आपके की बॉलर होंगे। इंडिया काफी हद तक वरुण के 4 ओवर पर डिपेंड करेगा। सुपर 8 स्टेज में विरोधी टीम उनका मुकाबला कैसे करती है, यह देखना बहुत इंटरेस्टिंग होगा।'

सबसे छोटे फॉर्मेट के नंबर 1 बैटर अभिषेक शर्मा अभी तक टूर्नामेंट में अपना खाता नहीं खोल पाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तीन इनिंग्स में एक भी रन नहीं बनाया है। अभिषेक शर्मा के स्ट्रगल पर गावस्कर ने कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छा लड़का है, लेकिन उम्मीदें उस पर भारी पड़ रही हैं। अगर उसने USA के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती, तो बात अलग होती। अब बड़े छक्के मारने वाला और टॉप बैटर होने का प्रेशर दिख रहा है। अपनी शॉट रेंज के साथ उसे बीच में समय बिताने की जरूरत है। वह अपनी इनिंग्स की पहली बॉल पर बाउंड्री या सिक्स मारने की कोशिश नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'अगर बड़े शॉट लगते हैं, तो ठीक है। लेकिन उसे खुद को लाइन के पार बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। एक सिंगल लो और रन बना लो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है। उसे शुरुआत में स्मार्ट खेलने की जरूरत है। एक या दो ओवर जमने में बिताओ, फिर अपना नैचुरल गेम खेलो। पहले, बस रन बनाओ। हर बैटर पहला रन चाहता है। एक बार जब वह इसे बना लेगा, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

दुबई। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6(9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया। गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, 'पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।' गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें। यह ड्ब्ल्यू लेवल पर उनके बीच पहली मुलाकात होगी।

टी20 विश्वकप से शुरुआत में बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक दावेदारी को भी झटका

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप से बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक की दावेदारी भी कमजोर पड़ी है। ओलंपिक में पुरुषों की टी20 प्रतियोगिता में केवल छह टीमों को ही अवसर मिलेगा। इसमें अंतिम चयन कॉन्टिनेंटल क्वालिफिकेशन सिस्टम व आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा। विश्व कप से बाहर होने से वह रैंकिंग में न्यूजीलैंड से पिछड़ रही है। ऐसे में उसकी जगह कीवी टीम को मिल सकती है। ऐसे ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्तर से ही बाहर होने से न्यूजीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम की राह आसान हो गयी है। ऐसे में अब अगर कीवी टीम सेमीफाइनल या उससे आगे तक पहुंचती है, तो रैंकिंग में वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर पहुंच जाएगी। इससे उससे ओलंपिक के लिए प्रवेश मिल सकता है। कीवी टीम का आईसीसी इवेंट्स में रिकॉर्ड अच्छा रहा है, वे कई बार नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत होती है। ऐसे में यदि रैंकिंग में न्यूजीलैंड आगे निकल जाता है, तो कंगारुओं को को अंतिम ओलंपिक स्लॉट के लिए दूसरी रैंक वाली टीमों के साथ अलग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट खेलना पड़ सकता है जो उसकी प्रतिष्ठा के लिए झटका होगा। इसके अलावा इस क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में अगर वह शीर्ष पर रहती है तो भी उसे ओलंपिक में प्रवेश मिलेगा इसकी गारंटी नहीं रहेगी।

अभिषेक पर भड़के प्रशंसक, बोले इससे तो अधिक रन सैमसन बना रहे थे

अहमदाबाद । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। अभिषेक टी20 विश्वकप में अपने तीसरे मैच में भी खाता नहीं खो पाये। इससे प्रशंसक उनपर भड़क गये हैं। प्रशंसकों का कहना है कि संजू सैमसन के भी उनसे अधिक रन हैं। सैमसन को अपनी खराब फार्म के कारण ही अभिषेक की वापसी के बाद बाहर किया किया गया है पर जिस प्रकार से अभिषेक रन बनाने में विफल हुए हैं। उससे ये बदलाव कारगर साबित नहीं हुआ है। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अभिषेक आक्रामक अंदाज में खेलेंगे पर जब तीसरे मुकाबले में भी ऐसा नहीं हुआ तो उनके सब्र का बांध टूट गया। जिस तूफानी बल्लेबाजी की उम्मीद प्रशंसकों को थी। वह अब भी नहीं दिखी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिषेक की जमकर खिंचाई हुई। प्रशंसकों ने तंज कसा कि इससे तो अधिक रन सैमसन के हैं। वहीं कुछ प्रशंसकों का मानना है कि सुपर-8 के लिए सैमसन को टीम में शामिल किया जाना चाहिये। सैमसन को अभिषेक के बीमार होने के कारण एक मैच में अवसर मिला था। उस मुकाबले में सैमसन ने 22 रन बनाए थे। अभिषेक का यह पहला ही टी20 विव कप है और उनसे इस तरह के प्रदर्शन की प्रशंसकों को उम्मीद नहीं थी। वह पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ विफल रहे। वहीं बीमार होने के कारण नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल पाए। पाकिस्तान के खिलाफ उनसे बड़े स्कोर की उम्मीथ थी पर वह असफल रहे। नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी उनका खाता नहीं हुआ। अब अगर वह सुपर-8 में रन नहीं बनाते तो टीम में उनकी जगह खतरे में आ जाएगी।

'बहुत शुक्रगुजार हूं', न्यूजीलैंड की लॉरेन डाउन ने संन्यास का किया ऐलान

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर लॉरेन डाउन ने गुरुवार को क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। 30 साल की बैटर ने 4 मार्च 2018 को लिंकन में वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे मैच में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 9 फरवरी 2020 को वेलिंगटन में साउथ अफ्रीका विमेन के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी ODI मैच 23 दिसंबर 2024 को वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टी20आई में अपना आखिरी मैच 7 दिसंबर 2022 को क्वीन्सटाउन में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी एक बयान में डाउन ने कहा, 'मुझे व्हाइट फर्न्स ग्रुप का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, और मैं अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलने के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे लड़कियों के साथ रहना याद आएगा, लेकिन अब मैं साइडलाइन से देखने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह ग्रुप क्या हासिल कर पाता है।' लॉरेन डाउन ने 35 ODI और 31 इनिंग खेलीं जिसमें उन्होंने 62.06 के स्ट्राइक रेट से 486 रन बनाए। दाएं हाथ की बैट्समैन ने तीन हाफ-सेंचुरी लगाईं। टी20आई में 30 साल की इस खिलाड़ी ने 13 मैच और 9 इनिंग में 86.11 के स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए।

डाउन ने कहा, 'मेरे क्रिकेट करियर का एक बड़ा हिस्सा ऑकलैंड सेटअप में रहा है और मैं ऑकलैंड क्रिकेट, अपने कोच और टीम के साथियों को मेरे सफर में उनके रोल के लिए जितना धन्यवाद दूं कम है।' डाउन पांच सफल हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड कैंपेन का हिस्सा थीं जिसमें उन्होंने ऑकलैंड हार्ट्स को 2011-12, 2014-15, 2015-16, 2017-18 और हाल ही में 2019-20 में महिलाओं का 50 ओवर का टाइटल जीतने में मदद की, जहां उन्होंने हैमिल्टन के सेडन पार्क में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स को 67 रन से हराने में मदद करने के लिए ग्रैंड फाइनल में 90 रन बनाए।

डाउन ने अपने करियर का अंत हार्ट्स की तीसरी सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाली (1,496 रन) और चौथी सबसे ज्यादा लिस्ट, रन बनाने वाली (2,690 रन) खिलाड़ी के तौर पर भी किया और एक ऑलराउंडर के तौर पर अपने शुरुआती दिनों में 41 विकेट लिए। अंगूठे की चोट की वजह से डाउन न्यूजीलैंड में 2022 ICC विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाईं और उसी साल बाद में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं खेल पाईं, लेकिन सितंबर 2022 में वेस्ट इंडीज टूर के लिए टीम में वापस आ गईं और साउथ अफ्रीका में 2023 आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए बेन सॉयर की टीम में शामिल हो गईं।

डाउन ने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए 2023-24 सीजन के लिए व्हाइट फर्न्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर निकलने का ऑप्शन चुना, फिर 2024-25 लिस्ट में वापस आ गईं और 2024 में इंग्लैंड और भारत के टूर पर शामिल हुईं। उन्होंने पिछली गर्मियों में सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में व्हाइट फर्न्स को आखिरी बार रिप्रेजेंट किया।

संक्षिप्त समाचार

कोलोराडो हाइवे पर 30 से अधिक वाहनों की टक्कर, 4 लोगों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि कोलोराडो में मंगलवार को एक अंतरराज्यीय राजमार्ग पर धूल भरी आंधी के कारण चालकों को देखने में कठिनाई होने से छह सेमीट्रेलरों सहित 30 से अधिक वाहनों की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। कोलोराडो स्टेट पेट्रोल ने बताया कि तेज हवाओं से उड़ी धूल के कारण सुबह करीब 10 बजे प्यूब्लो के दक्षिण में इंटरस्टेट 25 पर हुए हादसे के समय स्थिति 'धुंधली' हो गई थी। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को 'बहुत कम या बिल्कुल भी दिखाई नहीं दे रहा था'। पुलिस ने बताया कि 29 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी चोटों की गंभीरता के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। दुर्घटना के कारणों की अभी भी जांच चल रही है। गश्ती दल की प्रवक्ता शेरी मेंडेज ने बताया कि कम दृश्यता को दुर्घटना के एक कारण के रूप में माना जाएगा, लेकिन अन्य कारण भी हो सकते हैं। मंगलवार को कोलोराडो के पूर्वी हिस्से में तेज हवाएं चल रही थीं, जो गर्म मौसम और अत्यधिक शुष्क परिस्थितियों के साथ मिलकर जंगल की आग के खतरे को भी बढ़ा रही हैं और डेनवर के हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी का कारण बन रही हैं।

अमेरिकी सेना ने कथित तौर पर ड्रग्स से भरी तीन नावों पर किए हमले, 11 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने लैटिन अमेरिकी जलक्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी के आरोपी तीन नावों पर हमले किए, जिसमें 11 लोग मारे गए। यह ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के सबसे घातक दिनों में से एक था। सोमवार को किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद मरने वालों की संख्या कम से कम 145 हो गई है, जब से प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों में उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया है जिन्हें वह नारकोटेररिस्ट कहता है। 42 ज्ञात हमलों पर सेना के अधिकांश बयानों की तरह, अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि उसने ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थों के तस्करों को निशाना बनाया। उसने कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर में चार-चार लोगों को ले जा रहे दो जहाजों पर हमला किया गया, जबकि कैरेबियन सागर में तीन लोगों को ले जा रहे एक तीसरे जहाज पर हमला किया गया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि ये जहाज ड्रग्स की ढुलाई कर रहे थे, लेकिन उसने ऐसे वीडियो पोस्ट किए जिनमें नौकाओं को नष्ट होते हुए दिखाया गया था।

एपस्टीन कनेक्शन : हयात होटल के चेयरमैन थॉमस प्रिट्जकर ने दिया इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग (यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) की ओर से जारी नई फाइलों में दोषी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से करीबी संपर्क सामने आने के बाद अरबपति कारोबारी थॉमस प्रिट्जकर ने वैश्विक होटल श्रृंखला हयात होटल के चेयरमैन पद से हटने की घोषणा की है। प्रिट्जकर ने स्वीकार किया कि एपस्टीन से संपर्क बनाए रखना भयानक निर्णय था। बीबीसी के अनुसार, हाल में सार्वजनिक फाइलों से पता चला कि प्रिट्जकर 2008 में एपस्टीन के यौन अपराधों में दोष स्वीकार करने के बाद भी कई वर्ष उसके संपर्क में थे। प्रिट्जकर ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन से दूरी बनाने में देर कर गंभीर गलती की। उन्होंने कहा, मेरी जिम्मेदारी हयात को सही दिशा में आगे बढ़ाने की है।

ब्रिटेन और भारत में एमपॉक्स की पहचान, दो अलग-अलग क्लेड से मिलकर बना वायरस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और भारत में एमपॉक्स वायरस के एक नए बदले हुए स्वरूप की पहचान हुई है, जिसे वैज्ञानिक रिकॉम्बिनेंट वायरस कह रहे हैं। यह नया रूप वायरस के दो अलग-अलग प्रकार क्लेड आईबी और क्लेड आईआईबी के आपस में मिल जाने से बना है। अब तक ऐसे दो ही मामले सामने आए हैं और दोनों मरीज स्वस्थ हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि फिलहाल आम जनता के लिए जोखिम कम है, हालांकि उच्च जोखिम समूहों में सतर्कता जरूरी बनी हुई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार यह एक संक्रामक बीमारी है, जो एमपॉक्स वायरस से होती है। एमपॉक्स वायरस के दो मुख्य क्लेड माने जाते हैं, क्लेड आई और क्लेड आईआई। क्लेड आई के भीतर आईए और आईबी उपसमूह आते हैं, जबकि क्लेड आईआई में आईआईए और आईआईबी शामिल हैं। हाल का वैश्विक प्रकोप मुख्य रूप से क्लेड आईआईबी से जुड़ा रहा है। अब जो नया रीकॉम्बिनेंट मामला सामने आया है, उसमें क्लेड आईबी और क्लेड आईआईबी दोनों के जीन पाए गए हैं। भारत में पाया गया यह केस दुनिया में इस नए रीकॉम्बिनेंट एमपॉक्स वायरस का सबसे शुरुआती ज्ञात मामला माना जा रहा है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 'तोहफे' में दिए उसी के तीन सैनिक, कई महीनों पहले किया था कैद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने पिछले साल अक्टूबर में सीमा पार लड़ाई के दौरान पकड़े गए तीन पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम रमजान के पवित्र महीने के मद्देनजर उठाया गया है। सऊदी अरब की मध्यस्थता: अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में बताया कि इन सैनिकों को सोमवार को काबुल आए एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल को सौंप दिया गया। यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कर रहा था।

गिरफ्तारी का समय: मुजाहिद के अनुसार, इन तीन सैनिकों को 12 अक्टूबर को हुई लड़ाई के दौरान बंदी बनाया गया था।

रिहाई का कारण: उन्होंने कहा कि सैनिकों को रिहा करने का निर्णय रमजान की शुरुआत को देखते हुए लिया गया है, जो इस्लाम में उपवास और आत्म-चिंतन का पवित्र महीना माना जाता है। अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी पाकिस्तान के बीच पिछले साल अक्टूबर से ही तनाव काफी बढ़ा हुआ है। दोनों देशों के बीच तनाव की कहानी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच वर्तमान में जो तल्खी दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें पिछले साल अक्टूबर की घटनाओं में छिपी हैं। भले ही अब 3 सैनिकों की रिहाई को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, लेकिन दोनों पड़ोसियों के

बीच रिश्तों की डोर बेहद कमजोर हो चुकी है।

विवाद की चिंगारी: 9 अक्टूबर का काबुल धमाका : इस पूरे तनाव की शुरुआत 9 अक्टूबर को हुई, जब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में कई जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों ने पूरे शहर को दहला दिया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने तुरंत इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। अफगान सरकार ने न केवल पाकिस्तान पर आरोप लगाए, बल्कि इन हमलों का बदला लेने की कसम भी खाई।

बदले की आग और सीमा पर युद्ध : काबुल धमाकों के ठीक बाद, प्रतिशोध की भावना ने दोनों देशों की सीमाओं पर युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए। तालिबान के 'बदला लेने' के बयान के बाद सीमा पर भीषण गोलाबारी शुरू हो गई।

12 अक्टूबर का दिन: लड़ाई के दौरान 12 अक्टूबर का दिन सबसे महत्वपूर्ण रहा, जब अफगान बलों ने लड़ाई के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया (जिन्हें अब रिहा किया गया है)। यह संघर्ष इतना घातक था कि इसमें दोनों तरफ के दर्जनों सैनिक, आम नागरिक और संदिग्ध उग्रवादी मारे गए, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए।

हाल के वर्षों का सबसे भीषण संघर्ष : रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर में हुई यह लड़ाई पिछले कई वर्षों में दोनों पड़ोसियों के बीच हुई सबसे भीषण लड़ाई थी। इसने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों को रसातल में पहुंचा दिया।

शांति की कोशिशें और नाकामी जब हालात बेकाबू होने लगे, तो खाड़ी देशों ने हस्तक्षेप किया: कतर की मध्यस्थता: कतर ने दोनों देशों के बीच बीच-बचाव किया, जिसके बाद एक 'युद्धविराम' लागू हुआ। इससे सीमा पर तोपें तो शांत हो गईं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ। इस्तांबुल वार्ता की विफलता: युद्धविराम के बाद, तुर्की के इस्तांबुल में शांति वार्ता आयोजित की गई ताकि कोई स्थाई समाधान निकल सके। लेकिन, यह बातचीत किसी ठोस समझौते या नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

वर्तमान राजनयिक स्थिति : हालात को सुधारने के लिए कतर की मध्यस्थता में एक युद्धविराम समझौता हुआ था, जिससे तनाव में कुछ कमी आई है। हालांकि, इस्तांबुल में हुई बाद की शांति वार्ता किसी ठोस समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिसके कारण दोनों देशों के संबंध अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। फिलहाल, इन तीन सैनिकों की रिहाई पर पाकिस्तान की ओर से कोई तत्काल टिप्पणी नहीं आई है।

अमेरिकी संसद भवन की तरफ हथियार लेकर दौड़ा 18 वर्ष का किशोर, सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद भवन (यूएस कैपिटल) की सुरक्षा में उस समय हलचल मच गई जब एक 18 वर्षीय युवक लोडेड शॉटगन के साथ इमारत की ओर बढ़ता हुआ पाया गया। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस (एसक) ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जॉर्जिया के स्मिर्ना निवासी कार्टर कामाचो के रूप में हुई है। वह मंगलवार दोपहर कैपिटल के लोअर वेस्ट टेरेस की दिशा में हथियार लेकर जा रहा था, तभी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की नजर उस पर पड़ गई। अधिकारियों ने उसे रोकते हुए हथियार नीचे रखने और जमीन पर लेटने का आदेश दिया, जिसका उसने पालन किया और उसे बिना किसी प्रतिरोध के हिरासत में ले लिया गया। कैपिटल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी कैपिटल की सीढ़ियों के आधार तक पहुंच गया था, इससे पहले कि उसे पकड़ा गया। मुठभेड़ के दौरान अधिकारियों ने एहतियातन अपने हथियार भी निकाल लिए थे।

आरोपी के पास से क्या-क्या हुआ बरामद : जांच में पता चला कि आरोपी एक सफेद मर्सिडीज-बेंज एसयूवी से मैरीलैंड एवेन्यू साउथवेस्ट के 100 ब्लॉक

तक आया था और वहीं से शॉटगन लेकर बाहर निकला। वाहन से केव्लर हेलमेट, गैस मास्क और अतिरिक्त गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वाहन आरोपी के नाम पर पंजीकृत नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध टैक्टिकल वेस्ट और टैक्टिकल ग्लव्स पहने हुए था और उसके पास कई राउंड गोलियां भी थीं। उसे गैरकानूनी गतिविधियों, बिना लाइसेंस राइफल रखने, अपंजीकृत हथियार और अपंजीकृत गोला-बारूद रखने जैसे आरोपों में चार्ज किया गया है। फिलहाल कैपिटल पुलिस की थ्रेट असेसमेंट यूनिट उसके मकसद की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित सुरक्षा अभ्यास और एक्टिव थ्रेट ड्रिल्स की वजह से पुलिस की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी रही। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना का आगामी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की सुरक्षा व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अमेरिका-ईरान बातचीत में तनाव, जेडी वेंस बोले- राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें मानने को तैयार नहीं तेहरान

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक बातचीत को लेकर ताजा बयान सामने आया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अभी तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय की गई मुख्य शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि जिनेवा में हुई बातचीत 'कुछ मायनों में ठीक रही', क्योंकि दोनों देशों ने आगे भी बैठक जारी रखने पर सहमति जताई है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने अब तक ट्रंप की प्रमुख शर्तों को स्वीकार नहीं किया है। उनके मुताबिक- राष्ट्रपति ट्रंप ने कूटनीतिक समाधान के लिए कुछ स्पष्ट शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में सबसे बड़ा मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ईरान अभी इन शर्तों पर खुलकर सहमति देने को तैयार नहीं दिख रहा। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका अभी भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत बेनतीजा रही, तो आगे क्या करना है- इसका फैसला राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे। उनका कहना था, 'हम चाहते हैं कि मामला बातचीत से सुलझे, लेकिन अगर कूटनीति की सीमा

खत्म हो जाती है, तो अंतिम फैसला राष्ट्रपति का होगा।' अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंतित है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु गतिविधियों पर कड़ी रोक लगाए। वहीं ईरान अपने अधिकारों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देता रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का दूसरा दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला है। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है।

अफगानिस्तान में घरेलू हिंसा को मिल गया कानूनी लाइसेंस

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में महिलाओं की दयनीय हालत छिपी नहीं है। 2021 में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद से यहां महिलाओं के अधिकारों का लगातार दोहन हुआ है। तालिबानी हुकूमत ने देश में महिलाओं के पढ़ने, लिखने, बाहर जाने, यहां तक कि सार्वजनिक जगहों पर हंसने तक पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच अब अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को भी कानूनी लाइसेंस दे दिया गया है। तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने हाल ही में 90 पन्नों वाली नई दंड संहिता पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कानून महिलाओं के लिए सजा से कम नहीं है।

नए नियमों को आधिकारिक रूप से 'दे महाकुमु जजाई उसूलनामा' का नाम दिया गया है। तालिबान सरकार द्वारा पूरे देश में लागू किए जाने वाले इस कानून के तहत सजा की प्रकृति इस आधार पर तय की जाएगी कि पीड़ित व्यक्ति

'आजाद' है या 'गुलाम'। इस व्यवस्था में समाज को ऊंचे और निचले दर्जे में बांटने की बात कही गई है। ऊपरी श्रेणी में धार्मिक नेता और मुल्ला शामिल होंगे, जबकि निचली श्रेणी के लोगों पर शारीरिक दंड को अधिक स्वीकार्य माना गया है। इसमें महिलाओं को व्यवहारिक रूप से 'गुलाम' की श्रेणी में रखा गया है और पति को 'स्वामी' का दर्जा दिया गया है। नए नियमों के तहत गंभीर अपराधों की सुनवाई इस्लामी मौलवियों द्वारा की जाएगी। कम गंभीर मामलों में 'ताज़ीर' नाम की वैकल्पिक सजा लागू होगी, जिसके तहत पति अपनी पत्नी को दंड दे सकता है। हालांकि पत्नी पर शारीरिक हिंसा के मामलों में न्याय की स्पष्ट व्यवस्था नहीं दी गई है। अगर कोई महिला घरेलू हिंसा की शिकायत करना चाहती है, तो उसे धार्मिक जज के सामने गंभीर शारीरिक चोट का सबूत पेश करना होगा। साथ ही उसे पूरी तरह ढका हुआ पहनावा पहनना होगा और एक पुरुष संरक्षक की मौजूदगी जरूरी होगी, जो अधिकतर मामलों में उसका पति ही होता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अगर कोई महिला अपने साथ हुई गंभीर हिंसा साबित भी कर दे, तो आरोपी को न्यूनतम 15 दिन की जेल ही हो सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इस कानून से महिलाओं के खिलाफ हिंसा बेलगाम हो सकती है। काबुल की एक महिला कानूनी सलाहकार ने टाइला न्यूज को बताया कि महिलाओं के लिए न्याय पाना अब बेहद लंबी और मुश्किल प्रक्रिया हो जाएगी। उन्होंने एक मामले का जिक्र किया, जिसमें एक महिला को जेल में बंद अपने पति से मिलने के दौरान बिना पुरुष संरक्षक के जाने पर पीटा गया। महिला ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह इस प्रक्रिया से गुजरने से बेहतर मौत को समझती है।

वेस्ट बैंक में जमीन पर कब्जे की तैयारी में इजरायल

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल सरकार ने पश्चिमी तट में जमीन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने के हालिया फैसले की आठ मुस्लिम देशों द्वारा निंदा करने वाले संयुक्त बयान को बेबुनियाद और गुमराह करने वाला बताया है। मंगलवार को तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने पश्चिमी तट में जमीन को सरकारी सम्पति घोषित करने और उनके पंजीकरण और मालिकाना हक के सेटलमेंट के लिए प्रक्रिया को मंजूरी देने के इजरायली सरकार के फैसले की निंदा की। मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा, 'यह बयान असल में बेबुनियाद और जानबूझकर गुमराह करने वाला है। फिलिस्तीनी अधिकारी ही क्षेत्र सी में गैर-कानूनी जमीन पंजीकरण प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे है,

जो कानून और मौजूदा समझौतों का उल्लंघन है।' मंत्रालय ने बताया कि इजरायली सरकार ने सिविल और सम्पति कानून के तहत प्रशासनिक कदम को मंजूरी दी है। सऊद अरब के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह कदम कब्जे वाले इलाके में एक नई कानूनी और प्रशासनिक हकीकत को थोपता है, जिससे द्वि-राष्ट्र समाधान और फिलिस्तीनी अधिकार कमज़ोर होते हैं। मंत्रालय ने कहा कि फिलिस्तीनी जमीन पर इजरायल का कोई हक नहीं है। मंत्रालय ने इन कदमों को फिलिस्तीनी लोगों के चार जून, 1967 की सीमाओं पर एक आजाद देश बनाने के कानूनी हक पर हमला बताया, जिसकी राजधानी पूर्वी येरुशलम हो। उल्लेखनीय है कि इजरायली सरकार ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बड़े इलाकों को अपनी भूमि के तौर पर वर्गीकृत करने की योजना को मंजूरी दी, अगर फिलिस्तीनी मालिकाना हक साबित नहीं कर पाते। यह प्रस्ताव दक्षिणपंथी मंत्रियों बेज़ालेल स्मोट्रिच (वित्त), यारिव लेविन (न्याय), और इजरायल काट्ज (रक्षा) ने रखा था। स्मोट्रिच ने इस योजना को 'हमारी सभी जमीनों पर नियंत्रण करने के लिए समाधान क्रांति' का अगला कदम बताया, जबकि लेविन ने इसे इज़रायल के अपने सभी हिस्सों पर अपनी पकड़ मज़बूत करने की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन बताया। इस मंजूरी से ज़मीन के मालिकाना हक के समाधान की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई हैं, जो 1967 में वेस्ट बैंक पर इजरायल के कब्जे के बाद से रुके हुए थे।

पेज एक का शेष

एआई में पादर्शिता जरूरी, बने ....

उन्होंने कहा कि आज असली प्रश्न भविष्य में एआई क्या कर सकती है के बजाय वर्तमान में हम एआई के साथ क्या करते हैं। हमें एआई को मशीन केन्द्रित से मानव केन्द्रित बनाने और संवेदनशील तथा उत्तरदायी बनाने पर जोर देना चाहिए। यही इस वैश्विक एआई सम्मेलन कामूल उद्देश्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं। एक जिन्हें एआई में भय दिखता है। दूसरे वे जिन्हें एआई में भाग्य दिखता है। मैं गर्व और जिम्मेदारी से कहता हूं कि भारत को भय नहीं, एआई में भाग्य दिखता है, भारत को एआई में भविष्य दिखता है।

प्रधानमंत्री ने वर्तमान में सामने आई एआई चुनौतियों जैसे डीप फेक का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार खाने के सामानों पर उसके अंदर उपयुक्त सामग्री का लेबल किया जाता है। इसी तरह से डिजिटल दुनिया में भी आज के समय में लेबलिंग बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने एआई को मानव इतिहास का आज तक का सबसे परिवर्तनकारी नवाचार बताया और कहा कि इसकी तेजी और स्तर अब तक के हुए पिछले सभी नवाचार से कहीं ज्यादा है। ऐसे में इसके विनाशकारी प्रभाव भी हो सकते हैं जिससे बचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि एआई को खुली छूट दी जानी चाहिए लेकिन जीपीएस की तरह कमान हमारे हाथों में होनी चाहिए; मैं एआई शिखर सम्मेलन में मानव विजन प्रस्तुत कर रहा हूं; एआई विभिन्न प्रकार के रोजगार सृजित करेगा। ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें एआई को लोकतांत्रिक करने और इसे समावेशी और सशक्त बनाने का माध्यम बनाने पर जोर देना चाहिए । उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लोकतंत्रीकरण होना चाहिएष। मनुष्यों को केवल डेटा बनाकर नहीं छोड़ा जा सकता। इसे समावेशन और सशक्तिकरण का माध्यम बनना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के एआई को समावेशी और लोकतांत्रिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक एक मजबूत इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित डेटा सेंटर, एक मजबूत आईटी ढांचा और एक गतिशील स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत को किफायती, स्केलेबल और सुरक्षित एआई समाधानों का एक स्वाभाविक केंद्र बनाते हैं। मोदी ने इस बात पर बल दिया कि भारत में विविधता, जनसांख्यिकी और लोकतंत्र मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सफल होने वाला कोई भी एआई मॉडल वैश्विक स्तर पर लागू किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास प्रतिभा, ऊर्जा क्षमता और नीतिगत स्पष्टता है। भारत मानवता के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे बड़े तकनीकी प्रतिभा भंडार और एक समृद्ध प्रौद्योगिकी-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र का घर है। उन्होंने कहा कि 14 करोड़ भारतीय नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए उत्सुक है। भारत में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना न केवल देश के लिए बल्कि पूरे वैश्विक दक्षिण के लिए भी गर्व की बात है।

ट्रम्प ने जापान के साथ ट्रेड डील के शुरूआत की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान के साथ एक निवेश समझौते के शुरूआत का एलान किया है। जापान ने अमेरिका में कुल 550 बिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जो ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के अंत तक, यानी जनवरी 2029 तक पूरा होगा। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हुआ था, जिसमें जापान ने अमेरिका में निवेश करने के बदले अपनी कारों और अन्य सामानों पर लगने वाले अमेरिकी टैरिफ को कम करवाया था। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके बताया कि इस 550 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता के तहत पहली परियोजनाओं की शुरुआत हो गई है। इनमें तीन बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 36 बिलियन डॉलर है। पहली परियोजना जॉर्जिया राज्य में क्रिटिकल मिनरल्स की है, जहां सिंथेटिक डायमंड या अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन होगा, जो अमेरिका की विदेशी निर्भरता कम करने में मदद करेगा। दूसरी परियोजना टेक्सास राज्य में तेल और गैस की सुविधाओं की है, जिसमें गल्फ कोस्ट पर एक डीपवॉटर क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट सुविधा और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (स्रह्त) प्रोजेक्ट शामिल हैं, जो अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ावा देंगे। तीसरी परियोजना ओहियो राज्य में पावर जेनरेशन प्लांट की है, जो एक बहुत बड़ा नेचुरल गैस पावर प्लांट होगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ये प्रोजेक्ट बहुत बड़े स्तर के हैं और इन्हें लागू करने में टैरिफ की अहम भूमिका रही है। उन्होंने इसे अमेरिका और जापान के लिए ऐतिहासिक समय बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से निर्माण कर रहा है, उत्पादन कर रहा है और जीत रहा है। पिछले हफ्ते वॉशिंगटन में जापान के उद्योग मंत्री रयोसी अकाजावा और अमेरिकी

वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के बीच बैठक हुई थी, जहां पहले दौर के निवेश में तेजी लाने पर सहमति बनी। ये निवेश रणनीतिक क्षेत्रों जैसे क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऊर्जा पर केंद्रित हैं, जो दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को मजबूत करेंगे।

न्यूयॉर्क में चर्च में धमाका, फायरफाइटर समेत पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के एक चर्च में एक जोरदार धमाका हुआ जिसमें एक फायरफाइटर समेत पांच लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में गैस की गंध की रिपोर्ट मिली थी जिसके बाद

अग्निशमन विभाग यहां आया था। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस धमाके के कारण की जांच कर रही थी, जो सिरैक्यूज़ से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में एक ग्रामीण इलाके में एबंडेंट लाइफ फेलोशिप चर्च में सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। पांच लोगों को इलाज के लिए लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। दो की हालत गंभीर बताई गई, जिसमें एक फायरफाइटर भी शामिल है जो मौके पर पहुंचा था। पुलिस ने बताया कि बाकी तीन लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि धमाके से जुड़ी कोई क्रिमिनल एक्टिविटी का शुरुआती संकेत नहीं मिला, जिससे हवा में काले धुएं का घना गुबार फैल गया और चर्च को बहुत नुकसान हुआ। स्टेट ट्रूपर्स के अनुसार, चर्च को प्रोपेन सिलेंडर से गर्म किया जाता था।

झारखंड जगुआर का 18वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

जवानों के लिए खुलेगा अस्पताल: डीजीपी

बिभास संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस की विशेष एंटी नक्सल इकाई झारखंड जगुआर का 18वां स्थापना दिवस रांची स्थित जगुआर मुख्यालय में गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई और उनके योगदान को याद किया गया। इस दौरान जवानों ने परेड और हथियारों का प्रदर्शन भी किया, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मौके पर झारखंड डीजीपी तदाशा मिश्रा, एडीजी मनोज कौशिक, आईजी साकेत सिंह आईजी माइकल राज आईजी अनूप अनूप बीथ्रे, आईजी असीम विक्रांत मिंज, आईजी अजय लिंडा, आईजी प्रभात कुमार, डीआईजी कन्हैया मयूर पटेल, डीआईजी इंद्रजीत महाथा, डीआईजी चंदन झा अन्य वरीय पदाधिकारी एवं जवानों के परिजन और अन्य लोग मौजूद रहे। मौके पर डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि नक्सल समस्या पर झारखंड जगुआर ने अपनी आहूति देकर काबू पाया है। डीजीपी ने बताया कि 18 साल में जगुआर ने नक्सल आउटफिट्स के खिलाफ बेहतर काम किया है। हमारे झारखंड जगुआर को श्रेष्ठ बनाने में बेहतर प्रशिक्षण की भूमिका है। नए लड़के बेहतर काम कर रहे हैं। वर्तमान सरकार ने पुलिस की चुनौतियों को ठीक करने की दिशा में काम किया है। ऐसे में पुलिस का मनोबल बढ़ा है। 18 सालों में 350 से अधिक नक्सल की गिरफ्तारी हुई है। 50 से ज्यादा को मार गिराया गया।

डीजीपी ने बताया कि झारखंड जगुआर के जवान नक्सलियों के खिलाफ बेहतरीन तो हैं ही। साथ ही जगुआर की बीडीएस टीम (बम निरोधक दस्ता) भी बेहतर कार्य कर रही है। नक्सलियों की ओर से लगाए गए आईईडी और लैंड माइंस को निष्क्रिय कर नक्सलियों को भारी नुकसान पहुंचाया और जंगली रास्तों को अपने फोर्स और ग्रामीणों के लिए सुरक्षित बनाया।

जगुआर की स्थापना दिवस के अवसर पर डीजीपी तदाशा मिश्रा ने जगुआर मुख्यालय में एक अस्पताल खोलने की घोषणा की। डीजीपी ने बताया कि आईजी झारखंड जगुआर अनूप बिरथरे ने जगुआर कैंपस में एक अस्पताल होना अनिवार्य बताया था। यह सच भी है कि इतने बड़े कैंपस में डॉक्टरों की टीम का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए जल्द ही 10 बेड का एक अस्पताल झारखंड जगुआर कैंपस में शुरू किया जाएगा, जिसमें डॉक्टरों की टीम के साथ-साथ चिकित्सा की सभी व्यवस्था रहेगी।

इस अवसर पर आईजी अनूप बिरथरे ने कहा कि गठन के बाद से झारखंड जगुआर ने राज्य में शांति स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि अब तक जगुआर के 24 वीर जवान शहीद हुए हैं और वे सभी को नमन करते हैं।

आईजी ने कहा कि झारखंड पुलिस और जगुआर के समर्पित प्रयासों के कारण आज राज्य इस मुकाम पर खड़ा है। फिलहाल चाईबासा जिला को नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता है, लेकिन पुलिस और जगुआर की टीम जल्द ही वहां भी पूरी तरह शांति स्थापित कर देगी। एंटी-नक्सल ऑपरेशन के उद्देश्य से गठित इस विशेष बल ने अपने लक्ष्य को काफी हद तक हासिल कर लिया है, जो झारखंड के लिए एक बडी उपलब्धि है।

आईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि झारखंड जगुआर परिवार का यह सौभाग्य है कि आज हमारे स्थापना दिवस पर आप सभी अतिथियों का आगमन झारखंड जगुआर कैंपस में हुआ है। इसके लिए हम आप सभी के आभारी हैं। आईजी ने बताया कि झारखंड जगुआर का गठन वर्ष 2008 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीम से लड़ने के लिए एक एंटी नक्सल फोर्स के रूप में किया गया था। गठन से लेकर आज तक झारखंड जगुआर ने अपने इस कर्तव्य का निर्वहन भली-भांति किया है और झारखंड राज्य में वामपंथी उग्रवाद से लड़ने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

आईजी ने अपने 24 वीर शहीद पदाधिकारी और जवानों को नमन करते हुए कहा कि जिन्होंने नक्सलियों के विरुद्ध लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं उन शहीद परिवारों को नमन करता हूं, जिन्होंने झारखंड राज्य को नक्सली मुक्त बनाने के लिए अपने प्राणों की आहूति दी है। 2008 में अपने गठन से लेकर आज तक झारखंड जगुआर में नक्सली उन्मूलन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। अभी तक कुल 114 मुठभेड़ में 50 से अधिक उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। 300 से अधिक उग्रवादियों की गिरफ्तारी की गई है। साढ़े चार हजार से अधिक पुलिस हथियार एवं 3000 से अधिक आईईडी रिकवर किए गए हैं। आईजी ने बताया कि पिछले वर्ष 2025 में झारखंड जगुआर ने अपने किए गए ऑपरेशंस में कुल सात उग्रवादियों को मार गिराया। इसके अलावा संयुक्त बलों के साथ किए गए अभियानों में सैकड़ों की संख्या में आईईडी रिकवर की और 38 किलो से ज्यादा जिलेटिन जो ओडिशा राज्य में लूटा गया था, जो सुरक्षा बलों के विरुद्ध और आम नागरिकों के विरुद्ध ऑपरेशन में सीआरपीएफ और कोबरा फोर्सेज के साथ रिकवर किया। इसके अलावा पिछले साल 23 पुलिस हथियार एवं 19 देसी मेड हथियार बरामद किए गए हैं।

कार्यक्रम के दौरान जगुआर के जवानों ने डेमो कर नक्सल अभियान के दौरान एनकाउंटर जैसा लाइव नजारा दिखाया।

संक्षिप्त खबरें

जब स्टेशन घर जैसा लगे : आपका एक छोटा कदम, सबके लिए एक बड़ा बदलाव

आसनसोल: जब उगते सूर्य की पहली किरणें आसनसोल स्टेशन के प्लेटफॉर्म को स्पर्श करती है, तो अपने पिता के हाथ को पकड़े स्टेशन पर मौजूद एक छोटे बालक की आँखें खुशी से चमक उठती हैं। उसकी माँ सामानों को सहेज रही है, जबकि उस बालक की दादी भाप निकलते दो कप चाय के साथ मुस्कुरा रही हैं। उनके आस-पास प्लेटफॉर्म साफ है, हवा ताजी लग रही है, और आने वाली ट्रेन की घोषणा स्पष्ट सुनाई दे रही है। उनकी यात्रा चिंता से नहीं, बल्कि आराम और आत्मविश्वास से शुरू होता है। यह छोटा-सा पल एक बड़ी कहानी कहती है। एक स्वच्छ स्टेशन अचानक नहीं बनता। समर्पित रेलवे कर्मचारी पहली ट्रेन आने से काफी पहले प्लेटफॉर्म पर झाड़ू लगाने, कचरा साफ करने और सफाई बनाए रखने के लिए बिना थके काम करते हैं। लेकिन सिर्फ उनकी कोशिशें काफी नहीं हैं। ट्रैक पर अव्यवस्थित ढंग से फेंका गया हर रैपर, पीछे छोड़ी गई हर प्लास्टिक की बोतल, और लापरवाही की हर हरकत का असर हजारों साथी यात्रियों पर पड़ता है, जो उसी जगह से होकर यात्रा करते हैं। स्वच्छता सिर्फ.दिखावा मात्र नहीं है, बल्कि यह संरक्षा, सेहत और सम्मान से जुड़ा है। जब प्लेटफॉर्म स्वच्छ होते हैं, तो दुर्घटनाएँ कम होती हैं। जब आस-पास साफ होता है, तो परिवार शांति से अपनी यात्रा कर पाते हैं। साथ ही साथ जब रेलवे की संपत्ति सुरक्षित रहती है, तो यह सभी के लिए बेहतर होती है। पूर्व रेलवे का आसनसोल मंडल सभी यात्रियों से अपील करता है कि रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के साथ वैसा ही व्यवहार करें, जैसा आप अपने घर के साथ करते हैं। डस्टबिन का इस्तेमाल करें। कूड़ा फेंकने और सिंगल-यूज प्लास्टिक से बचें। प्रतीक्षालय और घूमने-फिरने की जगहों को साफ-सुथरा रखें। अगर आपको कुछ भी असुरक्षित या गंदा दिखे, तो तुरंत ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारी को बताएं। सोचिए कि हर स्टेशन आपके लिविंग रूम की तरह स्वागत करने वाला हो, हर सफर गर्व से शुरू हो और संतुष्टि के साथ खत्म हो। यह सोच तब सच हो सकती है, जब हममें से हर कोई स्वच्छता की ओर एक छोटा कदम बढ़ाए। जब आप अपनी रेलवे की देखभाल करते हैं, तो आप अपने परिवार की यात्रा को बेहतर बनाते हैं। आइए, हम सब मिलकर अपने स्टेशनों को साफ रखें, अपनी यात्रा को सुरक्षित रखें, और अपने रेलवे को एक ऐसी जगह बनाएं, जिसे हम अपना कहने में गर्व महसूस करें।

सुरक्षित आवागमन के लिए फुट ओवर ब्रिज और सबवे का उपयोग करें

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने यात्रियों और आम जनता से रेलवे ट्रैक पर अनधिकृत प्रवेश न करने और स्टेशन परिसर के भीतर रेलवे लाइन पार करते समय केवल ऊपरी पैदल पुल (एफओबी), सबवे और निर्धारित रास्तों जैसी अधिकृत सुविधाओं का उपयोग करने की अपील की है। रेलवे ट्रैक पर अनधिकृत प्रवेश करना अत्यंत खतरनाक है और रेलवे सुरक्षा नियमों के तहत सख्त वर्जित है। ट्रेनें तेज गति से चलती हैं और तुरंत नहीं रुक सकतीं। जल्दबाजी में ट्रैक पार करने का कोई भी प्रयास गंभीर या घातक दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है, जिससे संबंधित परिवारों को अपूरणीय क्षति और रेलवे परिचालन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। लगातार जागरूकता अभियान और स्टेशनों पर सुरक्षित क्रॉसिंग सुविधाओं की उपलब्धता के बावजूद, ट्रैक पर अनधिकृत प्रवेश की घटनाएं सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। विभाग इस बात पर जोर देता है कि जो चीज देखने में शॉर्टकट लगती है, वह पल भर में जानलेवा खतरा बन सकती है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि स्टेशनों पर बने फुट ओवर ब्रिज और सबवे का हमेशा इस्तेमाल करें। किसी भी परिस्थिति में रेलवे ट्रैक पार करने से बचें। बच्चों, बुजुर्गों और सहयात्रियों को निर्धारित सुरक्षित रास्तों का पालन करने के लिए मार्गदर्शन करें। किसी भी असुरक्षित गतिविधि या अनधिकृत प्रवेश की घटना की सूचना रेलवे कर्मचारियों या रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को दें। रेलवे पुनः इस बात पर जोर देता है कि रेलवे कर्मचारी सुरक्षित बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और सुचारू ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। हालांकि, टाले जा सकने वाले हादसों को रोकने के लिए जनता का सहयोग आवश्यक है। अनाधिकृत प्रवेश रेलवे से संबंधित दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक है और जागरूकता, अनुशासन और ज़िम्मेदार व्यवहार के माध्यम से इसे प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। हर जीवन अनमोल है। आसनसोल मंडल सभी नागरिकों से आग्रह करता है कि वे जल्दबाजी के बजाय सुरक्षा को प्राथमिकता दें और एक सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त रेलवे वातावरण बनाने में योगदान दें।

इटखोरी महोत्सव का मंत्रियों ने किया उद्घाटन, पहले दिन कई कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

चतरा। तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव 2026 का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। उद्घाटन समारोह में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता, जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी और जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समारोह के दौरान अतिथियों ने इटखोरी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक थौर आध्यात्मिक विरासत को समर्पित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं और आमजनों की सुविधा के लिए मां भद्रकाली मंदिर के लिए विकसित आधिकारिक वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने मां भद्रकाली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर उपायुक्त कीर्तिश्री ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजकीय इटखोरी महोत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग और आम लोगों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक लोकनृत्य और रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आगामी दो दिनों तक विविध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यटन आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे इटखोरी की पहचान और अधिक सशक्त होगी।

फियेफ फ्रांस के संरक्षण में आयोजित फोटो प्रदर्शनी स्नोई आईलैंड में नरेश अग्रवाल को स्वर्ण

बिभा संवाददाता

रांची : जमशेदपुर के छायाकर नरेश अग्रवाल को विश्व प्रसिद्ध संस्था फियेफ फ्रांस के संरक्षण में आयोजित चित्र प्रदर्शनी स्नोई आईलैंड में मोनोक्रोम श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा एक अन्य चित्र को विशेष सम्मान तथा चार और चित्रों को प्रदर्शनी हेतु चयनित किया गया है। यह एक बेहद प्रतिष्ठित प्रतियोगिता थी जिसमें लगभग 25 देश के छायाकारों ने भाग लिया था। इस पुरस्कार का प्राप्त होना शहर के लिए बेहद गौरव की बात है।

झारखंड राज्य में वे एकमात्र ऐसे छायाकार हैं जिनकी तस्वीरों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1000 से अधिक बार चयन हुआ है। शीघ्र ही उन्हें छायाकारों के अति प्रतिष्ठित योग्यता पत्र AFIP, EFIAP, PPSA, EPSA प्राप्त होने वाले है। जिनमें से PPSA और EPSA बेहद खास हैं जो झारखंड में अब तक किसी प्राप्त नहीं हुआ है। यह उपलब्धि प्राप्त होने पर वे झारखंड के पहले व्यक्ति होंगे जिन्हें अमेरिका फोटोग्राफी समिति द्वारा यह सम्मान प्रदान किया जाएगा ।

नरेश अग्रवाल ने लुप्त होती सबर जाति पर विशेष कार्य किया है। झारखंड एवं बंगाल के बहुत सारे गांवों में जाकर उनकी तस्वीरें खींची हैं । इसके अलावा ग्रामीण परिवेश तथा उनके रोजमर्रा की ज़िंदगी पर भी असंख्य चित्र उनके द्वारा खींचे गए हैं। उनकी कलात्मक तस्वीरों को सभी के द्वारा सराहा जा रहा है। शीघ्र ही कोलकाता में उनके चित्रों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित होने वाली है।

आगामी त्यौहार के मद्देनजर वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-खुर्दा रोड-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्पेशल ट्रेन का परिचालन 27 फरवरी से

धनबाद: होली त्यौहार के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु कोडरमा-पारसनाथ-गोमो के रास्ते वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-खुर्दा रोड के मध्य वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-खुर्दा रोड-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा जिनका विवरण इस प्रकार है- 01929 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-खुर्दा रोड स्पेशल शुक्रवार 27.02.26 से 27.03.26 तक। 01930 खुर्दा रोड -वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्पेशल रविवार 01.03.26 से 29.03.26 तक।

खड़गपुर आरपीएफ का सराहनीय कार्य, दो मामलों में मदद

खड़गपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) खड़गपुर मंडल ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दो अलग-अलग घटनाओं में एक नाबालिग बच्चे को सुरक्षित बचाया तथा लापता दिव्यांग युवक को उसके परिजनों से मिलाया। गुरुवार शाम रेलवे की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में इन दोनों घटनाओं की जानकारी साझा की गई। पहली घटना 17 फरवरी की है। रेल मदद शिकायत मिलने पर आरपीएफ ने ट्रेन संख्या 12872 के सामान्य डिब्बे में अकेले मिले करीब तीन वर्षीय बच्चे को संतरागाछी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित बरामद किया। एक यात्री ने बताया कि बच्चे का अभिभावक चेंगाइल स्टेशन पर उतर गया था और बच्चा डिब्बे में रह गया। आरपीएफ ने जीआरपीएस व रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर बच्चे को सुरक्षित उतारा। बच्चे के पास से दो मोबाइल फोन तथा पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद हुए। आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर बच्चे का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया और 18 फरवरी को उसे आगे की देखभाल व कानूनी कार्रवाई के लिए चाइल्डलाइन, हावड़ा को सौंप दिया गया। दूसरी घटना उसी दिन शाम करीब 6:25 बजे की है, जब नियमित जांच के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने कांथी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर एक बधिर-मूक युवक को भटकते हुए देखा। लिखित संवाद के माध्यम से युवक ने अपना नाम आदित्य राय (20), निवासी झारसुगुड़ा, ओडिशा बताया। दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर पता चला कि वह 14 फरवरी से घर से लापता था। सूचना मिलने पर परिजन आवश्यक दस्तावेज लेकर कांथी पहुंचे। युवक को भोजन, पानी व सुरक्षित आश्रय देने के बाद 18 फरवरी को सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर उसे उसके मामा के सुपुर्द कर दिया गया।

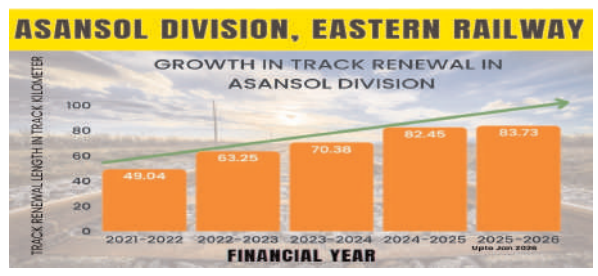

आसनसोल मंडल ने अवसंरचना, संरक्षा और ट्रेन परिचालन को मजबूत करने के लिए ट्रैक नवीनीकरण का कार्य शुरू

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने रेलवे अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) को मजबूत करने और ट्रेन परिचालन की संरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से पूरे मंडल में बनाए गए योजना के अंतर्गत ट्रैक नवीनीकरण का कार्य किया है। इसी क्रम में ट्रैक नवीनीकरण एक जरूरी इंजीनियरिंग गतिविधि है ताकि ट्रैक ज्योमेट्री सही बनी रहे, ट्रेन सुरक्षित चले और यात्रियों की यात्रा आरामदायक हो, साथ ही माल ढुलाई को भी भरोसेमंद बनाया जा सके।

यह कार्य चरणबद्ध और सुनियोजित तरीके से किया गया, जिसकी पहले से योजना बनाई गई थी ताकि ट्रेन परिचालन सेवा जारी रहे और यात्रियों को कम-से-कम असुविधा हो। नवीनीकरण प्रक्रिया के दौरान पुरानी और घिसी हुई रेल और स्लीपर बदले गए, बैलेस्ट को ठीक से पैक किया गया और इंजीनियरिंग अधिकारियों की देख-रेख में ट्रैक ज्योमेट्री को बनाए रखा गया। ट्रैक बिछाने, टैंपिंग और स्टेबिलाइजेशन के लिए मॉडर्न ट्रैक मशीनें लगाई गईं, जिनमें पीक्यूआरएस (प्लासर क्विक रिलेइंग सिस्टम), यूएनआईएमएटी, डीयूओएमएटी, डायनामिक टैम्पिंग एक्सप्रेस और सीएमएस (ट्रैक स्टेबिलाइज़िंग मशीन) शामिल हैं, ताकि सटीकता, टिकाऊपन और बेहतर राइडिंग क्वालिटी सुनिश्चित हो सके। उक्त कार्य के दौरान सभी संरक्षा सावधानियों और मानक इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं का पालन किया गया।

नवीनीकरण प्रक्रिया के दौरान पुरानी रेल की जगह, ट्रैक की मजबूती और टिकाऊपन को बेहतर बनाने के लिए 60 ", 90 यूटीएस लंबी वेल्डेड रेल बिछाई गईं। बेहतर लोड डिस्ट्रीब्यूशन, बेहतर ट्रैक स्टेबिलिटी और लंबी सर्विस लाइफ के लिए इलास्टिक रेल फास्टनिंग वाले प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर लगाए गए। इसी क्रम में बेहतर बैलास्ट कुशन और मशीनी पैकिंग ने ट्रैक ज्योमेट्री को मजबूत किया और ट्रेन परिचालन को आसान और सुरक्षित बनाया।

मंडल में वित्त वर्ष के अनुसार किए गए ट्रैक नवीनीकरण इस प्रकार हैं:

2021-2022: 49.04 किमी ट्रैक नवीनीकरण किया गया।

2022-2023: 63.25 किमी ट्रैक नवीनीकरण किया गया।

2023-2024: 70.38 किमी ट्रैक नवीनीकरण किया गया।

2024-2025: 82.45 किमी ट्रैक नवीनीकरण किया गया।

2025-2026 (जनवरी तक): 83.73 किमी ट्रैक नवीनीकरण किया गया।

ट्रैक नवीनीकरण 2021-2022 में 49.04 किमी से बढ़कर 2025-2026 (जनवरी तक) में 83.73 किमी हो गया, जो लगभग 70.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर में आसनसोल मंडल की सुधार और संरक्षा पर निरंतर फोकस को दर्शाती है।

वित्त वर्ष 2022-2025 के दौरान मंडल में कुल 265.12किमी ट्रैक नवीनीकरण किया गया है, जिससे ट्रैक की स्थिति, परिचालन संरक्षा और ट्रेन कार्य-निष्पादन में सुधार हुआ है।

आसनसोल मंडल यात्रियों और माल ढुलाई के कार्यों के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और बेहतर ट्रेन परिचालन सेवा प्रदान करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुरक्षण और संरक्षा पर निरंतर ध्यान दे रहा है।

टाटानगर-एनार्कुलम के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

जमशेदपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के टाटानगर स्टेशन से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने 08189/08190 टाटानगरझ्झएनार्कुलमझ्झटाटानगर स्पेशल ट्रेन (टू ओवर डिमांड) चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन एक-एक फेरा लगाएगी और दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों को राहत देगी।

रेलवे द्वारा गुरुवार को कहा जारी सूचना के अनुसार 08189 टाटानगरझ्झएनार्कुलम स्पेशल 22 फरवरी 2026 दिन रविवार को टाटानगर से दोपहर 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर अगले दिन एनार्कुलम पहुंचेगी। वहीं 08190 एनार्कुलमझ्झटाटानगर स्पेशल 24 फरवरी 2026 दिन मंगलवार को एनार्कुलम से प्रस्थान कर निर्धारित मार्ग से होते हुए टाटानगर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन एक-एक ट्रिप संचालित की जाएगी।

टाटानगर से खुलने वाली स्पेशल ट्रेन राउरकेला, झारसुगुड़ा, संबलपुर, बरगढ़ रोड, बलांगीर, टीटीलागढ़, केसिंगा, मुनिगुड़ा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम, विजयनगरम, डुव्वाड़ा, सामलकोट, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपाड़ी, सलेम, इरोड, तिरुपुर, पलक्काड, त्रिशूर, अलुवा होते हुए एनार्कुलम पहुंचेगी। वापसी में भी यही प्रमुख स्टेशन निर्धारित किए गए हैं।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण भारत विशेषकर केरल जाने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना समय से बनाएं और टिकट आरक्षण सुनिश्चित कर लें। रेलवे ने उम्मीद जताई है कि इस विशेष सेवा से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी और नियमित ट्रेनों पर दबाव कम होगा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com